THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 250 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष शु.1, 2079 गुरुवार, 24 नवंबर 2022

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

टीआरएस विधायक ने सरकारी अफसर का कॉलर पकड़ा

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राष्ट्र समिति के विधायक कृष्ण मोहन रेड्डी ने मंगलवार को एक सरकारी अधिकारी का कॉलर पकड़ कर गाली-गलौज की। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। घटना जोगुलम्बा गदवाल जिले के गदवाल की है। विधायक इसीलिए नाराज हो गए, क्योंकि उन्हें एक प्रोग्राम में देरी से बुलाया गया। दरअसल, गदवाल में एक स्कूल का उद्घाटन होना था, लेकिन उनके पहुंचने से पहले ही जिला परिषद की अध्यक्ष ने स्कूल का उद्घाटन कर दिया। गदवाल में स्कूल का उद्घाटन करने पर जिला परिषद अध्यक्ष सरिता से विधायक नाराजगी जाहिर कर रहे थे।

राहुल गांधी की पदयात्रा पर पीएम का निशाना

'एक नेता पदयात्रा कर रहे हैं, लेकिन वह यात्रा हो रही है पद के लिए'

वडोदरा, 23 नवंबर (एजेंसियां)। अपने तीन दिन के गुजरात दौरे के एक दिन बाद पीएम नरेंद्र मोदी आज फिर 4 चुनावी रैलियां करने गुजरात पहुंचे। वे बुधवार दोपहर करीब 1 बजे मेहसाणा पहुंचे, जहां पहली जनसभा को संबोधित किया। इसके बाद दाहोद में जनसभा की। दाहोद की जनसभा में पीएम ने नाम लिए बिना राहुल गांधी की पदयात्रा पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा- 'इन दिनों कांग्रेस के एक नेता पदयात्रा कर रहे हैं। वैसे पदयात्रा तो समाज के भले के लिए की जाती है। लेकिन, इन नेता की यात्रा पद के लिए हो रही है।

कांग्रेस का मॉडल जातिवाद-परिवारवाद और संप्रदायवाद

मेहसाणा में उन्होंने संबोधन में कहा- भारतीय जनता पार्टी एक ऐसी पार्टी है, जिसके लिए व्यक्ति से बढ़कर पार्टी और पार्टी से बड़ा देश है। यही हमारी संस्कृति है और हम इसी संस्कृति के साथ काम करते हैं। लेकिन, कांग्रेस का मॉडल जातिवाद- परिवारवाद और संप्रदायवाद है। कांग्रेस मॉडल मतलब है- खरबों का भ्रष्टाचार। लेकिन, देश की युवा पीढ़ी अब आगे बढ़ रही है। वह आंखों पर पट्टी बांधकर यकीन नहीं करती, बल्कि काम करने वालों का मूल्यांकन करके आगे बढ़ती है।

पीएम ने आगे कहा, कांग्रेस ने 60 साल शासन किया, लेकिन किसी एक आदिवासी को राष्ट्रपति तक नहीं बनाया। पंचायत से लेकर संसद तक सरकार रही, लेकिन आदिवासियों के लिए कुछ नहीं किया। एक भाई चुनाव प्रचार कर रहे हैं और आदिवासियों की बात कर रहे हैं, मैं उनसे पूछूंगा कि जब बीजेपी ने एक आदिवासी बहन को राष्ट्रपति बनाया तो वे कहां थे? उन्होंने मुंह तक नहीं दिखाया, बल्कि ऊपर से उन्हें हराने की कोशिश की। यही कांग्रेस की मानसिकता है। अगर कांग्रेस जीतती है तो उसके बाद वह आपको मुंह तक नहीं दिखाती। लेकिन हम हमेशा आपके साथ खड़े हैं।

विपक्ष भी सवाल पूछने में हमसे हिचकता है

पीएम ने आगे कहा कि अब से 20 साल पहले यहां सिर्फ 55 लाख बिजली कनेक्शन थे, जो आज दो करोड़ हो चुके हैं। क्योंकि, अब बिजली कनेक्शन के लिए लोगों को भ्रष्टाचार का सामना नहीं करना पड़ता। वहीं, जहां पहले लोग बूंद-बूंद पानी के लिए तरसते थे, वहीं आज घरों में रोजाना नर्मदा का पानी आ रहा है। बीजेपी सरकार सत्ता में आई ही थी विकास कार्य करने के लिए। इन सालों में हमने इतने विकास कार्य किए हैं कि विपक्ष भी सवाल पूछने में हमसे हिचकता है।

कांग्रेस का मॉडल जातिवाद परिवारवाद और संप्रदायवाद : मोदी

वडोदरा, 23 नवंबर (एजेंसियां)। अपने तीन दिन के गुजरात दौरे के एक दिन बाद पीएम नरेंद्र मोदी आज फिर 4 चुनावी रैलियां करने गुजरात पहुंचे। बुधवार दोपहर करीब 1 बजे मेहसाणा में उन्होंने कहा- भारतीय जनता पार्टी एक ऐसी पार्टी है, जिसके लिए व्यक्ति से बढ़कर पार्टी और पार्टी से बड़ा देश है। यही हमारी संस्कृति है और हम इसी संस्कृति के साथ काम करते हैं। लेकिन, कांग्रेस का मॉडल जातिवाद-परिवारवाद और संप्रदायवाद है। कांग्रेस का मॉडल मतलब है- खरबों का भ्रष्टाचार। लेकिन, देश की युवा पीढ़ी अब आगे बढ़ रही है। वह आंखों पर पट्टी बांधकर यकीन नहीं करती, बल्कि काम करने वालों का मूल्यांकन करके आगे बढ़ती है।

विपक्ष भी सवाल पूछने में हमसे हिचकता है

पीएम ने आगे कहा कि अब से 20 साल पहले यहां सिर्फ 55 लाख बिजली कनेक्शन थे, जो आज दो करोड़ हो चुके हैं। क्योंकि, अब बिजली कनेक्शन के लिए लोगों को भ्रष्टाचार का सामना नहीं करना पड़ता। वहीं, जहां पहले लोग बूंद-बूंद पानी के लिए तरसते थे, वहीं आज घरों में रोजाना नर्मदा का पानी आ रहा है। बीजेपी सरकार सत्ता में आई ही थी विकास कार्य करने के लिए। इन सालों में हमने इतने विकास कार्य किए हैं कि विपक्ष भी सवाल पूछने में हमसे हिचकता है।

मेरे बेटे को पूरी रात पीटा : मल्ला रेड्डी

हैदराबाद, 23 नवंबर (एजेंसियां)। तेलंगाना के श्रम मंत्री सी. मल्ला रेड्डी ने यहां अपने आवास और शैक्षणिक संस्थानों पर मारे गए छापों के दौरान आयकर विभाग के अधिकारियों के साथ आए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के कर्मियों पर उनके बेटे की पिटाई करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ ने मेरे बेटे को बुरी तरह से पीटा है। उसकी भावना आहत हुई है।

मल्ला रेड्डी ने कहा कि सीआरपीएफ और पुलिस ने मेरे बड़े बेटे को पूरी रात पीटा और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने मेरे बेटे के डॉक्टर को उसका इलाज नहीं करने दिया। वे मुझे भी उससे मिलने नहीं दे रहे हैं। अगर उन्हें कुछ अज्ञात धन मिला है तो इसमें क्या गलत है? उन्हें अपना काम करना चाहिए। इन छापों को राजनीतिक प्रतिशोध'' की कार्रवाई बताते हुए रेड्डी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी उन्हें और तेलंगाना राष्ट्र समिति की सरकार को निशाना बना रही है। एक सवाल के जवाब में मंत्री ने कहा कि उनके मेडिकल कॉलेज में सीटों के आवंटन में कोई अनियमितता नहीं हुई और सब कुछ राज्य सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुसार पारदर्शी था। अस्पताल जाने से पहले मल्ला रेड्डी ने अपने आवास पर कहा कि क्या हम कोई हवाला कारोबार कर रहे हैं?

वायु सैनिक हत्या मामला : टाडा कोर्ट ने यासीन मलिक के खिलाफ प्रोडक्शन वारंट किया जारी

अगली सुनवाई 22 दिसंबर को

जम्मू , 23 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू के टाडा कोर्ट ने बुधवार को 1990 में भारतीय वायु सैनिकों की हत्या के मामले में सुनवाई करते हुए आतंकी एवं अलगावादी नेता यासीन मलिक के पेशी वारंट जारी किया है। मामले में अगली सुनवाई 22 दिसंबर को होगी। सीबीआई की वकील मोनिका कोहली ने जानकारी दी है।

बता दें, 25 जनवरी 1990 को श्रीनगर शहर में वायु सेना कर्मियों की हत्या की वारदात हुई थी। वायु सेना के पांच जवानों की आतंकियों ने हत्या कर दी थी। इस केस की सुनवाई जम्मू के टाडा कोर्ट में चल रही है। मामले में शामिल अलगाववादी नेता यासीन मलिक अब आतंकी फंडिंग मामले में तिहाड़ जेल में सजा काट रहा है। यासीन को एनआईए की विशेष अदालत ने इस साल 25 मई को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। यासीन को दो मामलों में उम्रकैद और 10 मामलों में 10 साल सजा सुनाई गई। सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी। इसके अलावा उस पर 10 लाख रुपए जुर्माना भी लगाया गया था।

साल 1989 में पूर्व गृहमंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद की बेटी एवं महबूबा मुफ्ती की बहन रुबिया सईद के अपहरण मामले में भी यासीन आरोपी है। इस मामले की 24 नवंबर को जम्मू के टाडा कोर्ट में सुनवाई होनी है। 1989 में घर लौटते वक्त रूबिया का अपहरण कर लिया गया था। इसके बदले यासीन के संगठन ने पांच आतंकियों को छोड़ने की मांग रखी। सरकार ने इस मांग को मानते हुए पांचों आतंकियों को छोड़ दिया था, लेकिन इसके बाद इस मामले की जांच शुरू की गई और जांच सीबीआई को सौंपी गई। सीबीआई ने जांच करने के दोनों मामलों में आरोपपत्र दायर किया है। दोनों मामलों की सुनवाई मामला जम्मू के टाडा कोर्ट में हो रही है।

अरुण गोयल की चुनाव आयुक्त पद पर नियुक्ति को लेकर शीर्ष कोर्ट नाराज

केंद्र से फाइल पेश करने को कहा

नई दि, 23 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयुक्त के रूप में अरुण गोयल की नियुक्ति पर दखल दिया है। अदालत ने बुधवार को सुनवाई के दौरान चुनाव आयुक्त के तौर पर अरूण गोयल की नियुक्ति संबंधी फाइल मांगी है। शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार से सवाल किया कि अरुण गोयल को चुनाव आयुक्त पद पर कैसे नियुक्ति की गई है। अदालत ने इसका रिकॉर्ड भी मांगा है। अदालत ने कहा कि सुनवाई शुरू होने के तीन दिन के भीतर नियुक्ति हो गई। हम ये जानना चाहते हैं कि नियुक्ति के संदर्भ में क्या प्रक्रिया अपनाई गई है। अगर ये नियमानुसार किया गया है तो इसमें परेशान होने वाली कोई बात नहीं है। कोर्ट ने अटॉर्नी जनरल से नियुक्ति से संबंधित फाइलें लाने को कहा है। अदालत ने कहा कि जब सुनवाई चल रही थी तब नियुक्ति न की जाती तो ज्यादा उचित होता। पीठ ने कहा कि वह सिर्फ तंत्र को समझना चाहती है और देखना चाहती है कि कुछ हंकी पैंकी तो नहीं हुई है।

गौरतलब है कि याचिकाकर्ता प्रशांत भूषण ने संविधान पीठ को बताया था कि गुरुवार को उन्होंने ये मुद्दा उठाया था। इसके बाद एक सरकारी अफसर को वीआरएस देकर चुनाव आयुक्त नियुक्त कर दिया गया। बावजूद इसके कि पहले ही उन्होंने इसे लेकर अर्जी दाखिल की थी। बता दें कि भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी अरुण गोयल ने सोमवार को चुनाव आयुक्त का पदभार संभाला है। इससे पहले उन्हें शनिवार को चुनाव आयुक्त नियुक्त किया गया था। उन्होंने शुक्रवार को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ली थी। गोयल को 31 दिसंबर 2022 को 60 साल की आयु में सेवानिवृत्त होना था। सरकार ने एक विज्ञप्ति के माध्यम से गोयल की नियुक्ति की जानकारी दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए परामर्श प्रक्रिया में सीजेआई को शामिल करने की बात कही है। ईसी और सीईसी की नियुक्ति के लिए कॉलेजियम जैसी प्रणाली की मांग करने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसा करने से चुनाव आयोग की स्वतंत्रता सुनिश्चित होगी। सुनवाई के दौरान अदालत ने यह भी कहा कि वर्तमान में जो व्यवस्था है उसके तहत अगर केंद्र में कोई भी सत्ताधारी दल खुद को सत्ता में बनाए रखना चाहता है तो वह इस पद पर 'यस मैन' नियुक्त कर सकता है।

कर्नाटक के बाद अब पश्चिम बंगाल में हिजाब पर बवाल

दो छात्र गुटों के बीच जमकर मारपीट, रैपिड एक्शन फोर्स तैनात

हावड़ा पश्चिम बंगाल के हावड़ा के एक सरकारी स्कूल में हिजाब और भगवा स्कार्फ को लेकर दो छात्र गुटों के बीच जमकर मारपीट हुई। विवाद इतना बढ़ गया कि स्कूल में चल रही परीक्षा रद्द करनी पड़ी। हावड़ा के धूलागढ़ में तनाव के बाद रैपिड एक्शन फोर्स की तैनाती की गई है। इससे पहले जनवरी में कर्नाटक में हिजाब को लेकर विवाद को शुरू हुआ था। यहां उडुपी में 6 मुस्लिम छात्राओं को हिजाब पहनने के कारण कॉलेज में क्लास रूम में बैठने से रोक दिया गया था। कॉलेज मैनेजमेंट ने नई यूनिफॉर्म पॉलिसी को इसकी वजह बताई थी।

क्या है पूरा मामला

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मंगलवार को कुछ छात्राएं हिजाब पहनकर परीक्षा देने पहुंची थीं। तभी दूसरे छात्रों के ग्रुप ने इसपर आपत्ति जताई और उन्हें परीक्षा के दौरान इसे न पहनने के लिए कहा। इसके बाद कुछ हिंदू छात्रों ने भगवान शिव के ग्राफिक्स वाली टी-शर्ट और भगवा स्कार्फ पहनकर विरोध जताना शुरू कर दिया। हिंदू छात्रों की मांग थी कि जैसे दूसरे ग्रुप की लड़कियों को हिजाब पहनने की अनुमति दी गई है, ठीक वैसे ही उन लोगों को भगवा स्कार्फ के साथ अंदर जाने की परमिशन दी जाए। इसका एक मुस्लिम लड़की ने विरोध किया और कहा कि ये स्कूल यूनिफॉर्म का हिस्सा नहीं है तो इन लड़कों ने पूछा कि उसने हिजाब क्यों पहना है। इसके बाद दोनों पक्षों के लड़के और लड़कियों के बीच बहस और उसके बाद मारपीट शुरू हो गई।

मामला इतना बढ़ गया कि छात्रों ने स्कूल में तोड़फोड़ शुरू कर दी। जब टीचर्स ने उन्हें रोकने की कोशिश की, तो उन्हें भी धकेल दिया गया। जिसके बाद परीक्षाएं भी स्थगित कर दी गईं। रिपोर्टस के मुताबिक एक 11वीं के छात्र ने बताया कि स्थिति ऐसी हो गई थी कि माना जा रहा है कि कहीं स्कूल मैनेजमेंट प्री-बोर्ड सहित सारी परीक्षा रद्द न कर दें। घटना के बाद स्कूल मैनेजमेंट ने एक बैठक की। जिसमें यह निर्णय लिया गया कि छात्रों को अब अपने स्कूल यूनिफॉर्म में स्कूल आना होगा। इससे पहले पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में स्थित एक हाई स्कूल की छात्रा को टीचर ने हिजाब और बुर्का पहनकर आने से मना कर दिया था। छात्रा के परिजनों और स्थानीय लोगों को जब ये बात पता चली तो उन्होंने स्कूल में जमकर तोड़फोड़ की।

पूर्व सीएम कुमारस्वामी ने मांगी माफी, कांग्रेस नेता के लिए अपशब्द कहे थे

नई दिल्ली, 23 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने कांग्रेस नेता के आर रमेश कुमार के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल करने के लिए माफी मांगी है। जद (एस) नेता ने कहा, 'मैंने पूर्व स्पीकर रमेश कुमार के लिए जो शब्द इस्तेमाल किया, उससे मुझे भी दुख पहुंचा है... अगर मेरे शब्द से रमेश कुमार या किसी और को ठेस पहुंची है तो मुझे खेद है। मैं अपने शब्द वापस लेता हूं।'

यूरोपीय संसद ने रूस को 'आतंकवाद प्रायोजक देश' घोषित किया, यूक्रेन पर हमलों का दिया हवाला

स्ट्रासबर्ग, 23 नवंबर (एजेंसियां)। यूरोपीय संसद (ईयू) ने रूस को 'आतंकवाद का प्रायोजक देश' घोषित किया। अंतरराष्ट्रीय मीडिया की रिपोर्ट्स के हवाले से यह खबर सामने आ रही है। ईयू ने तर्क दिया कि मास्को के सैन्य हमलों ने उर्जा बुनियादी ढांचे, अस्पतालों, स्कूलों और आश्रयों जैसे नागरिक लक्ष्यों पर अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन किया। इसने यूक्रेन पर किए हमलों को क्रूर और अमानवीय कृत्य करार दिया।

यूरोपीय संसद के सदस्यों ने कहा, रूस ने जानबूझकर यूक्रेन की नागरिक आबादी पर हमले किए और अत्याचार किया है। सदस्यों ने कहा कि मास्को ने नागरिक बुनियादी ढांचे का विनाश, मानवाधिकारियों का गंभीर उल्लंघन और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानूनों के खिलाफ युद्ध अपराध का कार्य किया है।

अब जेल में सत्येंद्र जैन के खाने का वीडियो आया

बिस्तर पर परोसा गया खाना, आप मंत्री ने कोर्ट से कहा था- जेल में 28 किलो वजन घटा

नई दिल्ली, 23 नवंबर (एजेंसियां)। मनी लॉन्ड्रिंग केस में तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन का नया वीडियो सामने आया है। भाजपा ने बुधवार को करीब डेढ़ मिनट का ये वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इसमें बैरक के भीतर सत्येंद्र जैन को खाना परोसा जा रहा है। एक व्यक्ति लगातार उनकी सेवा में जुटा है। इससे पहले जैन के 4 वीडियो सामने आए थे, जिसमें वो जेल में मसाज कराते दिख रहे थे।

भाजपा ने कहा- मीडिया के लिए एक और वीडियो सामने आया है। रेपिस्ट से मसाज के बाद अब सत्येंद्र जैन लजीज खाने का लुत्फ उठाते दिख रहे हैं। एक अटेंडेंट उन्हें खाना परोस रहा है। ऐसा लग रहा है, जैसे रिसॉर्ट में छुट्टियां मना रहे हों। केजरीवाल ने यह निश्चित कर दिया है, कि हवालाबाज को जेल में सजा नहीं मजा मिले।

प्रवर्तन निदेशालय ने जैन को मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में 31 मई 2022 को गिरफ्तार किया था। उसके बाद से जैन तिहाड़ में बंद हैं। उन्होंने जमानत की अर्जी लगाई है, लेकिन 5 महीने में उन्हें एक भी बार बेल नहीं दी गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मंगलवार को

सुनवाई की अगली तारीख 29 नवंबर

कोर्ट में हुई पेशी के दौरान सत्येंद्र जैन के वकील ने कोर्ट से कहा था कि खाना और इलाज सही नहीं मिल रहा है। जेल में जैन का वजन 28 किलो घट गया है।

19 नवंबर को मीडिया में कई वीडियो सामने आए थे। इसमें सत्येंद्र जैन तिहाड़ के भीतर मसाज लेते दिखाई दे रहे थे। एक व्यक्ति बैरक के भीतर उनकी मसाज करता दिखाई दे रहा था। यह वीडियो भाजपा प्रवक्ता शाहजाद पूनावाला ने पोस्ट किए थे।

आप ने कहा था फीजियोथेरेपी दी जा रही

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल और डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया वीडियोज पर सत्येंद्र जैन के पक्ष में सामने आए थे। उन्होंने कहा था कि जैन बीमार हैं और डॉक्टरों की सलाह पर फीजियोथेरेपी ले रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि तिहाड़ के वीडियो लीक कैसे हुए और भाजपा के पास कैसे पहुंचे। साथ ही जैन की बीमारी का मजाक बनाने को शर्मनाक बताया था।

तिहाड़ अफसर बोले- फीजियोथेरेपिस्ट नहीं, रेपिस्ट था

सत्येंद्र जैन जिस व्यक्ति से अपनी मसाज करवा रहे थे, वो रेप केस में आरोपी है। न्यूज एजेंसी एएनआई ने तिहाड़ के ऑफिशियल सूत्रों के हवाले से बताया कि जैन को मसाज देने वाला व्यक्ति पॉक्सो एक्ट में बंद है। उसे एक साल पहले गिरफ्तार किया गया था। वह फीजियोथेरेपिस्ट नहीं है।

भाजपा ने वीडियो पर केजरीवाल को घेरा

वीडियो सामने आने के बाद भाजपा ने आम आदमी पार्टी को स्पा-मसाज पार्टी कहा। भाजपा नेताओं ने अरविंद केजरीवाल और सत्येंद्र जैन के खिलाफ तिहाड़ जेल में गैरकानूनी गतिविधि का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया। भाजपा ने कहा कि यह न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि बहुत ही गलत संदेश देने करने का प्रयास किया गया है। ट्रायल कोर्ट में मंगलवार को सत्येंद्र जैन की पेशी हुई।

श्रद्धा ने 2 साल पहले शिकायत की

आफताब मार डालेगा:महाराष्ट्र पुलिस बोली- उसने लिखकर दिया सुलह हो गई, तब केस बंद किया

नई दिल्ली, 23 नवंबर (एजेंसियां)। श्रद्धा मर्डर केस में बुधवार को सबसे चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। श्रद्धा ने आफताब के हिंसक बर्ताव के बारे में 2 साल पहले ही मुंबई पुलिस से शिकायत की थी। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि श्रद्धा ने 23 नवंबर 2020 को मुंबई की पालघर पुलिस को एक शिकायत पत्र लिखा था।

उसने पुलिस को बताया था कि उसका लिव-इन पार्टनर आफताब उसे मारता-पीटता है। अगर वक्त पर एक्शन नहीं लिया, तो आफताब उसे टुकड़े-टुकड़े कर डालेगा। अब, महाराष्ट्र पुलिस ने बुधवार को कहा कि श्रद्धा की शिकायत पर तब जरूरी एक्शन लिया गया। बाद में उसने लिखकर दे दिया कि हमारे बीच सुलह हो गई है। डीसीपी सुहास बावाचे ने कहा कि इसके बाद केस बंद कर दिया गया।

प्रेमी ने प्रेमिका के शव से शादी रचाई

बीमारी से प्रेमिका की मौत हुई तो शव की मांग भरी, फिर माला पहनाकर चूम लिया

गुवाहाटी, 23 नवंबर (एजेंसियां)। प्रेमिका के शव के साथ शादी रचाने का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। असम में अनोखी शादी ने देखनेवालों को भावुक कर दिया है। यहां एक लड़के ने प्रेमिका की मौत हो जाने पर उसके शव से शादी रचाई। शादी का वीडियो वायरल हो रहा है।

इसमें दिखाई दे रहा है कि लड़के ने शव के माथे पर सिंदूर लगाया। इसके बाद उसे सफेद माला पहनाई और उसकी तरफ से भी एक माला अपने गले में डाली। इसके बाद झुककर उसने प्रेमिका के माथे को चूम लिया।

प्रेमिका की मौत के बाद भी उसका साथ न छोड़ने वाले प्रेमी शव के साथ शादी रचाने तक ही नहीं रुका। उसने यह कसम भी खाई कि वह जिंदगीभर किसी और से शादी नहीं करेगा। वीडियो के साथ बुधवार को जो जानकारियां साझा की गईं, उनके मुताबिक वीडियो असम के मोरीगांव का है। शादी करने वाले का नाम बिटुपन तमोली है और उसकी प्रेमिका का नाम प्रार्थना था।

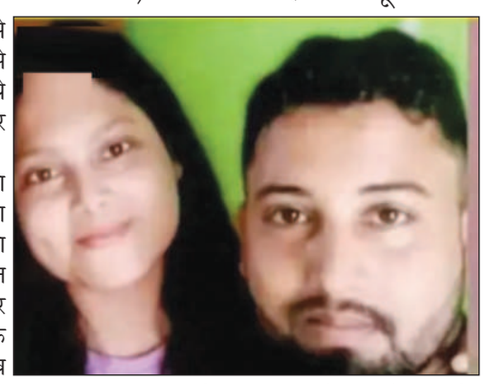

कई साल से एक-दूसरे से प्रेम करते थे बिटुपन और प्रार्थना मोरीगांव का रहने वाला 27 साल का बिटुपन तमुली और चापरमुख के कोसुआ गांव की 24 साल की प्रार्थना बोरा एक-दूसरे से प्यार करते थे। दोनों जल्द ही शादी करने वाले थे, लेकिन इसी बीच प्रार्थना बीमार पड़ गई और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान 18 नवंबर को प्रार्थना की मौत हो गई। प्रार्थना की मौत के बाद बिटुपन उसके घर पहुंचा और प्रेमिका के शव के साथ शादी रचाने की बात कही।

परिवार ने रोका तो प्रेमी बोला- यह उसकी आखिरी इच्छा थी

प्रार्थना की मौत के बाद जब बिटुपन ने उसके शव के साथ शादी करने की बात कही, तो परिवार ने ऐसा करने से मना कर दिया। इस पर बिटुपन ने कहा कि यह प्रार्थना की आखिरी इच्छा थी कि वह दुल्हन बने। उसकी जिद के आगे परिवार ने हार मान ली और फिर प्रार्थना की अंतिम विदाई से पहले बिटुपन ने पूरे विधि-विधान के साथ उससे शादी रचाई। प्रार्थना का भाई बोला-बहन की आखिरी इच्छा हुई पूरी

इस शादी के बाद प्रार्थना के भाई ने कहा, मेरी बहन बहुत खुशकिस्मत थी। वह बिटुपन से शादी करना चाहती थी। मुझे खुशी है कि उन्होंने उनकी आखिरी इच्छा पूरी की। इस शादी के बाद प्रार्थना को अंतिम विदाई देते समय बिटुपन फूट-फूटकर रोता रहा।

नशे की लत में माता-पिता समेत 4 की हत्या

परिवार ने नशा मुक्ति केंद्र भेजा था, लौटते ही माता-पिता, बहन और दादी को मारा

नई दिल्ली, 23 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के पालम इलाके में एक व्यक्ति ने अपने परिवार के चार लोगों की हत्या कर दी। घटना मंगलवार की रात साढ़े दस बजे की है। आरोपी का नाम केशव है और वह नशे का आदी है। परिवार ने उसे नशामुक्ति केंद्र भेजा था। वहां से लौटने के बाद भी उसकी लत नहीं छूटी। वह नशे के लिए परिवार से पैसे मांगता रहता था। उसने नशे के लिए पैसे मांगे थे। जब घरवालों ने पैसे देने से मना कर दिया तो उसने परिवार के लोगों की हत्या करने का फैसला कर लिया। घर के चारों सदस्यों को घर सभी को अलग-अलग कमरे में ले जाकर उनकी हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी भागने की फिराक में था, लेकिन उसके चचेरे भाई ने उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। मृतकों की पहचान पिता दिनेश, मां दर्शना, बहन उर्वशी और दादी दीवाना देवी के रूप में हुई है।

बहन की चीख सुनकर पहुंचा चचेरा भाई

आरोपी केशव को पकड़ने वाले उसके चचेरे भाई ने बताया कि केशव के मकान की ऊपरी मंजिल पर झगड़ा हो रहा था। कुछ देर बाद बहन के चीखने की आवाज सुनी थी।

वह बचाने की गुहार लगा रही थी। जब वह कुछ लोगों के साथ पहुंचा, तो आरोपी के घर का दरवाजा बंद था। जब उसने दरवाजा खटखटाया तो आरोपी बोला कि ये हमारा फैमिली मैटर है। इस पर लोगों ने कुछ देर तक इंतजार किया, लेकिन अचानक आरोपी भागने लगा, तो लोगों ने उसे पकड़ लिया। जब लोग घर के अंदर गए तो देखा कि घर का फर्श खून से लथपथ था। आसपास चार लाशें पड़ी हुई थीं। ये लाशें आरोपी के माता-पिता, बहन और दादी की थीं।

मुस्लिमों की भावना आहत करने का आरोप

टीपू सुल्तान के ऊपर लिखी किताब की बिक्री पर अदालत ने लगाई रोक

बेंगलुरु, 23 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक की एक अदालत ने टीपू सुल्तान पर लिखी गईं किताबों की बिक्री और वितरण पर रोक लगा दी। बेंगलुरु के अतिरिक्त नगर दीवानी एवं सत्र न्यायालय ने जिला वक्फ बोर्ड समिति के पूर्व अध्यक्ष बी एस रफीउल्ला की याचिका पर सुनवाई करते हुए मंगलवार को यह फैसला दिया। याचिका में पुस्तक में टीपू सुल्तान के बारे में गलत जानकारी देने का आरोप लगाते हुए इसकी बिक्री पर रोक लगाने की मांग की गई है।

ऑनलाइन भी नहीं कर सकते वितरित: अदालत

अदालत ने रंगायन के निदेशक अडांडा सी करियप्पा द्वारा लिखित पुस्तक 'टीपू निजा कनसुगालु' की बिक्री पर रोक लगाने के लिए उसके लेखक एवं प्रकाशक अयोध्या प्रकाशन और मुद्रक राष्ट्रोत्थान मुद्रालय को अस्थायी निषेधाज्ञा जारी की। अदालत ने अपने आदेश में कहा, "प्रतिवादी एक, दो, तीन और उनके माध्यम से या उनके तहत दावा करने वाले

व्यक्तियों और एजेंटों को अस्थायी निषेधाज्ञा के जरिये कन्नड़ भाषा में लिखित पुस्तक 'टीपू निजा कनसुगालु' (टीपू के असली सपने) को ऑनलाइन मंच सहित अन्य किसी भी माध्यम पर बेचने या वितरित करने से रोका जाता है।

किताब में मुस्लिमों के लिए अपमानजनक शब्द का इस्तेमाल: रफीउल्ला

रफीउल्ला ने अपनी याचिका में दावा किया था कि पुस्तक में गलत जानकारी प्रकाशित की गई है, जो इतिहास द्वारा न तो समर्थित है और न ही उचित ठहराई गई है। रफीउल्ला ने यह भी कहा है कि पुस्तक में इस्तेमाल 'तुरुकारु' शब्द मुस्लिम समुदाय के लिए एक अपमानजनक शब्द है। उन्होंने दलील दी है कि इस पुस्तक के प्रकाशन से बड़े पैमाने पर अशांति फैलने और सांप्रदायिक वैमनस्य पैदा होने की आशंका है।

अदालत ने लगा दी रोक

रफीउल्ला की दलीलों को स्वीकार करते हुए अदालत ने कहा कि यदि पुस्तक की सामग्री झूठी है और इसमें टीपू सुल्तान के बारे में गलत जानकारी दी गई है, और यदि इसे वितरित किया जाता है, तो इससे वादी को अपूरणीय क्षति होगी और सांप्रदायिक शांति एवं सद्भाव के भी भंग होने की आशंका है।

अदालत ने कहा कि अगर मामले में प्रतिवादियों के पेश हुए बिना पुस्तक का वितरण किया जाता है तो याचिका का उद्देश्य ही नाकाम हो जाएगा। यह सभी को पता है कि विवादास्पद पुस्तकें कितनी तेजी से बिकती हैं। लिहाजा इस स्तर पर निषेधाज्ञा आदेश जारी करने में सुविधा संतुलन वादी के पक्ष में है।

असम-मेघालय बॉर्डर पर हिंसा

अब फॉरेस्ट ऑफिस में जमकर तोड़फोड़ वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित

गुवाहाटी, 23 नवंबर (एजेंसियां)। असम-मेघालय बॉर्डर पर एक बार फिर से हिंसा भड़कने की खबर सामने आई है। समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार अधिकारियों ने आज दावा किया कि मेघालय के ग्रामीणों के एक समूह ने असम के पश्चिम कार्बी आंगलोंग जिले में एक वन कार्यालय में तोड़फोड़ की है और आग लगा दी है। बता दें कि कल पुलिस और ग्रामीणों के बीच हुई झड़प में छह लोगों की मौत हो गई थी।

क्या है मामला?

मेघालय के पश्चिम जयंतिया हिल्स जिले के मुकरोह गांव के निवासी मंगलवार रात को चाकू, छड़ और लाठियों से लैस होकर असम के खेरोनी फॉरेस्ट रेंज के तहत अंतर्राज्यीय सीमा पर स्थित एक बीट कार्यालय के सामने एकत्र हुए और ढांचे में आग लगा दी। अधिकारियों ने कहा कि भीड़ ने वन कार्यालय में तोड़फोड़ की और परिसर में खड़ी फर्नीचर, दस्तावेज और मोटरसाइकिल जैसी संपत्तियों को आग के हवाले कर दिया। एक अधिकारी ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि वहां तैनात वनकर्मियों के अभी तक किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

कल हुई हिंसा में छह लोगों की मौत हुई थी

असम और मेघालय के बीच सीमा विवाद को लेकर मंगलवार को हुई फायरिंग में छह लोगों की मौत हो गई। असम सरकार ने मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने बताया कि इस मामले को सीबीआई को सौंप दिया गया है।

राहुल गांधी की अभिनेताओं, सेलेब्रिटीज तक पहुंच बढ़ाने की तैयारी

बीजेपी ने मेधा पाटकर के यात्रा में शामिल होने को बनाया चुनावी मुद्दा

नई दिल्ली, 23 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में हाल ही में कार्यकर्ता मेधा पाटकर नजर आईं थीं। महाराष्ट्र में मेधा पाटकर की राहुल के साथ चलते हुए तस्वीरें सामने आने के बाद गुजरात में इस मुद्दे पर जमकर राजनीति हुई। भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी के साथ मेधा पाटकर की उपस्थिति ने बीजेपी को कांग्रेस पर हमला करने और इसे गुजरात में एक चुनावी मुद्दे में बदलने के लिए नया हथियार दिया है। मेधा पाटकर ने जहां इस विवाद को हंसकर टाल दिया। वहीं, गुजरात कांग्रेस के कुछ नेताओं को भी लगता है कि यह मुद्दा आगामी राज्य विधानसभा चुनावों में पार्टी को नुकसान नहीं पहुंचाएगा। वहीं, कुछ कांग्रेस नेताओं ने स्वीकार किया कि गड़े मुद्दों ने निश्चित रूप से पीएम मोदी और भाजपा को गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले एक नैरेटिव सेट करने के लिए मुद्दा दिया है। उनका मानना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में मुद्दों को घुमाने की अद्भुत क्षमता है। दूसरी ओर, सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस अब अधिक गैर-राजनेताओं, क्रिकेटरों, कार्यकर्ताओं, बॉलीवुड हस्तियों, प्रशंसित लेखकों और अन्य क्षेत्रों की प्रसिद्ध हस्तियों तक पहुंचने की योजना बना रही है ताकि उन्हें भारत जोड़ो यात्रा का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया जा सके।

अब कांग्रेस को लगता है कि यात्रा में शामिल होने के लिए गैर-राजनीतिक हस्तियों को आमंत्रित करके व्यापक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए एक स्ट्रक्चर तैयार करना चाहिए। जबकि कुछ नेताओं का कहना है कि बड़े लोगों की अचानक उपस्थिति एक ताजगी लाती है और ऐसा भी नहीं लगता कि यह सब प्लान कर किया गया है। वहीं, कई लोगों को लगता है कि अब एक नियोजित आउटरीच बनाने का समय है। राहुल गांधी लिखेंगे पत्रः पार्टी अब बाहरी लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्लानिंग करने की तैयारी में जुट गयी है। एक वरिष्ठ नेता ने कहा, "राहुल गांधी इस संबंध में एक पत्र लिखने के लिए तैयार हो गए हैं।

चार मुद्दों पर सुनवाई के लिए अगले सप्ताह से विशेष पीठ

नई दिल्ली, 23 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में अगले सप्ताह से चार मुद्दों पर सुनवाई के लिए चार विशेष बेंच होंगी। भारत के प्रधान न्यायाधीश धनंजय डीवाई चंद्रचूड़ ने इसकी घोषणा की। उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट में चार मुद्दों पर सुनवाई करने के लिए चार विशेष बेंच होंगी। इनमें आपराधिक मामले, प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर, भूमि अधिग्रहण और मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण से जुड़े मामले शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट मुंबई की आरे कॉलोनी में काटे गए पेड़ों के मामले में गुरुवार को सुनवाई करेगा। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति हिमा कोहली और जस्टिस जेबी पारदीवाला की पीठ ने मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमएमआरसीएल) की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलों पर ध्यान दिया।

एनआरसी के तहत हिरासत से बचने के लिए मतदाता सूची में नाम सुनिश्चित करें : ममता

कोलकाता, 23 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को पश्चिम बंगाल के लोगों, विशेषकर उन लोगों को आगाह किया, जिनका मूल संबंध तत्कालीन पूर्वी बंगाल (वर्तमान बांग्लादेश) में हैं, ताकि राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) की आड़ में किसी भी तरह की हिरासत से बचने के लिए मतदाता सूची में अपने नाम की जांच करवा सकें। मुख्यमंत्री ने यह बात प्रदेश में वंचित परिवारों को भूमि विलेख वितरण के अवसर पर आयोजित एक सरकारी समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा, मतदाता सूची में संशोधन की प्रक्रिया अभी जारी है और यह प्रक्रिया 5 दिसंबर 2022 तक जारी रहेगी। मैं सभी को सलाह दूंगी कि वे व्यक्तिगत रूप से उस उद्देश्य के लिए लगाए गए शिविरों का दौरा करें और जांचें कि

आपका नाम मतदाता सूची में है या नहीं। यह भी जांच लें कि नामों की स्पेलिंग सही है या नहीं। यदि नहीं, तो उन्हें ठीक करवाएं। अन्यथा, आपको एनआरसी की आड़ में डिटेंशन कैंप में भेजा जा सकता है।

यह दावा करते हुए कि एनआरसी की आड़ में लोगों को डिटेंशन कैंपों में भेजना बेहद शर्म की बात है, उन्होंने कहा कि लोगों को इस मामले में उत्पीड़न से बचने के लिए हर संभव सावधानी बरतनी चाहिए। समारोह में बोलते हुए, बनर्जी ने विशेष रूप से उन लोगों का उल्लेख किया जो भागीदारी के समय से बांग्लादेश मुक्ति युद्ध के समय तक अलग-अलग चरणों में अपना सब कुछ खो कर पड़ोसी बांग्लादेश से शरणार्थी के रूप में आए थे। मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार के कुछ निकायों जैसे रेलवे और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरणों के खिलाफ उनकी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त करने के लिए लगातार अभियान चलाने के खिलाफ भी तीखा हमला बोला।

उन्होंने कहा, उचित मुआवजे और पुनर्वास के बिना, पश्चिम बंगाल में किसी भी तरह की बेदखली की अनुमति नहीं दी जाएगी। यदि आपको बलपूर्वक बेदखल करने का प्रयास किया जाता है, तो विरोध करें। राज्य सरकार आपके साथ रहेगी। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार और पश्चिम बंगाल में भाजपा नेताओं का एक धड़ा राजनीति के नाम पर पश्चिम बंगाल की अर्थव्यवस्था का गला घोंटने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा, राज्य के कुछ नेता लगातार केंद्र सरकार को विभिन्न मदों के तहत राज्य को केंद्रीय देय राशि के भुगतान को रोकने के लिए लिख रहे हैं।

दूसरे धर्म की लड़की पर जबरन शादी के लिए बना रहा था दबाव

धर्मांतरण विरोधी अधिनियम के तहत मामला दर्ज

मांड्या, 23 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक पुलिस ने बुधवार को मांड्या जिले के नागमंगला कस्बे में दूसरे धर्म की एक लड़की को कथित रूप से बहला फुसला कर ले जाने के आरोप में नए 'धर्मांतरण विरोधी अधिनियम' के तहत एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया।

युवक की पहचान युनाश पाशा के रूप में हुई है, उस पर लड़की की आपत्तिजनक तस्वीरें लेने और उसे शादी के लिए परेशान करने का आरोप है। शख्स पर नए 'धर्मांतरण विरोधी अधिनियम' और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

खाने में नशे की गोलियां मिलाने का आरोप

13 वर्षीय लड़की और उसके परिवार ने पुलिस को बताया है कि मांड्या के नागमंगला कस्बे में आरोपी ने उन्हें सांभर में नींद की गोलियां मिलाकर पिलाईं। पुलिस के मुताबिक, 12 और 13 नवंबर को अपनी बेटी को तनाव में देखकर उसके पिता ने 18 नवंबर को शिकायत दर्ज कराई। हालांकि, लड़की ने यह भी स्वीकार किया कि आरोपी व्यक्ति ने 11 नवंबर को उसका यौन शोषण किया जब वे अपनी दादी के घर पर थे। उसने आगे कहा कि वह उससे लगातार बात करता था और पहले भी उसे एक मोबाइल फोन और सिम कार्ड भेजा था। मामले में और भी अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

प्रेमिका से बलात्कार के आरोपी को अदालत ने दी जमानत

मुंबई, 23 नवंबर (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने नाबालिग प्रेमिका से बलात्कार के आरोपी व्यक्ति को जमानत दे दी है। जमानत का आदेश देते हुए अदालत ने कहा कि घटना के समय भले ही लड़की नाबालिग थी, इसके बावजूद वह अपने कार्यों के परिणामों को समझने में सक्षम थी। न्यायमूर्ति भारती डांगरे की एकल पीठ ने 15 नवंबर को दिए गए अपने आदेश में यह भी कहा कि पीड़िता स्वेच्छा से आरोपी के साथ अपनी मौसी के यहां गई थी। जहां कथित अपराध हुआ था। बता दें कि ये घटना बीते साल हुई थी और उस समय प्रेमिका की उम्र 15 साल थी।

अदालत ने कहा कि अब तक हुई सुनवाई से ऐसा प्रतीत होता है कि पीड़िता भले ही नाबालिग थी, लेकिन अपने कृत्य के परिणामों को समझने में सक्षम थी और वह स्वेच्छा से आरोपी के साथ उसकी मौसी के घर गई थी। हालांकि वह नाबालिग है और इस तरह के मामले में उसकी सहमति महत्वहीन हो जाती है। अदालत ने आगे कहा कि मौसी के घर वह अपनी इच्छा से आवेदक के साथ शामिल हुई। उसने स्वीकार किया कि वह आवेदक के साथ प्यार में थी, भले ही उसने संभोग के लिए सहमति दी हो या नहीं। यह सबूत का मामला है।

बंगाल में गर्वनर के शपथ समारोह का बायकॉट

विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी बोले- ममता सबसे मनहूस राजनेता; वे मूर्खों के स्वर्ग में रहती हैं

बेंगलुरु, 23 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी राज्यपाल डॉ. सीवी आनंद बोस के शपथ ग्रहण में नहीं गए। इसकी वजह समारोह में किया गया सीटिंग अरेंजमेंट था। सुवेंदु ने ट्वीट की सीरीज में बताया कि उन्हें विधायक कृष्णा कल्याणी और बिस्वजीत दास के बगल में बैठाया गया था, जो भाजपा के टिकट पर चुने गए थे, लेकिन बाद में टीएमसी में शामिल हो गए। इतना ही नहीं उन्होंने ममता बनर्जी को भारत में पैदा हुआ सबसे मनहूस नेता करार दिया।

मूर्खों के स्वर्ग में रहती हैं ममता-सुवेंदु

न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक सुवेन्दु सीएम पर हमलावर होते हुए बोले-वे (ममता बनर्जी) भारत में पैदा हुई अब तक की सबसे घटिया राजनेता हैं, जो शर्मनाक तरीके से सत्ता पर काबिज हो गईं। अगर वे ये सोचकर खुश हैं कि उनकी ये रणनीति मुझे परेशान करेगी तो वे मूर्खों के स्वर्ग में रह रही हैं। लेकिन मैं उनकी तरह नहीं हूं बल्कि मैं अपनी गरिमा के लिए जागरुक हूं।

ममता की इच्छा पर बनाया सीटिंग अरेंजमेंट

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सुवेंदु ने आयोजन स्थल के फोटो शेयर करते हुए कहा, मैं समारोह में शामिल नहीं होऊंगा क्योंकि मेरे लिए ऐसे आपत्तिजनक लोगों के बगल में बैठना संभव नहीं है। इसके लिए उन्होंने सीएम ममता बनर्जी को जिम्मेदार ठहराया। साथ ही ये भी कहा कि सूचना और सांस्कृतिक विभाग के प्रभारी मंत्री ने ममता की इच्छा के अनुसार बैठने की व्यवस्था की।

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

गुरुवार, 24 नवंबर, 2022 3

सु वि चा र

यदि आपका हृदय ईमान से भरा है, तो एक शत्रु क्या सारा संसार आपके सम्मुख हथियार डाल देगा।

नगर पुलिस आयुक्त ने निजी सुरक्षा एजेंसियों के साथ की बैठक

सुरक्षा एजेंसियों को दी सावधानियां बरतने की चेतावनी

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हाल ही में टास्कफोर्स द्वारा एक नकली हथियार लाइसेंस रैकेट का भंडाफोड़ किये जाने के बाद निजी सुरक्षा फर्मों के सुरक्षा गार्डों द्वारा अवैध हथियारों के उपयोग के मामले को गंभीरता से संज्ञान लेते हुए नगर पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने टीएसपीआईसीसीसी सभागार में एक हाइब्रिड बैठक की अध्यक्षता की। सुरक्षा एजेंसियों को इस गंभीर सुरक्षा खतरे को कम करने के लिए अपनाए जाने वाले मानदंडों और सावधानियों के बारे में उन्हें अवगत कराने के लिए। फर्मों के मालिक और प्रबंधक सभागार में आए और सभी एसएचओ / एसीपी आदि वीसी लिंक के माध्यम से बैठक से जुड़े हुए थे।

सीपी आनंद ने मामले के बारे में सुरक्षा फर्मों के सभी प्रतिनिधियों को अवगत कराया, उन्हें हथियार और नकली लाइसेंस दिखाए और उन्हें इस तरह से समाज में तैर रहे सशस्त्र सुरक्षा गार्ड और अवैध हथियार हथियारों की तैनाती के खतरनाक निहितार्थों के बारे में जागरूक किया। ग्राहकों, विशेष रूप से बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों को रिटेनर लाइसेंस की आवश्यकता का विधिवत उल्लेख करते हुए हथियार लाइसेंस के लिए आवेदन करने के लिए, जिसके माध्यम से सुरक्षा सेवाओं द्वारा तैनात सुरक्षा गार्डों को हथियार रखने के लिए अधिकृत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सुरक्षा एजेंसियों के पास कानून के अनुसार हथियार लाइसेंस नहीं हो सकते हैं और इस अवैध प्रथा को नहीं अपनाना चाहिए और नौकरी माफिया नहीं बनाना चाहिए। उन्होंने अपने अधिकारियों को जिम्मेदारी लेने का निर्देश दिया क्योंकि सरकार ने हथियार लाइसेंस और कर्तव्य को विनियमित करने का अधिकार दिया है। इन मुद्दों पर नजर रखने और नियंत्रण में रखने के लिए पूरी तरह से एचसीपी पर निर्भर करता है। उन्होंने अपने अधिकारियों को निर्देश दिया कि खुफिया सुरक्षा विंग पंजीकरण प्राधिकरण है और स्थानीय पुलिस को सभी विवरण प्राप्त करने और मैदान पर सत्यापित करने के लिए उनके साथ समन्वय करना चाहिए और यह दावा नहीं करना चाहिए कि यह उनकी चिंता नहीं है। जिन व्यक्तियों को अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए हथियार लाइसेंस जारी किया गया है, उन्हें सुरक्षा गार्ड के रूप में नियुक्त नहीं किया जा सकता है। सुरक्षा एजेंसियां आग्नेयास्त्र लाइसेंस के साथ एक गार्ड को किराए पर नहीं ले सकती हैं और उन्हें इस आशय का एक उपक्रम भी प्रस्तुत करना चाहिए, उन्होंने शस्त्र अधिनियम में प्रमुख बिंदुओं पर जोर देते हुए कहा कि लाइसेंस प्रकार, पुलिस के पास जारी करने वाले प्राधिकरण के रूप में निहित शक्तियां और आगाह किया कि हथियारों का पालन न करना नियमों पर सख्त पुलिस कार्रवाई होगी। उन्होंने सिटी पुलिस से आवेदनों की समयबद्ध मंजूरी, उद्योग के सदस्यों के साथ लगातार बातचीत आदि में सहयोग का आश्वासन दिया। एक शक्ति प्रस्तुति के माध्यम से, संयुक्त सीपी प्रशासन रमेश ने निजी सुरक्षा एजेंसी विनियमन अधिनियम (पीएसएआरए) के प्रचलित मानदंडों का पाठ किया जिसके तहत निजी सुरक्षा एजेंसियों का संचालन नियंत्रित होता है। उन्होंने यह भी बताया कि एजेंसियों को गुणवत्ता, प्रशिक्षण, शारीरिक मानकों, योग्यता, पूर्ववृत्त सत्यापन आदि के संबंध में अधिनियम और नियमों का कड़ाई से पालन करना चाहिए। पात्रता मानदंड, पर्यवेक्षण का अनुपात, रजिस्टरों का रखरखाव और अन्य महत्वपूर्ण मानदंडों की जानकारी दी गई। जल्द ही बैंकरों को बैठक के लिए बुलाया जाएगा।

एसएचओ को सभी एटीएम, बैंकों, अन्य संस्थानों का दौरा करने का काम सौंपा गया था, जिन्होंने सशस्त्र सुरक्षा गार्ड लगाए हैं और किसी भी एजेंसी या उनके कर्मचारियों द्वारा अवैध हथियारों के कब्जे का पता लगाने के लिए अपने संबंधित अधिकार क्षेत्र में निजी सुरक्षा एजेंसियों के साथ संपर्क किया है। बैठक में 106 निजी सुरक्षा एजेंसियां, अतिरिक्त सीपी (एल एंड ओ), विक्रम सिंह मान, संयुक्त सीपी (प्रशासन), रमेश, डीआईजी आईएसडब्ल्यू तफसीर इकबाल और खुफिया सुरक्षा विंग के अधिकारी और शहर के सभी डीसीपी शामिल हुए।

एक दिसंबर को एड्स जागरूकता रैली

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी, हैदराबाद 1 दिसंबर को शहर में एक रैली और जनसभा का आयोजन कर रही है। 1 दिसंबर को विश्व स्तर पर विश्व एड्स दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो दुनिया भर के लोगों को एचआईवी / एड्स के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक साथ लाता है। इस वर्ष विश्व एड्स दिवस का विषय "खुद को परीक्षण के लिए रखना: एचआईवी को समाप्त करने के लिए समानता प्राप्त करना" है। इस संबंध में, राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी, हैदराबाद सुंदरय्या पार्क, बागलिंगमपल्ली से आरटीसी कल्याण मंडपम तक एक रैली का आयोजन कर रही है। बाद में एक दिसंबर को शहर के आरटीसी कल्याण मंडपम में जनसभा होगी। कार्यक्रम में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री टी. हरीश राव, विभिन्न विभागों के अधिकारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति भाग लेंगे।

वन रेंजर की हत्या : कोत्तागुडेम में छत्तीसगढ़ के दो मूल निवासी गिरफ्तार

कोत्तागुडेम, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने मंगलवार को चंद्रगोंडा के एर्राबोडु में वन रेंज अधिकारी सीएच श्रीनिवास राव की हत्या के मामले में छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के मूल निवासी मदकम तुला और पोडियम नागा, दो लोगों को गिरफ्तार किया है। बुधवार को यहां मीडिया से बात करते हुए, पुलिस अधीक्षक डॉ. जी. विनीत ने कहा कि सुकमा के मूल निवासी तुला और नागा अब एराबोडु में रह रहे हैं। बुधवार को एर्राबोडु के बाहरी इलाके में जुलुरपाद सीआई और कर्मचारियों ने उन्हें पकड़ लिया, जब वे सुकमा से भागने की कोशिश कर रहे थे। एसपी ने बताया कि एफआरओ पर हुए जानलेवा हमले के बाद वे मंगलवार की रात जंगल में सोए थे और सुबह सुकमा जाने के लिए पैसे लेने गांव पहुंचे थे। पुलिस ने वन रेंजर पर हमला करने के लिए इस्तेमाल किए गए दरांती और हमले के दौरान उनके द्वारा पहने गए कपड़ों को जब्त कर लिया है। एसपी ने बताया कि वन अनुभाग अधिकारी रामा राव की शिकायत के आधार पर चंद्रगोंडा थाने में आईपीसी की धारा 302, 353 और 332 पठित 34 के तहत मामला दर्ज किया गया है. दोनों को अदालत में पेश किया जा रहा है। कोत्तागुडेम डीएसपी जी वेंकटेश्वर बाबू और अन्य उपस्थित थे।

वनकर्मियों ने निकाली विरोध रैली

आदिलाबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तत्कालीन आदिलाबाद जिले के कई हिस्सों में भद्राद्री-कोठागुडेम जिले में बुधवार को एफआरओ सीएच श्रीनिवास राव की हत्या की निंदा करते हुए वन विभाग के अधिकारियों ने एक मौन रैली निकाली। मंचेरियल में, अधिकारियों ने इस घटना को नृशंस बताया और सरकार से स्थानीय लोगों के हमलों को विफल करने के लिए हथियार उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। उन्हें खेद है कि वे अपनी जान जोखिम में डालकर कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे थे। उन्होंने काले रिबन पहने और हत्यारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि वे 24 घंटे ड्यूटी करके वन भूमि की रक्षा कर रहे हैं। वन रेंज अधिकारी नागोवथ स्वामी और गीता रानी, मंचेरियल, लक्सेटिपेट और देवापुर रेंज के कर्मचारी और मंत्री कर्मचारी उपस्थित थे। इसी तरह की रैलियां और विरोध आदिलाबाद, कुमराम भीम आसिफाबाद और निर्मल जिलों में देखे गए।

तेलंगाना में हरित आवरण में रिकॉर्ड वृद्धि

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कू हरिता हारम शुरू करने और नियमित रखरखाव के साथ पौधों के अस्तित्व को सुनिश्चित करने के राज्य सरकार के अथक प्रयासों से राज्य भर में वन और वृक्षों के आवरण में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी भारतीय राज्यों पर सांख्यिकी की पुस्तिका में इसे स्वीकार किया है। जबकि तेलंगाना ने 2019 से 2021 तक केवल दो वर्षों में अपने वन क्षेत्र में 632 वर्ग किमी की वृद्धि की, अन्य बड़े राज्य शायद ही इस पहलू में हासिल की गई वृद्धि से मेल खाते हों। वृक्षों के आवरण के मामले में भी, तेलंगाना की पहल का भुगतान किया गया है क्योंकि दो वर्षों में वृक्षों के आवरण में 334 वर्ग किमी की वृद्धि हुई है। इसके विपरीत, गुजरात में वृक्षों के आवरण में 1,423 वर्ग किमी की कमी आई, जबकि मध्य प्रदेश में 285 वर्ग किमी की कटौती की गई, जो हरियाली के प्रति भाजपा शासित राज्यों की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

शनिवार को जारी आरबीआई हैंडबुक में तेलंगाना की सभी उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया है। राज्य में वन क्षेत्र 2015 में 19,854 वर्ग किमी से बढ़कर 2021 में 21,214 वर्ग किमी हो गया है। यह सब रातोंरात हासिल नहीं हुआ और राज्य सरकार को दीर्घकालिक पहल की योजना बनानी पड़ी। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने हरिथा हरम पहल का नेतृत्व किया और राज्य ने जनवरी 2022 तक 235.59 करोड़ पौधे रोपे, जबकि कार्यक्रम के तहत 230 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य था, 102.6 प्रतिशत वृक्षारोपण प्राप्त करना। इसी तरह, 2015 में वृक्षों का आवरण 2,549 वर्ग किमी से बढ़कर 2021 में 2,848 वर्ग किमी हो गया। देश में सबसे युवा राज्य होने के बावजूद, तेलंगाना वन और वृक्षों के आवरण को बढ़ाने में अन्य राज्यों के लिए एक आदर्श के रूप में खड़ा है, जिसकी सराहना दुनिया भर से हो रही है। राज्य सरकार ने 2015-16 में हरित हरम की शुरुआत की थी, जब वन क्षेत्र 19,854 वर्ग किमी था। तब से, कार्यक्रम के प्रभावी निष्पादन और नियमित रूप से पानी देने और पौधों के रखरखाव से वन क्षेत्र में लगातार वृद्धि हुई है।

वन आवरण, जो 2017 तक 20,419 वर्ग किमी हो गया, 2019 में बढ़कर 20,582 वर्ग किमी हो गया और 2021 में फिर से बढ़कर 21,214 वर्ग किमी हो गया। इसी तरह, वृक्षों का आवरण, जो 2015 में 2,549 वर्ग किमी था, 2017 में बढ़कर 2,669 वर्ग किमी हो गया, और 2019 में 2,514 वर्ग किमी। 2021 तक, यह 2,848 वर्ग किमी तक पहुंच गया। ट्री कवर को वन क्षेत्रों के बाहर दर्ज किए गए पेड़ के पैच के रूप में परिभाषित किया गया है, जो वन कवर को छोड़कर और एक हेक्टेयर के न्यूनतम मैप करने योग्य क्षेत्र से कम है।

विधायक शिकार मामला

हाईकोर्ट ने एसआईटी से बीएल संतोष को नया नोटिस देने को कहा

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने बुधवार को विशेष जांच दल (एसआईटी) को आपराधिक प्रक्रिया संहिता की धारा 41 ए के तहत भाजपा महासचिव बी एल संतोष को एक नया नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। उच्च न्यायालय, जिसने विधायकों के अवैध शिकार मामले की एक याचिका की समीक्षा की, ने एसआईटी से भाजपा नेता को ईमेल और व्हाट्सएप के माध्यम से नोटिस देने को कहा। एसआईटी ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है, जिसमें कहा गया है कि संतोष उसके सामने पेश नहीं होकर जांच में सहयोग नहीं कर रहा है और आग्रह किया है कि उसे जांच एजेंसी के सामने पेश होने का निर्देश दिया जाए।

महाधिवक्ता की दलीलें सुनने के बाद न्यायमूर्ति बी. विजयसेन रेड्डी ने एसआईटी से भाजपा नेता को नए सिरे से नोटिस देने को कहा। हालांकि, न्यायाधीश ने भाजपा के शीर्ष पदाधिकारी की गिरफ्तारी पर लगी रोक को हटाने के लिए राज्य की याचिका को खारिज कर दिया है। एसआईटी को 29 नवंबर को जांच पर स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का भी निर्देश दिया गया है। अगली सुनवाई 30 नवंबर को होगी। आपराधिक प्रक्रिया संहिता की धारा 41ए के तहत भाजपा नेता को पहले ही नोटिस जारी किया जा चुका है। उन्हें 21 नवंबर को एसआईटी के सामने पेश होने का निर्देश दिया गया था। हालांकि, वह इससे दूर रहे। एसआईटी ने अदालत का दरवाजा खटखटाया और संतोष को पूछताछ के लिए पेश होने का निर्देश देने की मांग की। अदालत ने महसूस किया कि यह भाजपा नेता की जिम्मेदारी है, जिन्होंने पहले संतोष को दिए गए नोटिस पर रोक लगाने के लिए याचिका दायर की थी ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वह खुद को एसआईटी को उपलब्ध करा सके। उच्च न्यायालय ने 19 नवंबर को याचिकाकर्ता के संतोष को जारी नोटिस पर रोक लगाने के अनुरोध को ठुकरा दिया था।

न्यायाधीश ने हालांकि स्पष्ट किया कि संतोष को गिरफ्तार नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि एसआईटी ने उसे पहले ही आपराधिक प्रक्रिया संहिता की धारा 41ए के तहत नोटिस जारी किया था। न्यायाधीश ने कहा कि संतोष को अपनी गिरफ्तारी नहीं पकड़नी चाहिए और उसे एसआईटी नोटिस में लगाई गई शर्तों का पालन करने के लिए कहा। उच्च न्यायालय ने तेलंगाना सरकार द्वारा दायर एक आवेदन पर भी सुनवाई की थी जिसमें दिल्ली पुलिस आयुक्त को संतोष को नोटिस देने में एसआईटी के साथ सहयोग करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। न्यायाधीश ने आदेश दिया कि बिना किसी और देरी के भाजपा के शीर्ष पदाधिकारी को नोटिस दिया जाना चाहिए।

रेल सुरक्षा बल प्रशिक्षण केंद्र में नराकास-4 की हिंदी कार्यशाला आयोजित

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति-4, हैदराबाद के तत्त्वावधान में महाप्रबंधक कार्यालय, दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा सदस्य कार्यालयों के कर्मचारियों के लिए रेल सुरक्षा बल प्रशिक्षण केंद्र, मौला अली, हैदराबाद में पूर्ण दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्याशाला में हैदराबाद-सिकंदराबाद नगरद्वय में स्थित नराकास-4 से संबंधित 16 केंद्र सरकारी के कार्यालयों के 42 कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए उप प्रधानाचार्य एवं सहायक सुरक्षा आयुक्त जे.एच.मुदलियार ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की ओर से रेल सुरक्षा बल प्रशिक्षण केंद्र में इस तरह के आयोजन पर हर्ष व्यक्त किया। कार्यशाला के प्रथम सत्र में डॉ.श्याम सुंदर साहु, सदस्य सचिव-1, नराकास-4 एवं उप महाप्रबंधक (राजभाषा)/ दक्षिण मध्य रेलवे ने राजभाषा नीति, नियम और कंप्यूटर पर हिंदी में काम आदि विषयों पर पावर पाइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विस्तार से जानकारी दी. कार्यशाला के दूसरे सत्र में एम.के.नागराजु, सदस्य सचिव-2, नराकास-4 एवं राजभाषा अधिकारी/ प्रधान कार्यालय, दक्षिण मध्य रेलवे ने दैनिक कार्यालयीन काम-काज में हिंदी का प्रयोग, राजभाषा प्रचार-प्रसार संबधी विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं आदि के बारे में प्रतिभागियों को पढ़ाया। कार्यशाला के सफल आयोजन में राजभाषा विभाग, प्रधान कार्यालय के कर्मचारी श्रीमती एम.मंजुला, वरिष्ठ अनुवादक, महबूब रंजन, वरिष्ठ अनुवादक, पप्पु कुमार तथा श्री राकेश कुमार, प्रधानाध्यापक/निरीक्षक एवं रेल सुरक्षा बल प्रशिक्षण केंद्र के कर्मचारियों का विशेष सहयोग रहा।

केसीआर की लोकप्रियता से हताश हैं भाजपा नेता : टीआरएस विधायक

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीआरएस विधायक केपी विवेकानंद ने तीन दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यकारी निकाय की बैठक के दौरान एक भी प्रस्ताव को अपनाने में विफल रहने के लिए भारतीय जनता पार्टी की आलोचना की, जो तेलंगाना के लिए उपयोगी होगा। बुधवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, कुतुबुल्लापुर के विधायक विवेकानंद ने कहा कि भाजपा नेताओं ने अपनी पार्टी की बैठक केवल टीआरएस सरकार और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव पर जहर उगलने के लिए की थी और वे एक भी शब्द का उल्लेख करने में पूरी तरह से विफल रहे, केंद्र सरकार को आवंटित करने के लिए कहा। पर्याप्त धन और तेलंगाना राज्य के विकास के लिए लंबित परियोजनाओं को स्पष्ट करें। उन्होंने कहा कि मुनुगोडु उपचुनाव में अपनी पार्टी की हार के बाद भाजपा नेता हताशा में थे और टीआरएस पार्टी के जन समर्थन और मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की लोकप्रियता को पचा नहीं पा रहे हैं।

विवेकानंद ने कहा कि लोगों का ध्यान भटकाने और टीआरएस सरकार की छवि खराब करने के लिए केंद्र की भाजपा सरकार टीआरएस नेताओं पर आयकर, प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय ब्यूरो जांच (सीबीआई) का इस्तेमाल कर छापेमारी कर रही है और राज्य में दहशत की स्थिति बनाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने विधायकों के अवैध शिकार मामले की जांच के लिए राज्य सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) को अदालतों में कई मामले भरकर बाधित करने के लिए भाजपा नेताओं में भी दोष पाया। टीआरएस विधायक ने सवाल किया कि अगर बीजेपी नेता बीएल संतोष विधायकों के अवैध शिकार मामले में शामिल नहीं हैं, तो वह जांच से क्यों डरते हैं और जांच का सामना करने के लिए आगे क्यों नहीं आ रहे हैं। उन्होंने टीआरएस सरकार के खिलाफ झूठ फैलाने के लिए भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष बंडी संजय की भी आलोचना की, जो निवेश को आकर्षित करने में विफल रही है और याद दिलाया कि प्रसिद्ध बहुराष्ट्रीय कंपनी अमेज़ॅन ने हाल ही में 35,000 करोड़ रुपये की अपनी निवेश योजना की घोषणा की है।

पीएम के हाथ की कठपुतली बन गये हैं ईडी, सीबीआई और आईटी विंग : कुनमनेनी

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। देश के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी पर भारी पड़ते हुए, भाकपा के राज्य सचिव कुनामनेनी संबाशिव राव ने आज आरोप लगाया कि ईडी, सीबीआई और आईटी जैसे वैधानिक संगठन पीएम के हाथों में हथियार बन गए हैं और उन्होंने कहा कि यह उनके लिए गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने यह टिप्पणी पार्टी की मेडचल-मलकाजगिरी इकाई की कार्यकारी समिति की बैठक को संबोधित करते हुए की। राव मुख्य अतिथि के रूप में बैठक में शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता पार्टी के जिला इकाई अध्यक्ष एस. शंकर राव ने की. इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि मोदी पूरी तरह से साजिश के विचारों से भरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि सीबीआई, ईडी और आईटी को केंद्र सरकार की कठपुतली में बदलने से लोकतंत्र खतरे में पड़ गया है। उन्होंने मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार से पूछा कि वह बड़े उद्योगपतियों की लाखों करोड़ की धोखाधड़ी, राफेल सौदा, पीएम फसल भीम योजना घोटाला, दूरसंचार क्षेत्र घोटाला और भाजपा नेताओं द्वारा भ्रष्टाचार की ईडी और सीबीआई जांच का आदेश क्यों नहीं दे रही है? उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी आर्थिक मंदी, महंगाई और बेरोजगारी जैसी चकाचौंध वाली जनता की समस्याओं को नजरअंदाज करते हुए देश में तानाशाही शासन शुरू करने की कोशिश कर रहे हैं।

सुपर स्पेशियलिटी कोर्स पूरा करने वाले 65 डॉक्टर शिक्षण अस्पतालों में तैनात

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अनिवार्य सरकारी सेवा के हिस्से के रूप में, कुल 65 सुपर विशेषज्ञ डॉक्टर, जिन्होंने हाल ही में डॉक्टरेट ऑफ मेडिसिन (डीएम) और एमसीएच (मास्टर्स इन जनरल सर्जरी) पूरा किया है, उन्हें तेलंगाना के शिक्षण अस्पतालों में तैनात किया गया है। प्रत्येक डीएम / एमसीएच पूर्ण डॉक्टरों के लिए मासिक मानदेय 1,25,000 होगा और उन्हें 30 नवंबर तक ड्यूटी पर रिपोर्ट करना चाहिए। चिकित्सा शिक्षा निदेशक (डीएमई), तेलंगाना, डॉ. के. रमेश रेड्डी द्वारा बुधवार को जारी आदेशों के अनुसार, डॉक्टरों ने मुख्यालय में रहना चाहिए और यदि वे बिना पूर्व लिखित अनुमति के लगातार सात दिनों तक अनुपस्थित रहते हैं, तो उन्हें अनिवार्य सरकारी योजना से समाप्त माना जाएगा और 50 लाख रुपये की बांड राशि की वसूली के लिए कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी। प्रत्येक चिकित्सक एक वर्ष में 20 आकस्मिक अवकाश के लिए पात्र होगा और एक माह में अधिकतम दो सीएल की अनुमति होगी। अधिसूचना में कहा गया है कि बायोमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य होगी और बायोमेट्रिक उपस्थिति पंजीकरण से बाहर निकलने के आधार पर भुगतान किया जाएगा।

अमावस्या पर जियागुड़ा गौशाला में गोसेवा करते हुए समाजसेवी गोपाल बल्दवा।

अमावस्या पर गगन पहाड़ स्थित सत्यम्-शिवम्-सुंदरम् गौनिवास में गोसेवा करते हुए श्रद्धालु।

शमशेरगंज स्थित शिवमंदिर गौशाला में अमावस्या पर गायों को घास खिलाते हुए गौभक्त।

तेजस्वी यादव से मिले आदित्य ठाकरे

बोले- मौजूदा हालात में लोकतंत्र को खतरा, बचाने को हम कुछ भी करेंगे

पटना, 23 नवंबर (एजेंसियां)। शिवसेना (उद्धव ठाकरे) के नेता आदित्य ठाकरे ने बुधवार को पटना जाकर राजद नेता व बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव से मुलाकात की। राबड़ी देवी के आवास पर दोनों की काफी देर गुफ्तगू हुई। उसके बाद दोनों मीडिया के सामने आए तो बीजेपी पर हमलावर होते दिखे। उनका कहना था कि मौजूदा हालात लोकतंत्र के लिए बड़ा खतरा हैं। हम देश को बचाने के लिए कुछ भी करेंगे।

दोनों नेताओं की यह मुलाकात बुधवार को बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री और तेजस्वी यादव की मां राबड़ी देवी के आवास पर हुई। शिवसेना (उद्धव ठाकरे) नेता आदित्य ठाकरे के साथ उनकी पार्टी की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी भी मौजूद रहीं। मुलाकात के बाद शिवसेना (उद्धव ठाकरे) नेता आदित्य ठाकरे ने कहा, "हम एक-दूसरे के संपर्क में रहे हैं, लेकिन कोविड के कारण मिल नहीं पाए। हमने विभिन्न विषयों पर चर्चा की लेकिन राजनीति पर चर्चा नहीं की। यकीन है कि यह दोस्ती जारी रहेगी।"

आजम खान के लिए रामपुर उपचुनाव में खतरे की घंटी?

पहले तुर्क चेहरे ने छोड़ा साथ-अब पठानों ने कह दी ऐसी बात

रामपुर, 23 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के रामपुर में उपचुनाव के बीच यहां का सियासी माहौल तेजी से बदल रहा है। रामपुर में जो लोग कभी सपा नेता आजम खान के करीबी हुआ करते थे, उनकी आवाज बनते थे, उनके भरोसेमंद हुआ करते थे। वो लोग अब उनका साथ छोड़ने लगे हैं। जो समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान के लिए किसी मुसीबत से कम नहीं है।

रामपुर में पहले तुर्क चेहरे ने आजम खान का साथ छोड़ा तो वहीं अब पठानों ने भी आजम खान का साथ छोड़ने के साथ ही सपा नेता आजम खान पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। आरिफ खान नाम के एक पठान शख्स ने बताया कि आजम खान के परिवार में सांसदी से लेकर विधायकी तक थी और वो लोग अपनी जातीय और मुकदमे की लड़ाइयां लड़ते रहे। आजम खान के पास किसी आम आदमी से मिलने तक का वक्त नहीं था। उन्होंने कहा कि इस बार रामपुर की आवाम रामपुर के हित में फैसला लेगी।

आरिफ ने कहा कि आजम खान के युग का अंत उसी दिन हो गया था, जिस दिन उनको सजा का ऐलान हुआ था। उन्होंने कहा कि पांच तारीख को आजम खान की पार्टी की हार होगी, जो उनके ताबूत में कील ठोकने का काम करेगी। वहीं एक अन्य शख्स काशिफ खान ने बताया कि जिस विधानसभा में हमारी तादाद 80 हजार से अधिक हो और उसके बाद हमारे ऊपर वहीं जुल्म करे, जिसको हमने चुना था तो इससे ज्यादा बदनसीबी क्या हो सकती है। उन्होंने कहा कि यह मेरे लिए बहुत अच्छा मौका है कि हम इस कलंक धो सकेंगे और हम ऐसे आदमी का नुमांइदा बनाकर विधानसभा भेजेंगे, जो सभी को बराबर समझे। साथ ही रामपुर का विकास करा सके।

आजम खान खुद रामपुर से 13 चुनाव लड़ चुके हैं। जिसमें 10 बार विधायक और 1 बार सांसद चुने जा चुके हैं। भड़काऊ भाषण मामले में सजा सुनाए जाने के बाद कई सपा नेताओं ने आजम खान का साथ छोड़ दिया है। बीते तीन दिन में सपा से चेयरमैन का चुनाव लड़ चुके ताहिर ने सपा से दूरी बना ली है।

आजम के मीडिया प्रभारी फसाहत अली खां शानू समेत कई नेता सपा छोड़कर बीजेपी का दामन थाम चुके हैं। बता दें, रामपुर में 5 दिसंबर को विधानसभा उपचुनाव के लिए मतदान होगा।

पुलिस झंडा दिवस पर डीजीपी डीएस चौहान ने सीएम योगी को लगाया फ्लैग पिन

लखनऊ, 23 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बुधवार को थानों, पुलिस चौकियों व सभी पुलिस कार्यालयों में पुलिस झंडा दिवस मनाया गया। पुलिस झंडा दिवस पर डीजीपी डीएस चौहान ने मुख्यमंत्री योगी को फ्लैग पिन लगाया और सीएम योगी को प्रतीक चिह्न सौंपा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट कर पुलिस को 'पुलिस झंडा दिवस' की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस के समस्त अनुशासित एवं कर्तव्यनिष्ठ कार्मिकों को 'पुलिस झंडा दिवस' की हार्दिक बधाई! समर्पण, संवेदनशीलता और सेवा की प्रतीक यूपी पुलिस पर हमें गर्व है। जय हिंद।

गौरतलब है कि प्रतिवर्ष 23 नवंबर को यूपी में पुलिस झंडा दिवस मनाया जाता है। यूपी पुलिस प्रथम राज्य पुलिस बल है, जिसे उसके अप्रतिम योगदान के फलस्वरूप 23 नवम्बर, 1952 को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री द्वारा पुलिस ध्वज प्रदान किया गया।

पेट्रोल टैंकर में ब्लास्ट, 3 की मौत

वेल्डिंग के दौरान अचानक हुआ धमाका पिछला हिस्सा उछलकर 20 फीट दूर गिरा

वैशाली, 23 नवंबर (एजेंसियां)। वैशाली में वेल्डिंग के दौरान एक पेट्रोल टैंकर में ब्लास्ट हुआ है। हादसे में 3 लोगों की मौत हुई है। मरने वालों में ड्राइवर, खलासी और वेल्डिंग मिस्त्री शामिल हैं। हादसा हाजीपुर-मुजफ्फरपुर एनएच-22 पर हुआ। धमाका इतना जोरदार था कि टैंकर का पिछला हिस्सा उछलकर 20 फीट दूर गिरा।

घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। लोगों ने बताया कि धमाका इतना तेज था कि वो डर गए थे। लोग अपने घरों से बाहर निकल गए। देखते ही देखते लोगों की भीड़ जुट गई। गनीमत रही कि टैंकर खाली था। टैंकर के पिछले हिस्से में वेल्डिंग का काम किया जा रहा था। अचानक टैंकर ब्लास्ट कर गया। गाड़ी हाजीपुर से मुजफ्फरपुर की ओर जा रही थी। इसी दौरान ड्राइवर गाड़ी रोक टैंकर को वेल्डिंग करवाने लगा। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है। फिलहाल सड़क हाजीपुर-मुजफ्फरपुर एनएच 22 पर जाम लगा है। सड़क पर आवागमन पूरी तरह बाधित है।

रेलवे हाई स्कूल तालाब के पास निकला अजगर, ग्रामीणों ने किया रेस्क्यू

जमुई, 23 नवंबर (एजेंसियां)। जमुई के झाझा थाना अंतर्गत रेलवे हाई स्कूल रेलवे तालाब के पास एक विशालकाय अजगर निकलने से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। अजगर पर होने के कारण आने जाने वाले राहगीरों में डर का माहौल बन गया था। ग्रामीण डर के मारे भयभीत हो गए थे। विशालकाय अजगर सड़क पर निकलने के बाद ग्रामीणों के भीड़ सड़क के बीचो-बीच लग गए।

वहीं अजगर निकलने की सूचना ग्रामीणों ने वन के कर्मी को फोन पर देने की कोशिश की पर वन विभाग के कर्मी से संपर्क नहीं हो पाया। बाद स्थानीय युवाओं ने खुद हिम्मत दिखाते हुए विशालकाय अजगर का रेस्क्यू करने की कोशिश किया। काफी मशक्कत के बाद युवाओं ने अजगर का रेस्क्यू कर यश राज अस्थान समीप वन क्षेत्र में छोड़ दिया।

इस अजगर की रेस्क्यू की घटना युवाओं ने मोबाइल के कैमरे में कैद कर वीडियो वायरल कर दिया। वीडियो मंगलवार का बताया जाता है। अजगर सांप करीब 10 फीट लंबी और विशालकाय थी। अजगर सांप के मिलने से क्षेत्र मैं चर्चा का विषय बन गया। इस दौरान कई लोगों ने सराहनीय भूमिका निभाई।

केंद्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर के भतीजे ने की आत्महत्या

घर में फांसी लगाकर दी जान

लखनऊ, 23 नवंबर (एजेंसियां)। लखनऊ में दुबग्गा के बेगरिया में स्थित रियल एस्टेट कारोबारी केंद्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर के भतीजे नंद किशोर (47) ने बुधवार फांसी लगाकर जान दे दी। उनका शव कमरे में पंखे के सहारे लटकता हुआ मिला। उनके बेटे विशाल के मुताबिक वह कुछ दिनों से परेशान चल रहे थे। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की पड़ताल कर रही है।

प्रभारी निरीक्षक सुखवीर सिंह भदौरिया के मुताबिक रियल एस्टेट कारोबारी नंद किशोर बुधवार को अपने कमरे में लेटे हुए थे। मृतक के भाई अजय रावत ने बताया कि नंद किशोर का कमरा अंदर से बंद था और कई बार आवाज देने पर भी नहीं खुल रहा था। इस पर पुलिस को सूचना दी। बाद में कमरे में पंखे के सहारे उनका शव लटकता मिला।

कमर ने कमल बनकर युवती से किया दुष्कर्म

मेरठ, 23 नवंबर (एजेंसियां)। मेरठ के ब्रह्मपुरी की युवती से कमर ने कमल बनकर दुष्कर्म किया और उसे दिल्ली की श्रद्धा की तरह 35 टुकड़े करने की धमकी दी। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर कंकरखेड़ा पुलिस ने आरोपी और उसके साथी पर केस दर्ज कर जांच शुरू की है। युवती के मुताबिक सितंबर में उसके मोबाइल पर एक कॉल आई थी। कॉलर ने अपना नाम शास्त्रीनगर निवासी कमल बताया था। इसके बाद दोनों में बातचीत होने लगी। अक्तूबर के पहले सप्ताह में कमल कार से पीड़िता को मंसूरपुर ले गया।

आरोप है कि लौटते समय आरोपी ने कोल्ड ड्रिंक में नशीली गोलियां दीं और कंकरखेड़ा में एक अस्पताल के पास कार खड़ी कर दुष्कर्म किया। इसका वीडियो भी बनाया गया। आरोपी ने वीडियो वायरल करने की धमकी दी।

मायावती ने कहा, देसी विदेशी पूंजी निवेश के लिए सरकार का प्रयास केवल चुनावी स्वार्थ तक ही सीमित ना हो

लखनऊ, 23 नवंबर (एजेंसियां)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा है कि यूपी में देसी व विदेशी पूंजी निवेश के लिए सरकार का अनवरत प्रयास जरूरी है किंतु यह केवल खेती भूमि अधिग्रहण तथा चुनावी स्वार्थ तक ही सीमित नहीं होना चाहिए। यूपी जैसे अति गरीबों के पिछड़े प्रदेश में डबल इंजन की सरकार में वैसी ही तेज प्रति भी लोगों को देखनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि यूपी की समग्र प्रगति विकास व लोगों की रोजी रोटी के साथ उनकी सुरक्षा व आत्म सम्मान के लिए बसपा ने खास काम किया था। यमुना के साथ गंगा एक्सप्रेसवे जेवर एयरपोर्ट भी तब ही बन जाता अगर केंद्र की कांग्रेस सरकार ने सहयोग दिया होता। उन्होंने एक के बाद एक तीन ट्वीट करते हुए कहा कि यूपी में बसपा सरकार में लोगों को रोजगार तथा बुनियादी सुविधाओं से युक्त नए पक्के मकान व भूमि आदि में भी फ्री में लाखों परिवारों को आवंटित किया था। पहले सपा अब भाजपा सरकार ने भी ऐसी प्रगति क्यों नहीं दिखाई है।

कॉलेज के सामने बीबीए के छात्र की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या

बिजनौर, 23 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बिजनौर में बुधवार को बदमाशों ने दिनदहाड़े एक छात्र की हत्या कर डाली। जानकारी के अनुसार नूरपुर रोड स्थित कृष्णा कॉलेज के बीबीए के छात्र झालू निवासी (20) शामिक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। कॉलेज के सामने ही बाइक सवार बदमाशों ने घटना को अंजाम दिया। घटना के बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई, वह पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के मुताबिक बुधवार की दोपहर हेलमेट लगाए बाइक सवार बदमाश कृष्णा कॉलेज के सामने पहुंचे।

भाजपा उम्मीदवार के लिए कुढ़नी में भी प्रचार करेंगे चिराग

दलित वोटर्स के बल पर जदयू उम्मीदवार को हराने का दावा, 28 के बाद करेंगे प्रचार

पटना, 23 नवंबर (एजेंसियां)। 5 दिसंबर को मुजफ्फरपुर के कुढ़नी विधान सभा क्षेत्र में उप चुनाव होना है। इस सीट पर कब्जा करने के लिए महागठबंधन और एनडीए दोनों ही तरफ से बड़ी लड़ाई की तैयारी शुरू कर दी गई है। दोनों ही गठबंधन की तरफ से जीत के अपने-अपने दावे किए जा रहे हैं। अब सवाल है कि पलड़ा किसका भारी है? सुशासन की बात करने वाले नीतीश कुमार की पार्टी जदयू के उम्मीदवार मनोज सिंह कुशवाहा की जीत होगी या फिर जमुई सांसद और लोजपा (रामविलास) के मुखिया चिराग पासवान का जादू यहां भी चलेगा और भाजपा उम्मीदवार केदार प्रसाद गुप्ता की जीत होगी? इन सवालों का जवाब तो 8 दिसंबर को जब रिजल्ट आएगा तब पता चलेगा। मगर, चिराग पासवान की पार्टी ने अभी से ही भाजपा उम्मीदवार को जिताने के लिए अपनी कमर कस ली है।

चिराग पासवान पहले ही ऐलान कर चुके हैं कि वो भाजपा उम्मीदवार के पक्ष में प्रचार करेंगे। जिस तरह से उन्होंने मोकामा और गोपालगंज उप चुनाव में भाजपा उम्मीदवार के लिए प्रचार किया था, उसी तर्ज पर वो कुढ़नी में भी प्रचार-प्रसार करेंगे। इसकी पुष्टि उनकी पार्टी की तरफ से की गई है। गोपालगंज में भाजपा उम्मीदवार की जीत हुई थी। मगर, मोकामा में कड़ी टक्कर के बाद भाजपा उम्मीदवार को हार का सामना करना पड़ा था। हालांकि, इसके बाद भी चिराग पासवान की पार्टी दावा कर चुकी है कि उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष के प्रचार की वजह से ही मोकामा में भाजपा को वोट काफी बढ़ा था। कुढ़नी में दलित वोटर्स की संख्या अच्छी खासी है। इसमें 30 हजार के करीब मल्लाह हैं। जबकि, 12 हजार के करीब पासवान वोटर्स हैं। लोजपा (रामविलास) के प्रदेश प्रवक्ता राजेश भट्ट के अनुसार 28 नवंबर को पार्टी का स्थापना दिवस है। संभावना है कि चिराग पासवान पटना में ही रहेंगे। इसके बाद वो कुढ़नी में चुनाव प्रचार के लिए जाएंगे। इसके लिए उनका कार्यक्रम भाजपा की तरफ से तय किया जाएगा। लेकिन, एक बात तय है कि उनके प्रचार से दलित वोटर्स भाजपा उम्मीदवार के पक्ष में ही वोट करेंगे। इस सीट पर एनडीए की ही जीत होगी। जदयू उम्मीदवार को हार का सामना करना पड़ेगा। इसके लिए पूरी तैयारी की गई है।

चिराग पासवान के अलावा पार्टी के दूसरे नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भी भाजपा उम्मीदवार के पक्ष में प्रचार करने जाएंगे।

रिश्ते को 'डिसकनेक्ट' कर रहा फोन का पासवर्ड

पटना, 23 नवंबर (एजेंसियां)। फोन का पासवर्ड पति-पत्नी के रिश्तों को डिसकनेक्ट कर रहा है। यानी एक-दूसरे से अपनी निजता बनाने के लिए लगाये जाने वाले पासवर्ड के कारण रिश्तों में अब दरारें आ रही हैं। वाट्सएप, फेसबुक या अन्य सोशल साइट्स और उनको लॉक रखने वाले पासवर्ड की बात की जाये या फिर फिंगर इंप्रेशन से पूरे मोबाइल को लॉक करने वाले सिस्टम की, इन चीजों को नहीं शेयर करने पर पति-पत्नी के मन में शक पैदा हो रहा है। ये शक धीरे-धीरे रिश्तों में कड़वाहट घोल रही है और पति-पत्नी को तलाक के मोड़ पर ला रही है।

चैट डिलीट करने से बढ़ जाता है दूसरे पक्ष का गुस्सा और शक

'सखी वन स्टॉप सेंटर' (महिला हेल्पलाइन) में ऐसे मामले आये दिन आ रहे हैं। हर महीने घरेलू हिंसा के तहत फोन से जुड़े पांच-सात मामले आते हैं। वहीं पिछले छह महीने में 53 ऐसे मामले आ चुके हैं। चैट, कॉल डिलीट करना और पासवर्ड सेट करना विवाद का कारण बनता जा रहा है। चैट डिलीट करने से हो रहे झगड़े हेल्पलाइन में कुछ मामलों की काउंसेलिंग चल रही है, जिसमें वाट्सएप चैट डिलीट करने से झगड़े होते हैं। चैट डिलीट करने से दूसरे पक्ष का गुस्सा और शक दोनों बढ़ जाता है। इसके अलावा पासवर्ड ना शेयर करना भी शामिल है। ऐसे में उनकी काउंसेलिंग की जा रही है और सलाह दी जाती है कि रिश्तों में जितना ज्यादा ट्रांसपेरेंसी रहेगी, उतना अच्छा होगा। इसमें कुछ महिलाएं और पुरुषों का कहना है कि उनकी पर्सनल लाइफ है।

कभी न रहने दें शक की गुंजाइश

प्रमिला कुमारी इस बारे में सखी वन स्टॉप सेंटर की प्रोजेक्ट मैनेजर प्रमिला कुमारी कहती हैं, आज के कपल्स वाट्स एप, गैलरी और फोन सभी में अलग-अलग पासवर्ड रखते हैं, जिसे लेकर इनके बीच शक और छोटे-छोटे विवाद बहुत गंभीर रूप ले रहे हैं। ऐसा नहीं है कि इसमें सिर्फ पुरुषों की गलती होती है, महिलाएं भी बहुत बार गलत पायी जाती हैं। दोनों में से कोई एक तभी चीजों को छिपाता है, जब कुछ न कुछ गलत हो। शक की आशंका वहां बढ़ जाती है, जब ऑफिस कलिग का बहाना होता है। जरूरत है पर्सनल और प्रोफेशनल रिश्तों के बीच अंतर करने की।

युवक को दिनदहाड़े मारी गोली

बेगूसराय, 23 नवंबर (एजेंसियां)। बेगूसराय में अपराधियों ने दिनदहाड़े एक युवक को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल। घटना के बाद गांव में अफरा तफरी मच गई। छितरौर डाक घर के निकट दुर्गा स्थान के समीप की है। जहां एक युवक को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। पीड़ित का इलाज सदर अस्पताल बेगूसराय मे चल रहा है। घायल की पहचान खोरामपुर वार्ड नंबर 6 के रहने वाले रामनंदन सिंह के पुत्र 30 वर्षीय निगम कुमार के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि निगम कुमार मवेशी का चारा लाने बहियार जा रहे थे तभी 5 की संख्या में बाइक सवार अपराधियों के द्वारा उसे गोली मार दी गई। सूचना मिलते ही मटिहानी थाना के पुलिस मौके पर पहुंचकर घायल युवक को इलाज के लिए सदर अस्पताल बेगूसराय मे भर्ती कराया जहां उसका इलाज चल रहा है। गोली युवक के पैर मे लगी है। घटना के संबंध में पुलिस अधिकारी ने बताया कि गोली लगने की सूचना पर जब घटनास्थल पहुंचा तो पीड़ित गोली से जख्मी होने की बात बताई गई जिसे उठाकर इलाज के लिए पीएससी में भेजा गया।

बिहार से शराब पार्टी करने यूपी पहुंचे थे लोग

वापसी के दौरान 74 पियक्कड़ समेत 90 गिरफ्तार

पटना, 23 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के गोपालगंज जिले से बड़ी खबर सामने आ रही है। लोग यूपी के सीमावर्ती इलाकों में शादी-विवाह की रस्म पूरा कराने के लिए होटल और मैरेज हॉल बुकिंग कर रहे हैं। शादी-विवाह का सीजन शुरू हो चुका है। विवाह का फंक्शन पुरी कर शराब पार्टी की जा रही है, लेकिन नशे में बिहार आते ही उन्हें घर की जगह जेल जाना पड़ रहा है। मामला शराबबंदी वाले बिहार का है, जहां शराब पीना या पीकर बाहर से आना कानूनन अपराध है। उत्पाद टीम और पुलिस लगातार कार्रवाई की कर रही है। मंगलवार को उत्पाद विभाग ने नोडल चेकिंग अभियान चलाया, जिसमें 74 पियक्कड़ और 16 शराब तस्कर गिरफ्तार किये गये।

यूपी-बिहार के चेकपोस्ट पर की गयी गिरफ्तारी

अधिकांश लोगों की गिरफ्तारी यूपी-बिहार के चेकपोस्ट पर की गयी। इनमें बाइक, स्कूटी, कार समेत कई गाड़ियां और देशी-विदेशी शराब भी जब्त की गयी है। गिरफ्तार लोगों में अधिकांश ने बताया कि वे शादी-समारोह में शामिल होने के लिए यूपी गये थे, जहां शराब पार्टी की, लौटने के दौरान नशे की हालत में पाये गये। जहां उन्हें गिरफ्तार किया गया। उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि नोडल रेड के तहत पूरे जिले में मंगलवार की रात छापेमारी अभियान चलाया गया, जिसमें 90 लोगों की गिरफ्तारियां की गयी। उत्पाद अधिनियम के तहत सभी लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है।

सास व दामाद मिलकर करते थे शराब की तस्करी

गोपालगंज पुलिस और उत्पाद टीम की सख्ती होने के बाद तस्करों ने नया तरीका ढूंढ निकाला है। पुलिस और उत्पाद टीम को चकमा देने के लिए स्कूटी से शराब की तस्करी होने लगी है। वहीं, उत्पाद टीम ने एक ऐसे शराब तस्करी के मामले का भंडाफोड़ किया है, जिसका पूरा परिवार ही इस तस्करी में लगा हुआ है। शराब तस्करी में सास और दामाद दोनों पकड़े गये हैं। उत्पाद निरीक्षक प्रकाश चंद ने बताया कि यूपी से आने वाली गाड़ियों की जांच हो रही थी। जांच के दौरान ही जब एक स्कूटी को रोककर तलाशी ली गयी, तो उसमें 120 पीस शराब की सीसी मिली। शराब के साथ ही महिला और स्कूटी चला रहे युवक को गिरफ्तार कर लिया गया।

नशे की हालत में पकड़ा गया था हत्यारोपी पिता

पुलिस से बोला- बीयर पियूंगा, फिर उगला जुर्म

मथुरा, 23 नवंबर (एजेंसियां)। आयुषी की हत्या के बाद उसके पिता नितेश यादव को तनिक भी अफसोस नहीं था। वह शराब पीकर एमसीडी के चुनाव प्रचार में घूमाता रहा। 20 नवंबर को मथुरा पुलिस जब आयुषी के दिल्ली के बदरपुर स्थित घर पहुंची तो हत्यारोपी पिता नितेश यादव घर पर नहीं मिला था। इसी दिन स्वॉट टीम ने उसे एक राजनीतिक दल के चुनाव कार्यालय से उठाया था।

नशे में धुत हत्यारोपी को पकड़कर स्वॉट टीम शव की पहचान के लिए मथुरा लेकर चली तो रास्ते में पूछताछ के दौरान ही उसने बीयर पीने की शर्त रख दी। पुलिस ने उसकी इच्छा पूरी की, फिर भी वह पुलिस को गुमराह करता रहा। आखिरकार देर रात तकरीबन 11.30 पुलिस ने सख्ती बरती तो वह टूट गया। उसने आयुषी की हत्या करना स्वीकार कर लिया। नितेश के नशे में धुत होने के कारण ही पुलिस ने उसे अलग गाड़ी में बैठाया और मां, भाई को दूसरी गाड़ी से पहचान के लिए पोस्टमार्टम गृह तक पहुंची थी। इस बीच मांट टोल चौकी पर नितेश को बैठाया गया।

राया क्षेत्र में 18 नवंबर को यमुना एक्सप्रेसवे के सर्विस रोड पर कृषि अनुसंधान केंद्र के पास झाड़ियों में खून से लथपथ ट्रॉली बैग में मिला था। इसमें बीसीए की छात्रा आयुषी (22) की लाश थी। मथुरा पुलिस की 14 टीमें इस मामले की जांच में जुटी। तब जाकर 48 घंटे में मृतका की पहचान हो पाई।

भाजपा सांसद अरुण सागर फरार घोषित

आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप

शाहजहांपुर, 23 नवंबर (एजेंसियां)। शाहजहांपुर जिला कोर्ट ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी के लोकसभा सांसद अरुण सागर को फरार घोषित कर दिया। उन पर पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान प्रशासन की अनुमति के बिना दीवार पर पेंटिंग कराने का आरोप है। एमपी-एमएलए कोर्ट की विशेष जन अभियोजक ने बुधवार को बताया, "अरुण सागर को 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान बिना संबद्ध अधिकारी की अनुमति के चुनाव सामग्री लाने के एक मामले में फरार घोषित कर दिया गया है। उन्हें बार-बार कोर्ट में पेश होने के लिए कहा गया लेकिन वे पेश नहीं हुए। इसी मामले में इससे पहले उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया गया था क्योंकि वे कोर्ट में पेश नहीं हुए थे।" वर्ष 2019 में 12 मार्च को तत्कालीन उपजिलाधिकारी सदर/सहायक रिटर्निंग ऑफिसर 136 विधानसभा क्षेत्र ददरौल वेद सिंह चौहान भ्रमण कर रहे थे। उन्हें कांट थाना क्षेत्र के गांव रसूलापुर में बरेली-जलालाबाद मार्ग पर तब भाजपा प्रत्याशी रहे अरुण सागर की प्रचार सामग्री दिखाई दी। बिना किसी सक्षम अधिकारी की अनुमति के यह प्रचार सामग्री लगाई गई थी। उनकी तहरीर पर कांट थाने में अभियोग पंजीकृत कर लिया गया। इसके बाद से वाद अदालत में चल रहा है।

उत्तराखंड के मदरसों में लागू होगा ड्रेस कोड

60 मॉर्डन मदरसों की क्या होगी खासियत

देहरादून, 23 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड के मदरसों में ड्रेस कोड लागू होगा। वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सैदाबा ने इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हम उत्तराखंड में मॉर्डन मदरसे विकसित करना चाहते हैं, जिसके यह मदरसों में ड्रेस कोड लागू करने का बड़ा कदम उठाया है।

बुधवार को मदरसों में ड्रेस कोड लागू करने की घोषणा की गई। वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सैदाबा ने कहा कि उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के पास अपने 103 मदरसे हैं। और उन 103 मदसरों में से हमने 60 मदरसों को मॉर्डन मदरसे बनाए जाने का निर्णय लिया है। इन मॉर्डन मदरसों की तालीम भी मॉर्डन होगी। वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सैदाबा ने कहा कि हमारा बच्चा डॉक्टर, इंजीनियर बने, एपीजे अब्दुल कलाम के रास्ते पर चले और आगे बढ़े। उस दिशा में हम अपने मदरसों को बनाना चाहते हैं।

मध्य प्रदेश में सिंघार और सावरकर के मुद्दों पर बवाल

क्या पड़ेगा राहुल की भारत जोड़ो यात्रा पर असर?

भोपाल, 23 नवंबर (एजेंसियां)। एमपी के बुरहानपुर से राहुल गांधी की यात्रा शुरू हो गई है। इससे पहले बीजेपी को उन्हें घेरने के लिए दो बड़े मुद्दे मिले गए हैं। उमंग सिंघार के खिलाफ दुष्कर्म का मामला और वीर सावरकर के मुद्दे पर बीजेपी फ्रंटफुट पर बैटिंग कर रही है। दुष्कर्म केस में फंसे सिंघार पर कांग्रेसियों ने चुप्पी साध ली है। वहीं, वीर सावरकर को लेकर हिंदू संगठन के लोग राहुल गांधी के खिलाफ हैं। बुरहानपुर में सावरकर के पोस्टर लग गए हैं। ऐसे में सवाल है कि क्या राहुल गांधी के मिशन को इन दोनों मुद्दों से एमपी में कांग्रेस को झटका लगा है? राहुल गांधी की यात्रा मालवा निमाड़ से निकल रही है।

आदिवासी वर्ग से आने वाले सिंघार की विधानसभा भी इसी क्षेत्र में है। वह गुजरात विधानसभा चुनाव के सह प्रभारी हैं। इससे पहले झारखंड चुनाव के सह प्रभारी थे। उनको राहुल गांधी का करीबी माना जाता है। दिग्विजय सिंह से भिड़ने के बाद भी पार्टी में उन्हें लगातार बड़ी जिम्मेदारियां मिलती रही है। इससे कांग्रेस में उनकी पकड़ का अंदाजा लगाया जा सकता है। सिंगार कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री रहीं यमुना देवी के भतीजे हैं। यमुना देवी की भी दिग्विजय सिंह से बनती नहीं थी। राहुल गांधी की यात्रा के एमपी में आने से पहले कांग्रेस की ही पदाधिकारी और उनकी पत्नी का उनके खिलाफ शिकायत करना कई सवाल खड़े करता है। इसे कांग्रेस की इंटरनल पॉलिटिक्स भी बताया जा रहा है। बीजेपी की नजर आदिवासी वर्ग पर है। इसलिए बीजेपी इस मुद्दे को भुनाना चाहती है। दूसरा सावरकर को लेकर राहुल के बयान को भी बीजेपी एमपी में एंटी हिंदू के मुद्दे में बदलना चाहती है। यही वजह है कि बुराहनपुर से लेकर इंदौर तक हिंदू संगठन सावरकर के बयान को लेकर राहुल का विरोध कर रहे हैं। बीजेपी की योजना इस मुद्दे से कांग्रेस और राहुल की हिंदू वाली छवि को नुकसान पहुंचाना है। इसी के तहत मैं भी वीर सावरकर का अभियान चला रही है। सावरकर के मुखौटे पहनकर विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं। इससे बीजेपी भारत जोड़ो यात्रा का प्रभाव भी बढ़ने से रोकना चाहती है। वरिष्ठ पत्रकार अरुण दीक्षित का कहना है कि राहुल की यात्रा पर उमंग सिंघार और वीर सावरकर के मुद्दे पर कोई प्रभाव नहीं पड़ना है। महाराष्ट्र में वीर सावरकर को लेकर बयानबाजी कांग्रेस की सोची समझी रणनीति है। उमंग सिंघार का पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी उनके खिलाफ ऐसी चीजें आई है, जिसका असर उनके राजनीतिक जीवन पर नहीं पड़ा है। वह तीन बार के विधायक हैं। बीजेपी मुद्दा बनाना चाहती हैं और इसके लिए सुनियोजित तरीके से काम कर रही है। इसके पीछे बीजेपी का मकसद आदिवासी वोट बैंक का साधना है। दोनों ही मुद्दे में बीजेपी को कोई खास फायदा होते दिखता नहीं है।

बता दें इस मामले की शिकायत दिल्ली तक पहुंच गई है। उमंग सिंघार की पत्नी ने सोनिया गांधी को चिट्ठी लिखी है। वहीं, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने प्रियंका गांधी से सवाल किया है। उन्होंने कहा है कि प्रियंका गांधी बेटी है तो लड़ेगी, ये अभियान दे रहीं थीं अरे प्रियंका जी ये मध्य प्रदेश पूछ रहा है? आपके उमंग सिंघार कांग्रेस के विधायक, मैं गुजरात के चुनाव में हूं, गुजरात के चुनाव के सह प्रभारी हैं। उनके खिलाफ क्या कार्रवाई होगी।

डिप्टी सीएम दुष्यंत के काफिले की गाड़ियों का एक्सीडेंट

हिसार-चंडीगढ़ हाइवे पर 2 पायलट टकराई; पुलिस कर्मचारी घायल

हिसार, 23 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला के काफिले का पिहोवा में एक्सीडेंट हो गया। काफिले में दुष्यंत की गाड़ी में शामिल पीसीआर आपस में टकरा गई। काफिले के आगे गोवंश आ गया। गोवंश को बचाने के चक्कर में जब वाहनों की स्पीड कम हुई तो पीछे से आ रही दूसरी पीसीआर टकरा गई। हालांकि डिप्टी सीएम सुरक्षित हैं। इस दुर्घटना में पुलिस कर्मचारी और होमगार्ड घायल हुए है। उन्हें पिहोवा के अस्पताल में दाखिल करवाया गया। हिसार- चंडीगढ़ हाइवे रोड गोवंश से भरा हुआ है। यह हादसे का कारण बन रहे हैं।

उचाना जा रहे दुष्यंत चौटाला

दुष्यंत चौटाला का काफिला जब निकला तो तब गोवंश वहां पर बैठा था। दुष्यंत चौटाला उचाना हलके के दौरे पर जा रहे थे। उचाना हलके के 10 गांवों में लोगों की समस्याएं सुनने और उन्हें रैली का न्यौता दिया जाना है। जैसे ही गाड़ियां हाइवे पर तेज गति से निकली तो आगे जा रही पुलिस की गाड़ी के आगे गोवंश आ गया। आगे वाले ने उसे बचाने के लिए ब्रेक लगाया तो पीछे से आ रही पीसीआर उससे टकरा गई। हालांकि हादसे में जख्मी पुलिसकर्मियों को अस्पताल भेज दिया गया है। वहीं डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला अपने तय शेड्यूल पर आगे रवाना हो गए। इलाके के लोगों का कहना है कि इस हाइवे पर हमेशा ही पशु बैठे रहते हैं। जिसके बारे में कई बार अफसरों को शिकायत की जा चुकी है

सनकी आशिक से टीचर परेशान

शादी से मना करने पर की मारपीट घर पहुंचकर खिड़कियों से कर रहा ताकझांक

भोपाल, 23 नवंबर (एजेंसियां)। भोपाल में सिरफिरे ने महिला टीचर के परिवार का जीना मुश्किल रखा है। आरोपी धर्म छुपाकर महिला टीचर को प्रेम जाल में फंसा अब शादी का दबाव बना रहा है। जब लड़की को लड़के के क्रिश्चन होने का पता चला तो उसने शादी से मना कर दिया। तब से आरोपी पीड़िता को परेशान कर रहा है। वह उसके घर पहुंचकर खिड़कियों से ताकझांक करता है। गाड़ियों में तोड़फोड़ कर चुका है। पीड़िता के पिता से मारपीट कर चुका है। अवधपुरी पुलिस ने महिला टीचर की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक, क्रिस्टल आईडियल सिटी अवधपुरी निवासी 26 वर्षीय युवती कटारा हिल्स इलाके में संचालित निजी स्कूल में टीचर हैं। मूलतः केरल की रहने वाली युवती ने पुलिस को बताया कि मेरे साथ पूर्व में अभिषेक शर्मा भी सागर पब्लिक स्कूल गांधी नगर भोपाल में पढ़ाता था। जिससे मेरा परिचय हो गया। बाद में पता चला कि अभिषेक का चरित्र ठीक नहीं है। इस पर मैंने उससे दूरियां बना लगी। इसके बाद वह बार-बार मेरे मोबाइल नम्बर पर मैसेज भेजकर परेशान करने लगा। 19 नवंबर को फोन कर मुझे अश्लील बातें करते हुए मेरे फोटो वायरल करने की धमकी दी।

बढ़ती ठंड के बीच इन जगहों पर हो सकती है बारिश

नई दिल्ली, 23 नवंबर (एजेंसियां)। मौसम विभाग ने मैदानी इलाकों में बढ़ते ठंड के बीच देश के कुछ हिस्सों में आज बारिश की चेतावनी जारी की है। बता दें कि सर्दी का प्रकोप उत्तर प्रदेश, बिहार और दिल्ली-एनसीआर में बढ़ने लगा है। इन जगहों पर अब सुबह शाम के बाद अब दिन में भी ठंड का एहसास होने लगा है। दिल्ली में बुधवार सुबह न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया जो इस मौसम का अभी तक का सबसे कम तापमान है। मौसम विभाग ने अधिकतम तापमान के 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का पूर्वानुमान जताया है। पूरे उत्तर भारत से लेकर मध्य और पूर्व भारत तक ठंड ने दस्तक दे दी है

कई राज्यों में बारिश का सिलसिला जारी

उत्तर भारत में जहां ठंड की शुरुआत हो चुकी है, वहीं दक्षिण भारत में अब भी बारिश का सिलसिला जारी है। केरल और तमिलनाडु समेत दक्षिण के कई राज्यों में बारिश का दौर जारी है। इसी बीच मौसम विभाग ने एक अलर्ट जारी कर कहा है कि बुधवार को पुडुचेरी, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। इसके साथ ही रायलसीमा, पुडुचेरी, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में 23 नवंबर को भी हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इस दौरान 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं भी

चलेंगी। वहीं देश के अन्य हिस्सों का मौसम शुष्क बना रहेगा और तापमान में गिरावट हो सकती है।

इन जगहों भी हो सकती है बारिश

दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर डिप्रेशन बना हुआ है जो अब एक गहरे निम्न दबाव के क्षेत्र में बदलता जा रहा है जो तेजी से उत्तर पश्चिम दिशा में उत्तर तमिलनाडु और दक्षिण आंध्रप्रदेश के तट की ओर आगे बढ़ रहा है। स्काईमेट वेदर के मुताबिक, बुधवार को आंध्र प्रदेश और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। यही नहीं उत्तरी तमिलनाडु में भी एक या दो स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इसके अलावा रायलसीमा और कर्नाटक के कुछ हिस्सों में भी हल्की छिटपुट बारिश की संभावना है जबकि लक्षद्वीप में एक या दो स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है।

इन राज्यों में बन सकते हैं शीतलहर जैसे हालात

हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड जैसे पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी के कारण सर्द हवाएं चल रही हैं। इसके चलते पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली समेत कई राज्यों में ठंड बढ़ गई है। पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी के कारण उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और मध्य प्रदेश में आने वाले दिनों में जल्द ही शीतलहर जैसे हालात बन सकते हैं।

आदिवासी छात्रा ने होस्टल में फांसी लगाई, बीमारी से परेशान थी

इंदौर, 23 नवंबर (एजेंसियां)। इंदौर में तेजाजी नगर क्षेत्र में आदिवासी होस्टल में एक छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। छात्रा के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला, इसलिए आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चला। छात्रा की सहेलियों का कहना है कि वह पैरों में सूजन की परेशान थी। वह रात को अपनी सहेलियों से दवा लाने का बोल कर निकली थी। बाद में बाथरुम में जाकर फांसी लगा ली। तेजाजी नगर पुलिस के अनुसार शिवानी मूल रुप से धार जिले के पिपरी गांव की है और इंदौर में रहकर पढ़ाई कर रही थी। उसकी उम्र 16 वर्ष थी। वह मोरोद के होस्टल में रह रही थी। रात को उनसे बाथरूम में दुपट्टे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

नशे के खिलाफ एसटीएफ की बड़ी कार्रवाई, हेरोइन और ड्रग मनी के साथ सब इंस्पेक्टर गिरफ्तार

लुधियाना (पंजाब), 23 नवंबर (एजेंसियां)। पंजाब को नशा मुक्त बनाने का दावा करने वाली पंजाब पुलिस के मुलाजिम ही नशा तस्करी के आरोप में लगातार गिरफ्तार हो रहे हैं। एसटीएफ ने लुधियाना में बड़ी कार्रवाई करते हुए सब इंस्पेक्टर को गिरफ्तार किया है जिसके कब्जे से भारी मात्रा में हेरोइन और लाखों रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई है। एसटीएफ की टीम ने थाना डिवीजन नंबर 5 के एडिशनल एसएचओ हरविंदर सिंह और उनके साथियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ करने में जुटी है। बताया जा रहा है कि इस मामले में एसटीएफ की टीम ने एक महिला और उसके साथी को भी गिरफ्तार किया है,

हरियाणा के मुख्य सचिव-डीजीपी को नोटिस

आयोग ने 6 हफ्ते में रिपोर्ट मांगी; जेल में बंद कैदी की पत्नी से इंस्पेक्टर ने किया रेप

चंडीगढ़, 23 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने हरियाणा के मुख्य सचिव और डीजीपी को नोटिस जारी किया है। आयोग ने फरीदाबाद की नीमका जेल में बंद कैदी की पलवल जिले की रहने वाली पत्नी के साथ रेप के मामले का स्वतः संज्ञान लिया है। दोनों अधिकारियों को 6 हफ्ते में रिपोर्ट दाखिल करने को कहा गया है। आयोग ने इस मामले को लोक सेवकों के द्वारा मानव अधिकारों का उल्लंघन बताया है।

एसएलएसए सदस्य सचिव को भी दिए निर्देश

आयोग ने राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (एसएलएसए) को भी इस मामले में निर्देश दिए गए हैं। आयोग की तरफ से कहा गया है कि प्राधिकरण के सदस्य सचिव को भी जेल में पीड़ित महिला के पति को लंबे समय तक कैद रखने मामले की जांच करनी होगी। साथ ही जांच रिपोर्ट 8 सप्ताह के भीतर आयोग में जमा कराना होगी। साथ ही आरोपी को मुफ्त न्यायिक सेवाओं का लाभ भी दिया जाए।

आयोग ने हरियाणा पुलिस से पूछा है कि आरोपी क्राइम ब्रांच इंस्पेक्टर की गिरफ्तारी हुई है या नहीं। रिपोर्ट में आरोपी निरीक्षक के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामले की वर्तमान स्थिति पर जानकारी भी आयोग ने मांगी है। रिपोर्ट में अलग-अलग दंडनीय कानूनों के तहत लागू प्रावधानों का उल्लेख करने को भी कहा गया है।

क्या है पूरा मामला

आयोग ने मामले का उल्लेख करते हुए बताया कि क्राइम ब्रांच में तैनात एक इंस्पेक्टर ने महिला से जेल में बंद उसके पति की मदद करने का बहाना देकर दुष्कर्म किया। इसके साथ ही आरोपी इंस्पेक्टर ने महिला को ब्लैकमेल कर करीब 5.50 लाख रुपए भी वसूले। महिला की शिकायत पर सेक्टर 16 महिला थाना पुलिस ने केस दर्ज किया गया।

फरार है आरोपी इंस्पेक्टर

केस दर्ज होने के बाद आरोपी इंस्पेक्टर की पहचान मनोज कुमार के रूप में हुई है और वह वर्तमान में एचएसवीवी सेल में तैनात है। पुलिस आरोपी इंस्पेक्टर की पुलिस तलाश कर रही है। पलवल की रहने वाली एक महिला को इंस्पेक्टर ने कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाकर रेप किया। इतना ही नहीं आरोपी ने महिला के आपत्तिजनक फोटो और वीडियो भी लिए। इसके बाद उसने महिला को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया और उससे पैसे भी वसूले।

पति को छुड़वाने का भरोसा दिया

आरोपी ने महिला को आश्वासन दिया था कि वह जेल में बंद उसके पति को छुड़वाने और धाराएं कम करा देगा। महिला ने आरोपी इंस्पेक्टर पर आरोप लगाते हुए कहा कि उसने पहले साढ़े चार लाख रुपए लिए और फिर एक लाख रुपए बाद में लिए। पीड़ित महिला ने कहा कि उसका पति नीमका जेल में बंद है।

पंजाब की सड़क से परेशान हरियाणा के गृह मंत्री

अनिल विज की सीएम भगवंत मान को चिट्ठी; जीरकपुर में जाम, रोड फोर लेन कराओ

चंडीगढ़, 23 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के दबंग गृह मंत्री अनिल विज पंजाब की एक सड़क से परेशान हैं। उनकी परेशानी यहां तक बढ़ गई कि उन्हें मजबूर होकर पंजाब के सीएम भगवंत मान को चिट्ठी लिखनी पड़ गई। जिसमें उन्होंने उम्मीद जताई कि सीएम मान उनकी बात जरूर मानेंगे। असल में गृह मंत्री विज पंजाब के मोहाली जिले की जीरकपुर रोड से परेशान हैं। उन्होंने सीएम भगवंत मान को कहा कि रामगढ़ से डेराबस्सी जाने वाली सड़क को फोर लेन किया जाए। इस सड़क पर अक्सर जाम लगा रहता है।

विज ने यह लिखा है चिट्ठी में

विज ने चिट्ठी में लिखा है कि डेरा बस्सी से रामगढ़ बहुत व्यस्त सड़क है। यहां ट्रैफिक बहुत होता है और सड़क की हालत बहुत खराब है। जिन लोगों को डेराबस्सी से होकर चंडीगढ़ या पंचकूला जाता पड़ता है, वे इस सड़क से वाया रामगढ़ होकर पंचकूला, चंडीगढ़ पहुंचते हैं। इस रास्ते में खास तौर पर जीरकपुर में हमेशा जाम की स्थिति बनी रहती है। यह सड़क संकरी और टूटी होने के कारण जो लोग यहां से गुजरते हैं, उन्हें मुश्किल होती है।

विज की सीएम मान से मांग

गृहमंत्री अनिल विज ने सीएम भगवंत मान से मांग की कि डेरा बस्सी से वाया रामगढ़ होकर चंडीगढ़-पंचकूला जाने वाले लोगों की दिक्कत को समझें। इस सड़क को फोर लेन बनाएं। इससे आम लोगों को चंडीगढ़ और पंचकूला जाने में असुविधा नहीं होगी।

नूंह में 3 बच्चों को लेकर टैंक में कूदी मां

तीनों मासूमों की मौत, महिला को बचाया गया; चौथा बच्चा स्कूल गया था

नूंह, 23 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के नूंह जिले में दिल दहला देने वाली एक घटना हुई है। यहां मां अपने 3 बच्चों को लेकर घर में बने पानी के टैंक में कूद गई। अंदर गिरते ही मां तड़पने लगी तो उसने चिल्लाना शुरू कर दिया। शोर सुनकर आसपास के लोगों ने उन्हें बाहर निकाला। तब तक तीनों मासूम बच्चों की मौत हो चुकी थी। मां को बचा लिया गया लेकिन अभी उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

तीनों बच्चों की मौके पर ही मौत

मिली जानकारी के अनुसार, गांव खेड़ला निवासी महिला सकूनत अपने 3 बच्चे शबाना (10), साद (8) और 4 माह के इकरार को साथ लेकर घर में बने पानी के टैंक में कूदी। टैंक में डूबते वक्त सकूनत ने चिल्लाना शुरू कर दिया। आवास सुनकर पड़ोसी जब तक घर में पहुंचे, तब तक 3 बच्चों की मौत हो चुकी थी। महिला को बाहर निकालकर नल्हड़ के मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया।

चौथा बच्चा स्कूल गया हुआ था

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लिया। जांच अधिकारी सब इंस्पेक्टर भरत सिंह ने शुरुआती जांच में बताया कि महिला सकूनत घर पर बच्चों के साथ अकेली थी। उसका एक 12 वर्षीय लड़का शोएब स्कूल में पढ़ने के लिए गया था और उसके 3 बच्चे घर पर ही थे।

पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद सौंपे शव

जांच अधिकारी भरत सिंह ने बताया कि मंगलवार देर शाम तीनों बच्चों के शव पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिए गए। हालांकि अभी यह साफ नहीं हो पाया है कि महिला ने बच्चों के साथ खुदकुशी की कोशिश की या फिर किसी कारणवश हादसा हुआ। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पिता बोला- मंदबुद्धि थे 2 बच्चे

वहीं मृत बच्चों के पिता ने देर शाम पुलिस को शिकायत देकर कहा कि वह दिल्ली में मजदूरी के लिए गया था। 2 बच्चे शबाना (10) और मोहम्मद साद (8) मंदबुद्धि थे। दोनों बच्चे टैंक के समीप खेलते समय गिर गए। इसके बाद बच्चों की मां सकुनत ने अपना संतुलन खो दिया और गोद में लिए 4 माह के बच्चे इकरार को साथ लेकर दोनों बच्चों को बचाने के लिए टैंक में गिर पड़ी।

60 स्कूलों के एग्जाम फॉर्म होंगे स्वीकार

एचसी ने सरकार को दिए निर्देश; 13 दिसंबर तक मांगा जवाब, हरियाणा में 1338 अस्थायी स्कूल

चंडीगढ़, 23 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के 60 अस्थायी स्कूलों को पंजाब हरियाणा एचसी ने बड़ी राहत दी है। हाईकोर्ट ने हरियाणा सरकार को निर्देश को दिए हैं कि स्कूलों के छात्रों के एग्जाम फॉर्म स्वीकार किए जाएं। नामांकन पत्रों को भी शामिल किया जाएगा। मामले में हाईकोर्ट ने हरियाणा सरकार से 13 दिसंबर तक जवाब दाखिल करने को कहा है। जस्टिस सुधीर मित्तल की हाईकोर्ट की खंडपीठ ने सर्व हरियाणा प्राइवेट स्कूल ट्रस्ट की एक याचिका पर यह निर्देश जारी किए हैं।

28 अक्टूबर को दी गई चुनौती अधिवक्ता पंकज मैनी के अनुसार, ट्रस्ट ने 28 अक्टूबर को हरियाणा स्कूल शिक्षा बोर्ड, भिवानी के पत्र को चुनौती दी थी, जिसके अनुसार इन 60 स्कूलों को शैक्षणिक सत्र 2022-2023 के लिए ऑनलाइन परीक्षा जमा करने की अनुमति देने वाले स्कूलों की सूची में शामिल नहीं किया गया था। यह भी अनुरोध किया गया था कि स्कूलों को पूर्व में अनुमति के अनुसार अंतिम मान्यता के साथ जारी रखने की अनुमति दी जाए।

सरकार के पास 13 दिसंबर तक का समय

उच्च न्यायालय ने सुनवाई की अगली तारीख 13 दिसंबर तय करते हुए राज्य सरकार से जवाब मांगा और निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता सदस्य स्कूलों को नामांकन फॉर्म के साथ-साथ मौजूदा शैक्षणिक सत्र में प्रवेश लेने वाले छात्रों के परीक्षा फॉर्म अपलोड करने की अनुमति दी जाए। हरियाणा में 1338 अस्थायी स्कूल संचालित हो रहे हैं। इन स्कूलों में लगभग 60 हजार विद्यार्थी पढ़ रहे हैं। हाल ही में अस्थायी स्कूलों के यह छात्र बोर्ड का फॉर्म भरने से वंचित रह गए हैं। प्राइवेट स्कूल संघ हरियाणा के द्वारा 3200 अस्थायी स्कूलों में से सरकार के घोषणापत्र के वादे के अनुसार एकमुश्त स्थायी मान्यता दिए जाने की मांग की है।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 10 साल की सजा, 11 हजार रुपये जुर्माना

जबलपुर, 23 नवंबर (एजेंसियां)। जबलपुर हाई कोर्ट ने एक नाबालिग को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाकर गलत काम करने वाले आरोपी रिंकू उर्फ सुभाष चौधरी को पॉक्सो की विशेष न्यायाधीश बरखा दिनकर की अदालत ने दोषी करार देते हुए दस साल के कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने आरोपी पर 11 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। अदालत को अभियोजन पक्ष की ओर से बताया गया, 2 सितंबर 2019 को पीड़िता की मां ने घमापुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी नाबालिग बेटी बिना बताए घर से कहीं चली गई, जिसकी काफी खोजबीन की। लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल रहा है। उसे शंका है कि कोई उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। शिकायत पर पुलिस ने अपहरण का मामला दर्जकर मामले की छानबीन करते हुए पीड़िता को दस्तयाब किया। इसके बाद आरोपी रिंकू उर्फ सुभाष चौधरी के खिलाफ धारा-366 और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्जकर अदालत के समक्ष चालान पेश किया।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 24 नवंबर, 2022

पत्रकारिता पर पाबंदी

इसमें कोई संदेह नहीं कि यदि कोई मामला कोर्ट में चल रहा हो तो उससे जुडी खबरों का प्रकाशन एवं प्रसारण अत्यंत सावधानी से करने की जरूरत होती है। लेकिन अक्सर देखा जा रहा है कि कुछ मामलों में मीडिया अतिरिक्त दिलचस्पी दिखाते हुए अपनी समांतर अदालत लगाकर उस पर फैसला सुनाने जैसा प्रयास करने लगती है। इसमें कोई दो राय नहीं कि मीडिया की इस तरह की करतूत से जहां अदालती कार्यवाही बाधित होती है, वहीं बडी संख्या में जनमानस भी गुमराह होता है। इस तरह की प्रवृत्ति पर लंबे समय से आजिज आए लोग अंगुलियां उठाने लगे हैं। लेकिन इसका यह अर्थ यह भी कतई नहीं है कि मीडिया केवल प्रेस विज्ञप्तियों के आधार पर ही खबरें प्रकाशित-प्रसारित करे। विवादास्पद मामलों के तह तक जाने में तमाम पत्रकार दिन रात एक कर खबरों की तहकीकात करते हैं। देखा जाए तो एक पत्रकार का यही धर्म और कर्म भी है। खोजी पत्रकारिता की वजह से कई बार छिपाए जा रहे तथ्य उजागर होते हैं और अदालतों को असलियत तक पहुंचने में मदद भी मिलती है। मगर दिल्ली की बहुचर्चित आबकारी नीति घोटाले के मद्देनजर एक आरोपी की तरफ से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने आदेश दिया है कि मीडिया केवल सीबीआइ और प्रवर्तन निदेशालय द्वारा जारी विज्ञप्तियों के आधार पर ही खबरें बनाए। याचिकाकर्ता का कहना था कि जांच एजेंसियों द्वारा इस मामले से जुड़ी संवेदनशील सूचनाएं मीडिया को चोरी-छिपे उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे आरोपी के रूप में उसके अधिकार प्रभावित हो रहे हैं। बता दें कि दिल्ली सरकार की आबकारी नीति में हुए कथित घोटाले का मामला केंद्र और राज्य सरकार के बीच राजनीतिक खींचतान में उलझ गया है। इसलिए इसकी जांच पर भी कई बार अंगुली उठाई जाती रही है। आम आदमी पार्टी को लगता है कि जांच एजेंसियां केंद्र सरकार के इशारे पर काम कर उसे बदनाम करने की कोशिश कर रही हैं। जबकि अपनी राजनीतिक पक्षधरता की वजह से कोई आरोप लगाए तो उसे कितनी गंभीरता से लिया जाना चाहिए, यह अदालतों से बढ़िया भला कौन जानता है? यह तो सभी जानते हैं कि जब भी कोई विभाग प्रेस विज्ञप्ति जारी करता है, उसकी जवाबदेही भी उस पर ही होती है, जबकि चोरी-छिपे या किसी बुरे इरादे से मीडिया को सूचनाएं प्लांट कराई जाती हैं, तो उसकी कोई जिम्मेदारी नहीं होती। ऐसे में सरकारी सूत्रों के हवाले से कुछ पत्रकार जरूर सनसनीखेज सूचनाएं प्रसारित कर इतराते हुए आसानी से देखे जा सकते हैं। विचित्र किन्तु सत्य यह भी है कि ऐसे लोगों के खिलाफ निगरानी रखने वाले संगठन भी कोई कड़ा कदम उठाने से हिचकिचाते हैं। ताजा मामले में इसके लिए दिल्ली उच्च न्यायालय ने न्यूज ब्राडकास्टिंग एंड डिजिटल स्टैंडर्ड्स अथारिटी यानी एनबीडीए को भी फटकार लगाई है। इस तरह अब मीडिया केवल वही खबरें छापने या दिखाने को बाध्य है, जो जांच एजेंसियां प्रेस विज्ञप्ति के जरिए उपलब्ध कराएंगी। ऐसे में सवाल स्वाभाविक है कि इस आदेश के बाद मीडिया की खोजी पत्रकारिता की स्वतंत्रता का क्या होगा? क्या इससे यह संदेश नहीं जाता कि अब मीडिया केवल प्रेस विज्ञप्तियों के आधार पर ही पत्रकारिता करे? इससे होगा यह कि आरोपियों ने जो तथ्य छिपा रखे हैं उन्हें उजागर करने की जिम्मेदारी मीडिया निभा ही नहीं पाएगा! माना कि खोजी पत्रकारिता के नाम पर मीडिया को किसी का मान-मर्दन करने का अधिकार नहीं मिल जाता, लेकिन पहले से ही कोई आरोपी यह कैसे तय कर सकता है कि उसके खिलाफ मीडिया गलत इरादे से छानबीन कर रहा है। बीते सालों में ऐसे अनेक उदाहरण मिलेंगे, जब सबूतों से खिलवाड और गवाहों को अपने पक्ष में करके मामलों को हल्का करने का प्रयास किया गया, लेकिन समय रहते मीडिया ने ही हकीकत उजागर कर दूध का दूध और पानी का पानी किया और उसके आधार पर अदालतें सही निर्णय तक पहुंच सकीं। इसलिए जरूरी है कि मीडिया को केवल प्रेस विज्ञप्ति की पत्रकारिता करने के लिए बाध्य किया गया तो कई फैसले प्रभावित भी होने की गुंजाइश बन सकती है।

सबकी पहुँच में हो न्याय

डॉ. शंकर सुवन सिंह

सामाजिक व्यवस्था का नियंत्रण कानून के द्वारा ही संभव है। क़ानून का उद्देश्य प्रत्येक पीड़ित तक न्याय को पहुँचाना है। न्याय के बिना कानून की कल्पना करना व्यर्थ है। न्याय को अंग्रेजी में जस्टिस कहते है।जस्टिस शब्द लैटिन भाषा के जस से बना है, जिसका अर्थ है- बाँधना या जोड़ना। न्याय और व्यवस्था एक दूसरे के पूरक हैं। बिना न्याय के किसी भी व्यवस्था का संचालन असंभव है। न्याय का व्यवस्था से स्वाभाविक सम्बन्ध है। न्यायिक व्यवस्था समुदायों और समूहों को एक सूत्र में बाँधती है। मेरियम के अनुसार, न्याय उन मान्यताओं तथा प्रक्रियाओं का

योग है जिनके माध्यम से प्रत्येक व्यक्ति को वे सभी अधिकार तथा सुविधाएँ प्राप्त होती हैं जिन्हें समाज उचित मानता है।

न्याय, पीड़ित व्यक्ति को बल प्रदान करता है। पीड़ित व्यक्ति न्याय व्यवस्था का लाभ लेने के लिए दर दर की ठोकरें खाता है। न्यायिक प्रक्रिया सुगम और सरल होनी चाहिए। न्यायिक अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वो न्याय को सुगम और सरल बनाएं। जिस जिले में न्यायिक अधिकारी कर्मठता और ईमानदारी से कार्य करते हैं उस जिले का प्रशासन सही चलता है।

सरकारी आँकड़ों के अनुसार, न्यायालयों में न्यायधीशों की कमी के कारण ज़िला एवं सत्र न्यायालय में लगभग तीन करोड़ मुकदमे लंबित हैं। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार देश में प्रति 10 लाख लोगों पर केवल 18 न्यायाधीश हैं। विधि आयोग की एक रिपोर्ट में सिफारिश की गई थी कि प्रति 10 लाख जनसंख्या पर न्यायाधीशों की संख्या तकरीबन 50 होनी चाहिये। इस स्थिति तक पहुँचने के लिये पदों की संख्या बढ़ाकर तीन गुना करनी होगी।

भारत में न्यायिक व्यवस्था से जुड़ी एक मुख्य समस्या पारदर्शिता की कमी है। भारत के संविधान में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रावधान है, जिसमें जानने का अधिकार भी शामिल है। न्यायपालिका स्वतंत्र है। न्यायाधीशों का न्याय में पारदर्शिता का होना न्यायपालिका को मजबूती

प्रदान करता है। संवैधानिक प्रक्रिया के तहत न्यायधीशों के पास असीम शक्ति होती है। कार्यपालिका और विधायिका को संचालित करने में न्यायाधीशों की अहम् भूमिका होती है। न्यायाधीश को उसके पद से हटाने का एक मात्र उपाय सिर्फ महाभियोग ही होता है।

न्यायालयों में मामलों का लंबित होना अन्याय को जन्म देता है। पीड़ितों के मामले में कुछ ऐसे संदर्भ भी रहे हैं जब आरोपी को दोषी ठहराए जाने में 30 वर्ष तक का समय लगा, हालाँकि तब तक आरोपी की मृत्यु हो चुकी होती है। भारत की जेलों में बहुत बड़ी संख्या में ऐसे विचाराधीन कैदी बंद है, जिनके मामले में अब तक निर्णय नहीं दिया जा सका है। कई बार ऐसी स्थिति भी आती है जब कैदी अपने आरोपों के दंड से अधिक समय कैद में बिता देते है। साथ ही इतने वर्ष जेल में रहने के पश्चात उसे न्यायालय से आरोप मुक्त कर दिया जाता है।

प्रदूषण से मुक्ति का हक मांगती दुनिया

जर्मनी ने जोखिम वाले अट्ठावन देशों में जी-20 समूह के तौर पर इसीलिए पर्यावरण प्रदूषण से जूझने के लिए एक वैश्विक कवच की शुरुआत की थी। इसके लिए बीमा और आपदा सुरक्षा वित्त को मजबूत करने पर जोर दिया गया था। मगर इस दिशा में कदम बढ़ते नजर नहीं आ रहे। इस साल जलवायु परिवर्तन का सत्ताईसवां शिखर सम्मेलन मिस्र में हुआ।

इस बार उठे सवालों में कुछ और तीखापन था। विकासशील और गरीब देश अपने ऊपर पर्यावरण प्रदूषण के कारण जो आपात घट रहा है, उसका हर्जाना मांग रहे थे। पर्यावरण कोष बनाने पर सहमति भी बनी। पर्यावरण प्रदूषण ने जलवायु में असाधारण परिवर्तन कर दिए हैं। धारासार बारिश और सूखे की स्थिति एक साथ, एक ही देश के दो हिस्सों में पैदा हो जाती है। बरसात की जगह बादल फटने लगते हैं और भारत जैसे देशों में खेती, जो पहले ही मानसून का जुआ कहलाती थी, और भी अनिश्चित हो गई है।

देश में बीता वर्ष साक्षी है कि इस बार जलवायु में जो असाधारण परिवर्तन हुए, जैसे सावन की विदाई के बावजूद अक्तूबर में धारासार बारिश लौट आई और धान की पैदावार को कम कर दिया, किसानों की जिंदगी बिगाड़ दी। लगता है, अगर पर्यावरण प्रदूषण और ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को खत्म न किया जा सका तो इस सदी के आखिर में यह धरती धधकने लगेगी। इस पर रहना मुश्किल हो जाएगा।

इस नरक से बचने का एक ही समाधान है कि इस दुनिया के सभी देश, वे महाशक्तियां, जिन्होंने ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन किया और अब उसका सामना करने के दायित्व से मुक्त हो जाना चाहती हैं और विकासशील देश, जो आर्थिक असमर्थता के बावजूद इस स्थिति को सहन करने की स्थिति में नहीं हैं, संयुक्त रूप से आगे बढ़ कर अपने सीमित आर्थिक संसाधनों को जोड़ कर इस पर्यावरण प्रदूषण की बढ़ती विकरालता को कम करें।

पिछले दिनों पर्यावरण प्रदूषण की वजह से हर साल की तरह दिल्ली की जिंदगी रुक गई। स्कूल बंद हो गए। धुंध का प्रसार दिल्ली ही नहीं, पूरे उत्तर भारत में फैल गया। लोगों का दम इस प्रकार घुटने लगा कि सुबह की सैर भी गुनाह लगने लगी। ऐसी हालत में इस आसन्न आपात मृत्यु से बचने के लिए एक ही रास्ता रह जाता है कि बिना कोई राजनीति किए, अपना दायित्व दूसरे पर धकेलने की चेष्टा किए बगैर पर्यावरण प्रदूषण का मुकाबला किया जाए, नहीं तो जैसा कि संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने जलवायु परिवर्तन शिखर सम्मेलन में चेतावनी दी है, हम नरक के हाईवे पर बढ़ रहे हैं।

भारत सहित सभी देश इसको खत्म करने के लिए सहयोग करें या मरें।

दुनिया में सबसे ज्यादा प्रदूषण फैलाने वाले चीन और अमेरिका से भी कहा जा रहा है कि वे कार्बन उत्सर्जन में कमी लाएं और सबके साथ मिलकर मानवता को नष्ट होने से बचाएं। भारत में पर्यावरण प्रदूषण ने ऐसे गुल खिलाए हैं कि हमारी फसलों की गुणवत्ता कम हो रही है।

इस साल के शुरू में जब गेहूं पका तो असाधारण, अकल्पनीय जलवायु परिवर्तन ने दाने को इस प्रकार जीरे के दाने जितना कम कर दिया कि उसकी नियमित खरीद ही संकट में पड़ गई।

जब धान कट रहा था, तो उसमें भी धारासार बारिश से असाधारण नमी पैदा होने लगी, जो उसकी गुणवत्ता को कम घोषित करके उसकी नियमित खरीद संकट में डालेगी। यह वह चुनौती है जिसका सामना करने का भारत सरकार ने पूरा मन बना लिया है। इसके लिए वह अपने सीमित साधनों के साथ जल्दी से जल्दी ग्रीन हाऊस गैसों के उत्सर्जन से लेकर पर्यावरण प्रदूषण के शून्य स्तर तक पहुंच जाना चाहती है।

गौरतलब है कि दुनिया में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन से धरती को धधका कर तबाही की तरफ ले जाने वाले देशों की सूची में सबसे ऊपर चीन है, जो पंद्रह गीगाटन का उत्सर्जन करता है।

चीन अकेला भारत, अमेरिका और यूरोपीय संघ के सताईस देशों से ज्यादा उत्सर्जन करता है। इसलिए चीन क्या धरती को एक धधकते हुए नरक की ओर ले जाने का खलनायक भी बनेगा? भारत भी बेगुनाह नहीं, वह साढ़े तीन गीगाटन गैस उत्सर्जन करता है और तीसरे स्थान पर है।

चाहे भारत के बचाव में कहा जा सकता है कि हमारा देश आबादी अधिक होने से प्रति व्यक्ति केवल 2.4 टन उत्सर्जन करता है, जबकि दुनिया का औसत उत्सर्जन 6.3 टन प्रति व्यक्ति है। अमेरिका भी बड़ा गुनहगार है, क्योंकि वहां पंद्रह टन प्रति व्यक्ति औसत उत्सर्जन होता है, जो दुनिया में सबसे अधिक है। इसके बाद चीन और रूस आते हैं।

तो क्या इन बड़े देशों पर यह दायित्व नहीं कि वे इस गैस उत्सर्जन को शून्य तक लेकर आएं?

संकट कम नहीं है। यूएनईपी की गैस उत्सर्जन रिपोर्ट बताती है कि अगर ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन यों ही होता रहा तो इस सदी के आखिरी साल या 2100 में धरती का तापमान 2.8 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ जाएगा, जबकि यह 1.50 डिग्री से ज्यादा नहीं बढ़ना चाहिए, नहीं तो यह धरती रहने के काबिल नहीं रह जाएगी।

इस समय भी जो जलवायु का स्तर हमारे सामने है, उसने इस तरह के अनिश्चित परिवर्तन कर दिए हैं कि आम लोगों का जीना दूभर हो गया है। गर्मी के दिनों में भयानक सर्दी पड़ती है।

सर्दी के दिनों में गर्मी हो जाती है। बारिश के दिनों में बारिश नहीं होती और जब बारिश का मौसम बीतता है तो धारासार बारिश होती है। कैसे रोकेंगे इसे?

बड़े देशों ने वादा किया था कि जलवायु परिवर्तन रोकने के लिए वे सौ अरब डालर का कोष बनाएंगे, लेकिन इस वादे को दस साल हो गए, पूरा नहीं हुआ। जर्मनी ने जोखिम वाले अट्ठावन देशों में जी-20 समूह के तौर पर इसीलिए पर्यावरण प्रदूषण से जूझने के लिए एक वैश्विक कवच की शुरुआत की थी। इसके लिए बीमा और आपदा सुरक्षा वित्त को मजबूत करने पर जोर दिया गया था। मगर इस दिशा में कदम बढ़ते नजर नहीं आ रहे।

इसके साथ ही एक और बहस चल रही है कि कच्चे तेल का उत्पादन, जिसे जीवाश्म ऱ्इंधन कहा जाता है, की अप्रसार संधि भी कर दी जाए, लेकिन वैकल्पिक ऊर्जा के उत्पादन और आपूर्ति में विफल रहने वाली यह दुनिया और उसमें सबसे आगे भारत, जो पचासी फीसद कच्चे तेल का आयात स्वयं करता है, इस संधि के लिए कैसे सहमत हो सकता है? तो पर्यावरण प्रदूषण से बचने का मार्ग यही है कि 2040 तक हर हाल में कोयले का इस्तेमाल खत्म कर दिया जाए।

अगर इस सम्मेलन से उठती पर्यावरण प्रदूषण को खत्म करने की आवाज नाकाम रह जाती है और वैश्विक कवच सामने नहीं आएगा, तो जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण प्रदूषण से पैदा होने वाले नरक से बचा नहीं जा सकेगा।

यह संभावना परेशान करती है। इस प्रदूषण ने तो जरूरत से ज्यादा धधकती हुई धरती और अनिश्चित जलवायु परिवर्तन के साथ ऐसी घुटन, धुंध और अस्वस्थ जलवायु परिवर्तन पैदा कर दिया है कि भारत में औसत आयु बढ़ने के बजाय घट रही है। जो नौनिहाल हमारी धरती पर जन्म ले रहे हैं, वे कुपोषित और नाटे हैं। इसीलिए आने वाली बीमारियों का सही ढंग से मुकाबला नहीं कर पाते।

अगर पर्यावरण प्रदूषण जलवायु में इसी प्रकार अनिश्चित और प्रलयंकर परिवर्तन लाता रहेगा, तो बाद में जीवन का कोई अर्थ नहीं रहेगा। प्रेम गीतों का कोई अर्थ नहीं रहेगा। जिंदगी से रोमांस गायब हो जाएगा। उसकी जगह चली आएगी एक अजब धुकधुकी, जो किसी भी समय इस अप्रत्याशित मौत से सहमी रहेगी। इस सहम से बचने के लिए जिंदगी को सहज ढंग से जीने के लिए आवश्यक है कि पर्यावरण प्रदूषण से जूझने की इस चुनौती का मुकाबला दृढ़ता के साथ किया जाए।

प्यार खतरनाक क्यों होता जा रहा है?

स्नेहा सिंह

अभी जल्दी हत्या की जो घटनाएं घटी हैं, उनमें दिल्ली में आफताब नाम के व्यक्ति ने अपनी लिव इन पार्टनर की हत्या कर दी है, तो थाणे के एक रिसोर्ट में भी एक आदमी ने अपनी प्रेमिका को मार डाला है। सुन कर कंपकंपी छूट जाए इस तरह लोगों ने अपने प्रेमीजनों की हत्या की है। यह कैसा गुस्सा, यह कैसा जुनून, यह कैसी नफरत कि आगे-पीछे का सोचे बगैर अपने ही प्यार को बड़ी बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया गया। आजकल अखबारों में आ रहे प्रेम प्रकरण के बाद हत्या के मामलों में क्या सचमुच दो पात्रों के बीच प्यार होता है? यह सवाल जरूर मन में उठता होगा। लेकिन अगर सचमुच में प्यार होता है तो वह अचानक गायब कैसे हो जाता है और लोग क्यों इस तरह की निष्ठुरता पर उतर आते हैं? सच बात तो यह है कि आज के समय में लोग शारीरिक आकर्षण को प्यार का नाम दे कर किसी भी तरह का कमिटमेंट दिए बगैर नजदीक आ जाते हैं। हर तरह के संबंध के बाद दो में से कोई एक व्यक्ति जब कमिटमेंट की मांग करता है, तब समस्याएं खड़ी होने लगती हैं। शुरूआत में तो सब कुछ अच्छा लगता है, पर जैसे-जैसे समय बीतता है और संबंध पुराने होते हैं तो दो में से एक व्यक्ति कमिटमेंट की बात करता है तो सामने वाला व्यक्ति उससे बचने के लिए ऐसा कृत्य कर बैठता है। यहां मेच्योरिटी का अभाव, विकृत स्वभाव, गुस्सा और ऐसी तमाम बातें एक साथ काम करने लगती हैं।

शारीरिक आकर्षण को प्यार का नाम न दें

हम सब की सब से बड़ी समस्या यह है कि हम सभी शारीरिक आकर्षण को प्यार मानने की भूल कर बैठते हैं। शुरूआत में किसी व्यक्ति से मिलना होते और वह अच्छा लगने लगता है तो उसे इम्प्रेस करने की कोशिश शुरू हो जाती है। इम्प्रेस होने के बाद सब से बड़ा गोल शारीरिक निकटता पाने की होती है। जब तक शारीरिक निकटता नहीं मिलती, तब तक सामने वाले पात्र को मनाने, इम्प्रेस करने के लिए व्यक्ति खुद कुछ भी नहीं है इस तरह का व्यवहार करने में भी नहीं हिचकता। सामने वाले पात्र की मनपसंद की हर चीज करने वाला व्यक्ति शारीरिक सुख मिलने के बाद धीरे-धीरे उसका व्यवहार बदलने लगता है। अब उसे सामने वाले व्यक्ति में कमियां दिखाई देने लग जाती हैं। इस तरह के संबंधों में खरी समस्या शारीरिक निकटता मिलने के बाद ही शुरू होती हैं। इसलिए अगर आप को किसी को देख कर आकर्षण का अनुभव होता है तो उसे प्यार का नाम न दें। किसी भी संबंध को शुरू करने के पहले पूरा समय लें। अगर आप को किसी भी पात्र से सचमुच लगाव है और सामने वाले पात्र की ओर से भी सचमुच लगाव का अनुभव हो रहा है, तभी संबंध शुरू करना चाहिए और आगे बढ़ना चाहिए।

जहां प्यार होगा, वहां हिंसा नहीं होगी

सब से बड़ी बात यह है कि आप जिस व्यक्ति से सच्चा प्यार करते हैं, उसे जरा भी तकलीफ होगी तो आप को उससे ज्यादा तकलीफ महसूस होगी। आप जिसे प्यार करते हैं, उसे तिनका भर भी आंच नहीं आने पाए इस बात का ध्यान रखेंगे और यह बात आप के व्यवहार में हमेशा झलकती रहेगी। अगर ऐसे संबंध में हिंसा होती है तो समझ लीजिए निश्चित प्यार का अभाव है। क्योंकि जहां प्यार होगा, वहां हिंसा बिलकुल नहीं होगी। भले ही दोनों व्यक्ति के बीच किसी बात को ले कर अनबन हो, झगड़ा हो, पर हर झगड़े के अंत में सुलह हो जाती है। अगर सुलह न हो और बात हिंसा तक पहुंचे तो समझ लीजिए कि आप के संबंध में सामने लालबत्ती आ गई है। आगे चल कर किसी तरह की बड़ी समस्या खड़ी हो, उसके पहले ही इस मामले में चेत जाना बहुत जरूरी है।

लिव इन

आज लोग लिव इन को प्रधानता देने लगे हैं। एक-दूसरे को अच्छा लगने लगे तो दूसरे शहर में जा कर एक-दूसरे के साथ रहने लगते हैं। जब एक-दूसरे के साथ रहने की शुरुआत होती है, तब तो उत्तेजना, थ्रिल, रोमांस से ले कर तमाम तरह के लगाव की कोंपले मन में फूटती हैं, इसलिए ज्यादातर शुरू-शुरू में सब कुछ बहुत अच्छा लगता है, पर जैसे-जैसे समय बीतता है, लोगों को एक-दूसरे के असली स्वभाव का पता चलता है। लिव इन में रह कर पति-पत्नी की मुहर लगे बगैर कपल ऐसे सभी काम करते हैं, जो पति-पत्नी करते हैं। इस तरह के समय में दो में से एक को यह उम्मीद हो जाती है कि जिसके साथ इतना समय एक ही छत के नीचे गुजारा है, उसी के साथ ब्याह होगा। पर भूलचूक से दूसरा पात्र ऐसा नहीं सोचता है तो कुछ समय बाद लिव इन पार्टनर से किसी कारणवश अलग होने का मन हो तब संबंध में समस्या शुरू होती है। बात ऐसी है कि लिव इन में अलग होने के चांस अधिक रहते हैं। किसी शर्त के बगैर साथ रहने वाले लोग अलग होने के लिए स्वतंत्र हैं। वे कभी भी अलग होने का निर्णय ले सकते हैं। पर दो में से एक पात्र भावनात्मक रूप से जुड़ा गया हो तो इस मामले में वह दुखी हो जाता है। एक का दुख दूसरे के लिए समस्या बनता है और दूसरे की निष्ठुरता दूसरे प्यार करने वाले व्यक्ति के लिए दुखी होने का सब से बड़ा कारण बन जाती है। आज का युवा लिव इन के फायदे गिनाते थकता नहीं है। कुछ हद तक यह अच्छी होगी, पर इसके लिए आप को मेच्योर होना चाहिए। अगर आप के अंदर मेच्योरिटी का अभाव होगा तो आगे चल कर आप के लिए यह निर्णय भारी पड़ सकता है।

मेच्योरिटी का अभाव और गुस्सा

आज के युवाओं में पर्याप्त मेच्योरिटी नहीं होती। एक तो सोशल मीडिया में, मोबाइल, टीवी जैसे माध्यमों में जितना नहीं देखना चाहिए, उतना देख जाते हैं कि कभी-कभार दिमाग ऐसे विचारों के लिए चढ़ जाता है। मेच्योरिटी के अभाव भी व्यक्ति के अंदर हिंसक मानसिकता ला सकता है। इसलिए किसी भी चीज के लिए शांत मन से, आगे-पीछे का सोच कर ही आगे बढ़ना चाहिए। एकदम अंधानुकरण करने के बजाय दिमाग को थोड़ा शांत रख कर चलना चाहिए। जहां तक हो सके अच्छे विचार करना, अच्छा पढ़ना, अच्छा ग्रहण करना, मेडिटेशन करना, दूसरे की तकलीफों के बारे में समझना, ऐसा सब करने से मन हिंसक प्रवृत्ति की ओर कम जाता है और इससे मेच्योरिटी भी आती है।

वैश्विक शांति खतरे में

संजीव ठाकुर

अभी फिर वर्तमान में अमेरिका और ब्रिटेन यूक्रेन को बड़ी मदद करने को तैयार हो गए हैं। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक यूक्रेन के यात्रा के दौरान कई लाखों पाउंड और हथियारों की मदद का वादा कर आए हैं. जाहिर तौर पर यूक्रेन का हौसला काफी बढ़ा हुआ है हालाकी यूक्रेन ने रूस के साथ युद्ध में भारी तबाही का सामना करना पड़ा है नुकसान दोनों देशों को बहुत हुआ है वैसे भी युद्ध में कुछ हासिल होता नहीं है पर युद्ध रोकने के बदले अमेरिका ब्रिटेन और यूरोपीय देश अभी भी यूक्रेन को उकसाने में लगे हुए जो विश्व शांति के लिए बहुत बड़ा खतरा साबित हो सकता है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन कभी भी अपनी सनक में परमाणु बम का इस्तेमाल कर पूरी मानव जाति को खतरे में डाल सकते हैं,ऐसे में भारत ही एक ऐसा देश है जो युद्ध रोकने के लिए दोनों देशों की मदद कर सकता है।

रूस, यूक्रेन युद्ध तात्कालिक कारणों से नहीं हो रहा है, इसके पीछे अमेरिका की षड्यंत्र वादी नीतियों की कई साजिशें अंतर्निहित हैं। अमेरिका सदैव रूस को वैश्विक जन मंच पर नीचा दिखाना चाहता रहा है। जिस तरह पूर्व में सोवियत सोशलिस्ट रिपब्लिक रूस(यू.एस.एस.आर) के उसने कई टुकड़े करवाएं थे, उसी मंसूबों को लेकर आगे बढ़ते हुए उसने लगभग 26 स्थानों पर जैविक बम बनाने के केंद्र अलग-अलग देशों में स्थापित कर रखे हैं, ताकि जब भी मौका लगे अमेरिका उस देश से दुश्मन देशों पर जैविक हथियारों से हमला कर उनकी स्थिति कमजोर कर अपनी नीतियों का गुलाम बना सके। यूक्रेन में भी तीन महत्वपूर्ण स्थानों में अमेरिका जैविक हथियार बनाने के केंद्र चला रहा था। निश्चित तौर पर रुस को इसकी जानकारी लग चुकी थी। इन जैविक हथियारों का प्रयोग यूक्रेन में रखने का अमेरिकी मकसद सिर्फ और सिर्फ यही था कि इन हथियारों का प्रयोग या तो वह बेलारूस अथवा रूस पर करना चाह था। रूस अमेरिका के इस षड्यंत्र को अच्छे से समझ चुका था। दूसरी तरफ यूक्रेन को अमेरिका तथा यूरोपीय संगठन और नैटो की दोस्ती पर अंधा भरोसा था।वह रूस की चेतावनी को लगातार अनसुनी कर नैटो देशों सदस्य बनने का मैराथन प्रयास कर रहा था। रूस को यूक्रेन तथा यूक्रेन में रहने वाले पूर्व रूसी नागरिकों की यह हरकत नागवार गुजरी। रूस पिछले कई वर्षों से यूक्रेन को यूरोपीय देशों तथा नेताओं से संपर्क न रखने के लिए तथा अमेरिकी नियंत्रण को यूक्रेन से हटाने के लिए यूक्रेन के हुक्मरानों को चेतावनी देता रहा है। पर व्लादीमीर जेलेंस्की के राष्ट्रपति बनने के बाद यूक्रेन की रूस विरोधी हरकतें तथा प्रतिक्रिया तेज होकर अमेरिकी समर्थन में ज्यादा होने लगी। अमेरिका रूस पर दबाव डालने के लिए यूक्रेन को अपना सामरिक अड्डा बनाने के षड्यंत्र के तहत यूक्रेन की लगातार आर्थिक सामरिक मदद कर रहा था। जाहिर तौर पर रूस अमेरिका की हरकत को पिछले कई वर्षों से पैनी नजर रख यह अनुभव कर रहा था कि अमेरिका के रूस के प्रति इरादे ठीक नहीं हैं। रूस ने पिछले कई वर्षों से यूक्रेन को संभलने तथा अमेरिका से अलग होने की समझाइश भी दी थी। जेलेंस्की ने रूस में रूसी भाषा पर प्रतिबंध लगाकर रूस को और क्रोधित कर अपना घोर विरोधी बना लिया था। जिसकी परिणति आज यूक्रेन बहुत बुरी तरह से भुगत रहा है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपने राष्ट्र के विभाजन का दर्दनाक स्वरूप देखा था ।वह अब रूस को फिर से उसी रूप में संयुक्त करना चाहता है ।रूस ने सदैव यूक्रेन को नाटो देशों का सदस्य न बनने देने पर अपने वीटो पावर का इस्तेमाल किया। दूसरी वजह यह भी थी कि यूक्रेन से होकर जर्मनी तक रूस की गैस तथा तेल की पाइप लाइन बनाकर वह यूरोपीय देशों को कच्चा तेल तथा गैस सप्लाई बड़े आर्थिक आधार पर कर रहा था। तीसरी वजह रूस यूक्रेन युद्ध की यह रही कि रूस ने सदैव यूक्रेन को चेतावनी दी थी कि अमेरिका को यूक्रेन में सामरिक महत्व का अड्डा ना बनाने दिया जाए जाहिर तौर पर यूक्रेन के सारे प्रशासन पर अमेरिका के इशारे पर गतिविधियां निर्धारित की जाती रही हैं। इससे रूस को अपने अस्तित्व पर खतरा नजर आने लगा।

इसके अलावा बाहुबली रूस यूक्रेन को सबक सिखाने के साथ यूरोपीय देशों तथा अमेरिका को भी सबक सिखाना चाहता है। 20 दिनों के यूक्रेन से युद्ध में रूस ने अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा एवं अन्य यूरोपीय देशों को यह बहुत बेहतर तरीके से समझा दिया है कि रूस अभी भी सुपर पावर है एवं आर्थिक प्रतिबंधों से उस पर कोई तात्कालिक प्रभाव नहीं पड़ने वाला है। पर यह तो निश्चित हो गया की यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की की सारी भ्रांतियां, भ्रम एवं मुगालता इस युद्ध की विभीषिका और बड़े आर्थिक नुकसान से दूर हो गया कि मौका पड़ने पर रूस और नैटो देश के साथ अन्य यूरोपीय देश उसको खुल कर सैन्य मदद करेंगे पर ऐसा कुछ हुआ नहीं।

एडमिनों की डिक्टेटरशिप

डॉ. सुरेश कुमार

गौतम बुद्ध को पीपल के नीचे तो कुछ लोगों को देसी शराब की भट्टी, पान की दुकान, चाय के बहाने लंबी-लंबी फेंकने वालो की चौपालों पर बैठे-बिठाए लोकल से लेकर ग्लोबल तक का ठन-ठन गोपाल वाला ज्ञान प्राप्त हो जाता है। इसी ज्ञान के सहारे वे गीदड़ों, कौओं, गधों के सरदार बन वाट्सप, टेलिग्राम, इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया का संचालन करते हैं। उनके अधकचरे ज्ञान को न मानने वाले अडियल बुद्धिजीवियों को समूह के सदस्यों द्वारा धोबी पछाड़ के मानिंद बड़ी तबियत से धोया जाता है। ऐसे ही किसी समूह का मैं भी सदस्य हुआ करता था। बाद में समूह के एडमिन उर्फ कॉपी, पेस्ट, फॉरवर्ड के सुल्तान के चेले-चपाटों ने तबियत से हमारी क्लास ली। या यूँ कहिए 'बिन मिले हम धुले' की स्कीम का पूरा-पूरा मजा चखाया। हुआ यूँ कि एक दिन हम पान खाने वालों पर कमेंटिया गए। हमें क्या पता समूह में एक से एक पहुँचे हुए पान खवक्कड़ थे। कहते हैं न कुछ बातें अनुभव से सीखी जाती हैं। आज मैं भी इस अनुभव की पाठशाला का छात्र बनने जा रहा था। बात पान गली से शुरु होकर तंबाकू मोहल्ला, चरस कॉलोनी, गांजा गंज, मधुशाला मार्केट तक पहुँच गयी। उस दिन हमने पहली बार जाना कि राई का पहाड़ कैसे बनाते हैं। हमने पान के बारे में कुछ जानकारी वीकिपीडिया से तो कुछ अपने शोध संदर्भों से इकट्ठा कर भानुमति का कुनबा जोड़ने का प्रयास किया। हमें क्या पता था कि समूह में सब के सब सुधीर चौधरी बने हमारा डिएनए-डिएनए खेलेंगे। समूह के एक सदस्य ने वेद, पुराण, उपनिषद, ब्राह्मण ग्रंथ खंगालकर ऐसे-ऐसे उद्धरण रख डाले जिससे यह स्पष्ट होता था कि नशा करने वाला सही बाकी सब गलत है। शिव जी की भांग, अप्सराओं का सुरा बिंदु छिड़काव इसी तथ्य को प्रमाणित कर रहे थे। एक सदस्य ने कहा पान का तंबाकू के बिना कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने इसकी एक लंबी फेहरिस्त हमारे मुँह पर मारते हुए बोले - तंबाकू जब तक पान के साथ है तब तक समाज धुआँ मुक्त रह सकता है। ठीक उसी तरह जब तक तुम हमारी हाँ में हाँ मिलाए मिमियाओगे तब तक तुम्हारी खैर है। वरना पान मसाला, तंबाकू, सुपारी और बुझे हुए चूने का मिश्रण, मैनपुरी तंबाकू, मावा, तंबाकू और बुझा हुआ चूना, चबाने योग्य तंबाकू, सनस, मिश्री, गुल, बज्जर, गुढ़ाकू, क्रीमदार तंबाकू पाउडर, तंबाकू युक्त पानी की तरह खैनी बना दिए जाओगे।

वह कहते हैं न जब गीदड़ की मौत आती है तो वह शहर की ओर दौड़ता है। मेरी हालत भी यही थी। मैंने नासमझी में उन्हें जलाने वाली बात कह दी। चीज़ें चलकर राख होती हैं लेकिन इंसान जलकर अहंकारी हो जाता है। उन्होंने कहा - तुम अपने आपको बड़ा बुद्धिजीवी मानते हो। तुम्हारे जैसे बुद्धिजीवी टैक्स की चोरी कर देश का भट्टा लगाने में तुले हैं। वह तो हम हैं जो बीड़ी, सिगरेट, सिगार, चुट्टा, धुमटी, पाइप, हुकली, चिलम, हुक्क़ा पी-पीकर देश की आर्थिक व्यवस्था सुधारते हैं।

समुद्र मंथन से निकलीं ये 5 चीजें घर में रखने से हो जाएंगे अमीर

विष्णु पुराण के अनुसार, एक बार महर्षि दुर्वासा के श्राप से स्वर्ग में धन, ऐश्वर्य और वैभव खत्म हो गया। वहीं इस समस्या के समाधान के लिए सभी देवी-देवता भगवान विष्णु के पास पहुंचे। उस दौरान विष्णु जी ने देवों और असुरों के बीच समुद्र मंथन कराने का उपाय बताया। जी हाँ और इसके बाद समुद्र मंथन से 14 बहुमूल्य रत्न निकले। कहते हैं इन रत्नों के स्वरूपों को अगर घर लाकर रख लिया जाए तो स्वर्ग की तरह घर में भी धन, ऐश्वर्य और वैभव की कमी नहीं रहती है। आज हम आपको इन्ही 5 रत्नों के बारे में बताने जा रहे हैं।

ऐरावत हाथी- हाथियों में श्रेष्ठ एरावत हाथी समुद्र मंथन से निकला था। जी हाँ और कहा जाता है एरावत हाथी सफेद रंग का था, जिसमें उड़ान भरने की शक्ति थी। वहीं इंद्र देव ने इस हाथी को अपना वाहन बना लिया था। आपको बता दें कि वास्तु के अनुसार, घर में क्रिस्टल या सफेद पत्थर का हाथी रखने से सुख, समृद्धि का वास होता है।

पांचजन्य शंख- समुद्र मंथन के 14 रत्नों में से एक पांचजन्य शंख भी है। यह बहुमूल्य शंख भगवान विष्णु ने अपने पास रख लिया था। जी हाँ और आपको उनकी हर तस्वीर में ये शंख आसानी से दिख जाएगा। ऐसे में इस शंख को घर के मंदिर में रखना बहुत शुभ माना जाता है।

उच्चैःश्रवा घोड़ा- आकाश में उड़ान भरने वाला सफेद रंग का उच्चैःश्रवा घोड़ा भी समुद्र मंथन से निकला था। कहते हैं यह घोड़ा असुरों के राजा बलि को मिला था और घर में सफेद घोड़े की प्रतिमा या तस्वीर लगाने से नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश नहीं होता है।

पारिजात के फूल- हिंदू धर्म में पारिजात के वृक्ष का विशेष महत्व बताया गया है। पारिजात का वृक्ष भी समुद्र मंथन से ही बाहर निकला था और घर के मंदिर में भगवान के समक्ष पारिजात के फूल चढ़ाना बहुत शुभ होता है। कहते हैं घर में बिखरी पारिजात की खुशबू उन्नति और संपन्नता के द्वार खोलती है।

अमृत कलश- समुद्र मंथन में सबसे आखिर में अमृत कलश बाहर आया था। जी हाँ और यह कलश भगवान धन्वंतरि लेकर समुद्र से निकले थे। कहा जाता है देवताओं और असुरों के बीच इस अमृत कलश को प्राप्त करने के लिए विवाद हुआ। उसी के बाद से प्रत्येक शुभ और मांगलिक कार्यों में अमृत कलश को स्थापित करने की परंपरा चली आ रही है। कहते हैं जिस घर में अमृत कलश होता है, वहां दुख-मुसीबत कभी घेरा नहीं डालते हैं। इससे अरोग्य का भी वरदान प्राप्त होता है।

आपकी किस्मत चमका सकते हैं सूखी तुलसी के पत्ते!

हिंदू धर्म में तुलसी का अपना अलग महत्व है। जी दरअसल शास्त्रों के अनुसार, तुलसी के पौधे में मां लक्ष्मी का वास माना जाता है। कहा जाता है जिस घर में तुलसी का पौधा होता है वहां मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु की कृपा हमेशा बनी रहती है। केवल यही नहीं बल्कि तुलसी ही नहीं उसकी पत्तियां भी बहुत ही लाभकारी मानी जाती हैं। जी दरअसल वास्तु शास्त्र के अनुसार, तुलसी की पत्तियां भगवान विष्णु को अर्पित करने से पूजा खत्म होती है। इसी के साथ ऐसा कहा जाता है तुलसी की पत्तियां कभी भी बासी नहीं मानी जाती। केवल यही नहीं बल्कि इसकी पत्तियों से आप जीवन की कई समस्याओं से छुटकारा भी पा सकते हैं। आज हम आपको बताते हैं इसके उपायों के बारे में।

भगवान विष्णु और श्रीकृष्ण को करें अर्पित- भगवान विष्णु के अलावा श्री कृष्ण को भी तुलसी की पत्तियों का भोग लगाना शुभ माना जाता है। जी दरअसल आप तुलसी की पत्तियों को 15 दिनों तक रख सकते हैं। यह कभी भी बासी नहीं होती।

लड्डू गोपाल के स्नान में करें इस्तेमाल- भगवान श्रीकृष्ण को विष्णु का ही रुप माना जाता है। कहते हैं श्रीकृष्ण के बाल रुप की भी बहुत से लोग पूजा करते हैं। इसके अलावा ऐसा भी माना जाता है कि तुलसी की सूखी पत्तियों से लड्डू गोपाल का यदि स्नान करवाया जाए तो वह प्रसन्न होते हैं। इससे आपको जीवन में सुख-समृद्धि भी मिलती है।

दूर होगा घर का वास्तु दोष - अगर आपके घर में वास्तु दोष है या नेगेटिव एनर्जी है तो आप इसे दूर करने के लिए तुलसी के सूखे पत्तों का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए एक लोटे में तुलसी के पत्तों और गंगाजल डालकर घर में रखें। इसके बाद पूरे घर में इस पानी को छिड़क दें। ऐसा करें से घर की नेगेटिव एनर्जी खत्म होगी।

मजबूत होगी आर्थिक स्थिति - तुलसी की सुखी पत्तियों को लाल रंग के कपड़े में लपेटे और इसके बाद इन पत्तों को अपनी तिजोरी में रख दें।

चमत्कार पर नहीं अपनी मेहनत पर भरोसा रखें

लंका पहुंचने के लिए श्रीराम समुद्र को सूखा सकते थे लेकिन उन्होंने नल-नील की मदद से सेतु बनवाया

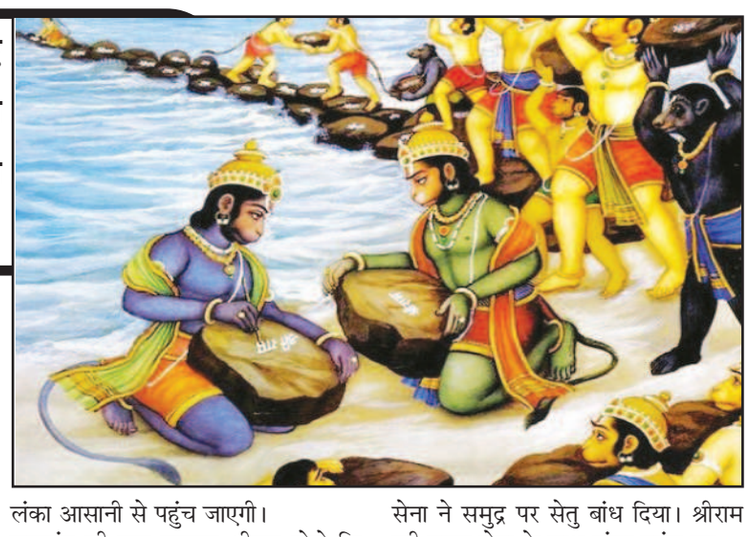

जब हम खुद की मेहनत पर भरोसा करते हैं तो मुश्किल से मुश्किल काम सफल हो जाते हैं। इसलिए किसी चमत्कार पर नहीं, अपनी मेहनत पर भरोसा रखना चाहिए। हम ये बात श्रीराम से सीख सकते हैं। रामायण में श्रीराम वानर सेना के साथ दक्षिण दिशा में समुद्र किनारे पहुंच गए थे।

श्रीराम को पूरी वानर सेना के साथ समुद्र पार करके लंका पहुंचना था, ताकि रावण की कैद से सीता को मुक्त कराया जा सके। किसी को समझ नहीं आ रहा था कि वानर सेना समुद्र पार करके लंका कैसे पहुंचेगी। जामवंत वानर सेना के सबसे अनुभवी व्यक्ति थे, वे श्रीराम की शक्तियों के बारे में जानते थे। उन्होंने श्रीराम से कहा कि आप तो इस समुद्र को आसानी से सूखा सकते हैं। समुद्र सूख जाएगा तो पूरी वानर सेना लंका आसानी से पहुंच जाएगी।

जामवंत की बात सुनकर श्रीराम बोले कि हमें समुद्र देव बताया है कि हमारी सेना में नल-नील दो वानर ऐसे हैं, जिनकी मदद से समुद्र पर सेतु बांधा जा सकता है। नल-नील को ऋषियों से ऐसा शाप मिला हुआ है कि ये जो भी चीज पानी में डालेंगे, वह डूबेगी नहीं। हम इनकी मदद से समुद्र पर सेतु बनाएंगे और फिर पूरी वानर सेना लंका पहुंच जाएगी।

इसके बाद नल-नील की मदद से वानर सेना ने समुद्र पर सेतु बांध दिया। श्रीराम पूरी वानर सेना के साथ लंका पहुंच गए।

जीवन प्रबंधन

इस किस्से में श्रीराम ने संदेश दिया है कि हमें अपनी मेहनत पर ज्यादा भरोसा करना चाहिए। किसी चमत्कार पर या किसी शॉर्टकट पर विश्वास न करें। एक साथ मिलकर बड़े-बड़े कामों को पूरा किया जा सकता है। उस समय वानर सेना ने जो सेतु बनाया तो अटूट था। श्रीराम ने सभी की मदद ली और ये काम पूरा किया।

हथेली की दोहरी भाग्य रेखा होती है अशुभ सूचक

हर व्यक्ति की हथेली पर कोई न कोई रेखा, निशान व आकृतियां जरूर बनी होती है और सभी का हस्तरेखा शास्त्र में अहम स्थान होता है हथेली पर बनने वाली ये रेखाएं व्यक्ति के जीवन पर विशेष प्रभाव डालती है भाग्य रेखाएं मानव जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं को दर्शाती है इन रेखाओं को देखकर व्यक्ति के भाग्य का पता लगाने में आसानी हो जाती है

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार भाग्य रेखा बहुत अहम होती है अगर किसी जातक के हाथ में दोहरी भाग्य रेखा है तो यह किस्मत की राह में रोड़े भी अटका सकती है हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार कुछ मायनों में दोहरी भाग्य रेखा को अच्छा माना जाता है लेकिन अधिकतर स्थिति में यह रेखाएं अशुभ सूचक होती है तो आज हम आपको अपने इस लेख में दोहरी भाग्य रेखा से जुड़ी जानकारी प्रदान कर रहे हैं तो आइए जानते हैं।

अगर किसी जातक की हथेली पर भाग्य की दो रेखाएं हो और इनमें से कोई एक रेखा चंद्र पर्वत से आरंभ होकर हृदय रेखा पर समाप्त हो जाए तो हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार वह व्यक्ति भाग्यशाली माना जाता है जिन लोगों की भाग्य रेखा दोहरी होती है वे कला और शिल्प में में अच्छे माने जाते हैं ये लोग अपने जीवन में सफल होंगे। उनके पास आय के दो स्त्रोत भी होते हैं यह भी देखा जा रहा है कि लॉटरी में वे भाग्यशाली माने जाते हैं हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार हथेली पर अधिक भाग्य रेखा को अधिक धन प्राप्ति का स्त्रोत माना जाता है।

मगर ये सभी स्थिति में शुभ नहीं मानी जाती है अगर सिकी जातक के मणिबंध क्षेत्र से भाग्य रेखा निकलकर शनि पर्वत तक जाती है और उसके समानांतर दूसरी भाग्य रेखा चल रही है तो ऐसे जातक के पास धन की कमी रहती है इनके पास जितना धन होता है वो सभी खर्च हो जाता है। वही भाग्य रेखा के समानंतर दूसरी भाग्य रेखा जीवन रेखा से आरंभ हो रही हो तो जीवन के उस आयु वर्ष में मनुष्य को धन की बड़ी हानि भी उठानी पड़ सकती है।

बुरे वक्त में अपनाएं आचार्य चाणक्य की ये बातें हर मुश्किल को आसानी से कर पाएंगे पार

साहस और संयम – चाणक्य के अनुसार साहस और संयम रखने से व्यक्ति हर मुश्किल का सामना डटकर सकता है। व्यक्ति को बुरे समय में हमेशा साहस और संयम को बनाए रखना चाहिए। इस दौरान साहस पूर्वक और समझदारी से कोई भी फैसला लें। बुरा समय अक्सर ऐसा होता है कि सबकुछ करते हुए हर काम गलत होता है। इसलिए इस दौरान संयम बनाकर रखें।

धैर्य – चाणक्य के अनुसार व्यक्ति को बुरे समय में धैर्य रखना चाहिए। किसी भी परिस्थिति से घबराना नहीं चाहिए। डरने से आपको सफलता नहीं मिल पाती है। बुरे समय में अक्सर ऐसा होता है कि व्यक्ति अपना धैर्य खो देता है। व्यक्ति को कभी भी बुरे समय में धैर्य नहीं खोना चाहिए। जिस तरह दिन के बाद रात और रात के बाद दिन आता है उसी तरह बुरे समय जाने के बाद अच्छा समय भी आता है। इसलिए बुरे समय में धैर्य न खोएं।

आत्मविश्वास – चाणक्य के अनुसार कभी भी मुश्किल समय में व्यक्ति को आत्मविश्वास नहीं खोना चाहिए। आत्मविश्वास होने पर व्यक्ति हर बड़ी से बड़ी मुश्किल को आसानी से पार कर सकता है। अगर आप मन से ही हार जाएंगे तो आप सफलता प्राप्त नहीं कर पाएंगे। वहीं बात है मन के जीते जीत और मन के हारे-हार होती है। इसलिए हमेशा अपने ऊपर विश्वास रखें। कभी भी अपना आत्मविश्वास खोने न दें।

शादी से पहले कुंडली नहीं बल्कि पार्टनर का करवाएं ये टेस्ट नहीं तो बर्बाद हो सकती हैं दोनों की जिंदगी

भारतीय समाज में लव मैरिज हो या अरेंज मैरिज, दो लोगों के बीच एक अटूट रिश्ता होता है। जैसा कि सभी जानते हैं कि भारत में एक-दूसरे की जेनेटिक बीमारियों का पता लगाने के लिए मेडिकल टेस्ट से ज्यादा लोग यहां कुंडली मिलान करना पसंद करते हैं। इस लेख के माध्यम से हम आपको यह बताने की कोशिश करेंगे कि शादी में कुंडली से ज्यादा मेडिकल टेस्ट करवाना क्यों जरूरी है। ताकि आप भविष्य में आने वाली परेशानियों से आसानी से लड़ सकें। कई बार ऐसा होता है कि शादी से पहले सब कुछ ठीक था, फिर अचानक शादी के लड़के या लड़की को बुरा लगने लगा। ऐसे में जरूरी है कि आप शादी से पहले कुछ जरूरी टेस्ट करवा लें।

रक्त परीक्षण

शादी से पहले पार्टनर को एक-दूसरे का ब्लड ग्रुप पता होना चाहिए या साथ में जाकर ब्लड टेस्ट कराना चाहिए। पार्टनर का ब्लड ग्रुप भी पता होना चाहिए ताकि भविष्य में कोई परेशानी न हो। क्योंकि हर व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति को रक्तदान नहीं कर सकता इसलिए यह जानना जरूरी है कि आपका साथी या आप खुद एक दूसरे को रक्तदान कर सकते हैं या नहीं।

कई कपल्स का शादी के बाद माता-पिता बनने का सपना पूरा नहीं हो पाता है। इसलिए शादी से पहले एक दूसरे के इनफर्टिलिटी रेट की जांच करा लें। इससे आने वाले समय में आपके लिए कोई परेशानी नहीं होगी। शादी से पहले यह टेस्ट करवाना बेहद जरूरी है। इससे पता चलता है कि आप प्रजनन के लिए फिट हैं या नहीं।

आनुवंशिक चिकित्सा इतिहास

हृदय रोग या मधुमेह के लिए यह जांच करवाना बहुत जरूरी है। इससे आपको पता चलेगा कि पार्टनर के परिवार में कोई पुराना रोग तो नहीं है। अगर ऐसा है तो आप समय रहते इसका इलाज करा सकते हैं।

एचआईवी या यौन संचारित रोग

अगर आपके पार्टनर के अंदर कोई यौन रोग है तो इसका पता एचआईवी टेस्ट से चलेगा। इसलिए शादी से पहले इस बीमारी की जांच करवाना बेहद जरूरी है।

दिलीप कुमार की छोटी बहन अस्पताल में भर्ती

पिछले सात दिनों से भतीजों संग देखभाल कर रही सायरा बानो

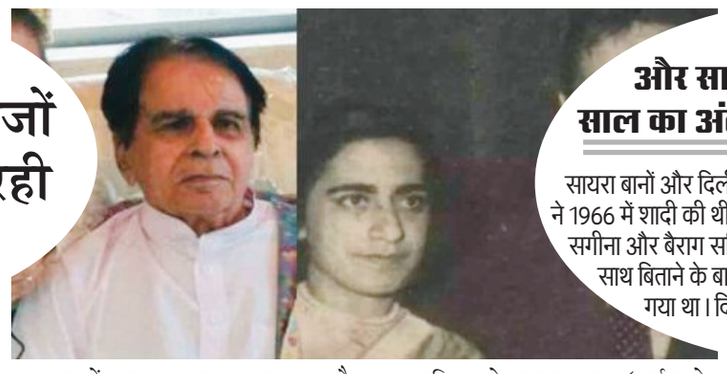

दिलीप और सायरा की उम्र में 22 साल का अंतर था

सायरा बानों और दिलीप कुमार की उम्र में 22 साल का अंतर था। दोनों ने 1966 में शादी की थी। रियल लाइफ जोड़ी ने कई फिल्में। ज्वार भाटा। सगीना और बैराग सहित 5 फिल्मों में काम किया था। 56 साल एक साथ बिताने के बाद बीते साल ही दिलीप कुमार का निधन हो गया था। दिलीप कुमार के निधन के बाद सायरा बानों टूट सी गई हैं

दिवंगत एक्टर दिलीप कुमार की छोटी बहन फरीदा की तबीयत कई दिनों से ठीक नहीं है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालांकि परिवार की तरफ से इस बारे में कोई ऑफिशियल स्टेटमेंट जारी नहीं की गई है। वहीं ईटाइम्स की खबर के मुताबिक फरीदा की तबीयत खराब थी और अब उसमें कुछ हद तक सुधार हुआ है। फरीदा 7 दिन से कोकिलाबेन अंबानी अस्पताल में भर्ती हैं। हालांकि ये पता नहीं चल पाया है कि फरीदा को क्या हुआ है।

भतीजे कर रहे हैं देखभाल

दिलीप कुमार और फरीदा के भतीजे साकिब जो महबूब खान (सईदा के बेटे) के पोते हैं और इमरान (फौजिया के बेटे) दिन-रात फरीदा की देखभाल कर रहे हैं। एक सूत्र का कहना है कि मुश्किल घड़ी वे हमेशा साथ खड़े रहते हैं। वहीं सायरा बानो ने भी इन्हें अपनी ताकत बताया था।'

सायरा बानो का स्वास्थ्य भी नहीं ठीक

सायरा बानो की हेल्थ भी ठीक नही रहती है और वह अक्सर कोकिलाबेन अंबानी अस्पताल जाती रहती हैं। खासकर दिलीप कुमार के निधन के बाद। बांद्रा से अंधेरी तक का सफर उनके लिए आसान नहीं रहा।

इस जन्म में मां नहीं बनना चाहती सिंगर नेहा भसीन

बोली- मैं इससे भी बेहतर सोच रही हूं

बॉलीवुड की जानी मानी सिंगर नेहा भसीन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। 'बिग बॉस ओटीटी' और 'बिग बॉस 15' में नजर आने के बाद सिंगर काफी सुर्खियों में रहती हैं। 18 नवंबर को सिंगर ने अपना 40वां जन्मदिन मनाया था। मुंबई में उन्होंने एक ग्रैंड पार्टी होस्ट की थी। जिसमे कई सेलेब्स शामिल हुए थे। वहीं अब नेहा अपने एक बयान को लेकर छाई हुई हैं। दरअसल। सिंगर ने कहा है कि वह मां नहीं बनना चाहती।

मां नहीं बनना चाहतीं नेहा भसीन

रिपोर्ट के मुताबिक। नेहा भसीन ने यह साफ कह दिया है कि वह इस जन्म में मां नहीं बनना चाहती। उन्होंने बताया ही कि उनको लाइफ में आगे क्या चाहिए। सिंगर का कहना है कि- चाहे वह मेरा अंग्रेजी एल्बम हो या वर्ल्ड टूर। मैं अपने सभी सपनों को हासिल करने का विचार कर रही हूं। वहीं जब नेहा से उनकी पर्सनल लाइफ पर सवाल किया गया तो उन्होंने जवाब में कहा- मैं इस जीवन में मां नहीं बनना चाहती। मैं एक अनाथालय चाहती हूं। जहां मै 10 से 12 बच्चों का पालन-पोषण करू। उन्हें शिक्षा। प्यार और वह जीवन दूं जिसके वे हकदार हैं। आगे नेहा ने बताया है कि बचपन से ही उन्होंने एडॉप्शन का सोचा था। लेकिन अब वो इससे भी बेहतर सोच रही हैं। अगले दो-तीन सालों में मैं इसकी तरफ काम शुरू कर दूंगी।

'फिल्म इंडस्ट्री की कोई आवाज नहीं

एक्टर्स पैसों के बारे में ज्यादा सोचते हैं' सुनील शेट्टी

आवाज उठाने वाला कोई नहीं है

सुनील शेट्टी ने ये भी कहा। "सिर्फ खुद के बारे में सोचने वाले इस स्वाभाव के कारण आज फिल्म इंडस्ट्री मौखिक हमलों का शिकार है। हमारे समय के अभिनेता कई यूनियंस और उनके सदस्यों को जानते थे और हमेशा हम लोग एक दूसरे की आवाज बनने के लिए खड़े रहते थे। लेकिन आज के समय में हमारी कोई आवाज नहीं है। सभी को खुद के लिए बोलना है।"

बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक कई हिट फिल्में दी हैं। इन दिनों अभिनेता अपनी वेब सीरीज 'धरावी बैंक' को लेकर सुर्खियों में चल रहे हैं। ये वेब सीरीज 19 नवंबर को एमएक्स प्लेयर पर रिलीज हुई है। वहीं अभिनेता इन दिनों इसके प्रमोशन में जुटे हुए हैं। इसी बीच उन्होंने कहा है कि आज के दौर के एक्टर्स प्रोजेक्ट से ज्यादा वो घर कितने पैसे ले जे रहे हैं इस बारे में सोचते हैं।

ईटाइम्स के साथ एक बातचीत में सुनील शेट्टी से पूछा गया कि आज के समय में दो हीरो वाली फिल्में बनाना इतना मुश्किल क्यों है। जबकि उन्होंने अक्षय कुमार और संजय दत्त जैसे अभिनेताओं के साथ स्क्रीन शेयर किया है। इस सवाल का जवाब देते हुए सुनील ने कहा। "हर कोई अपने बारे में असुरक्षित है। सभी इस बारे में बात करते हैं कि वो कितना पैसे घर ले जा रहे हैं। इस बारे में बात नहीं करते कि वो कितना पैसे प्रोडक्ट में लगा रहे हैं।"

इस कारण दर्शकों से रिलेशन नहीं बनाते एक्टर्स

इस बातचीत में सुनील शेट्टी ये भी कहा है कि जब एक्टर्स को किसी चीज का प्रमोशन करना होता है तो वो दर्शकों के बीच ज्यादा नजर आते हैं। ऐसे नहीं। जिस कारण से दर्शकों के साथ वो अच्छा रिलेशन नहीं बना पाते। उन्होंने कहा। "दर्शकों से बातचीत सिर्फ रिलीज से पहले ही होती है। पूरे साल नहीं। जब आप अपने दर्शकों को रिडीम करना चाहते है। चाहते हैं कि वे आपसे चिपके रहें तो आपको उन्हें लगातार कुछ देना होगा। आपको उनके बारे में सोचना होगा न कि खुद के बारे में। जब मुझे कोई फिल्म रिलीज करनी होती है तो मैं अपने कुत्ते को घुमाने नहीं ले जाता। जब मुझे कोई फिल्म रिलीज करनी होती है तो मैं किसी एनजीओ को सपोर्ट नहीं करता। इन सब चीजों के बारे में हम बात नहीं करते हैं।" आगे उन्होंने ये भी कहा है। "दर्शकों को इससे मतलब नहीं है कि आप किस गाड़ी से चलते हैं। किस रेस्तरां में जाते हैं। बल्कि दर्शकों को इससे मतलब है कि वो एक रियल हीरो है या नहीं। वो एक अच्छा इंसान है या नहीं। वो सबको एक समान देखता है या नहीं।"

टाइगर श्रॉफ को छोड़

इस शख्स के साथ घूम रही हैं दिशा पाटनी

कौन है ये मिस्ट्री बॉय?

बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी किसी अलग पहचान की मोहताज नहीं हैं। अपने फिल्मी करियर से ज्यादा पर्सनल लाइफ को लेकर दिशा का नाम अक्सर सुर्खियां बटोरता रहता है। एक्टर टाइगर श्रॉफ से ब्रेकअप के बाद से दिशा पाटनी अपने एक विदेशी दोस्त अलेक्जेंडर एलेक्स एलिक के साथ घूमती हुईं नजर आ रही हैं। इस बीच हम आपको बताने जा रहे हैं कि आखिर दिशा का ये मिस्ट्री मैन कौन है और एक्ट्रेस के साथ इसका क्या रिश्ता है।

कौन हैं दिशा पाटनी का ये मिस्ट्री मैन

अक्सर आपने देखा होगा कि कई बार दिशा पाटनी अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर अलेक्जेंडर एलेक्स एलिक के साथ फोटो और स्टोरी को शेयर करती रहती हैं।

ऐसे में हर किसी के जहन में ये सवाल उठ रहा है कि आखिर कौन है ये शख्स जिसके साथ दिशा आए दिन नजर आती हैं। ऐसे में हम आपको बता दें कि दिशा पाटनी का ये अंग्रेज दोस्त कोई और नहीं बल्कि उनके जिम ट्रेनर अलेक्जेंडर एलेक्स एलिक हैं। अलेक्जेंडर एक जिम ट्रेनर होने के साथ-साथ पेशेवर एक्टर भी हैं। बता दें कि अलेक्जेंडर एलेक्स एलिक ने वेब सीरीज 'गिरगिट' से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा है। हालांकि एक्टिंग के ज्यादा अलेक्जेंडर एलेक्स अपनी फिटनेस के लिए काफी जाने जाते हैं। इतना ही नहीं दिशा के साथ अलेक्जेंडर एक साये की तरह रहते हैं और अक्सर किसी रेस्टोरेंट। पार्टी। जिम या फिर बीच पर दिशा पाटनी के साथ स्पॉट किए जाते हैं। हालांकि ये कहना जल्दबाजी होगा कि अलेक्जेंडर एलेक्स एलिक और दिशा पाटनी के बीच दोस्ती से बढ़कर कुछ और भी है।

सलमान खान की भांजी अलीजेह

इस फिल्म से करने जा रहीं बॉलीवुड डेब्यू

अभिनेता सलमान खान फिल्मी परिवार से ताल्लुक रखते हैं। स्क्रिप्ट राइटिंग से लेकर। एक्टिंग। डायरेक्शन और प्रोडक्शन हर क्षेत्र में खान फैमिली का कोई न कोई सदस्य एक्टिव है। अब इस परिवार की अगली पीढ़ी भी बॉलीवुड में दस्तक देने को तैयार है। बीते दिनों अरबाज खान और मलाइका अरोड़ा के बेटे अरहान के डेब्यू की खबर सामने आई थी। अब खबर आ रही है कि सलमान खान की भांजी अलीजेह अग्निहोत्री भी इंडस्ट्री में कदम रखने को तैयार हैं। अलीजेह के डेब्यू को लेकर खान परिवार बेहद उत्साहित है। बता दें कि अलीजेह। सलमान खान की बहन अलवीरा खान अग्निहोत्री और अतुल अग्निहोत्री की बेटी हैं। पिछले कुछ समय से अलीजेह अग्निहोत्री की डेब्यू फिल्म की चर्चा हो रही थी। लेकिन। अब फाइनली इस बात की घोषणा कर दी गई है। अलीजेह नेशनल अवॉर्ड विनिंग निर्देशक सौमेंद्र पाधी की फिल्म से डेब्यू करने जा रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म पर काम भी शुरू हो चुका है। हालांकि। अभी फिल्म का नाम तय नहीं हुआ है।

तापसी पन्नू की एक और फिल्म सीधे ओटीटी पर

बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू के लिए यह साल कुछ खास नहीं रहा है। इस साल आई अभिनेत्री की फिल्म 'शब्बास मिट्ठू' और 'दोबारा' दोनों ही फ्लॉप साबित हुई थी। वहीं। अब तापसी की फिल्म 'ब्लर' सीधे ओटीटी पर रिलीज के लिए तैयार है। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर फिल्म का मोशन पोस्टर जारी कर रिलीज डेट का भी एलान कर दिया है। जी स्टूडियोज और आउटसाइडर्स फिल्म्स और एखेलन प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित 'ब्लर' एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर है। जिसमें तापसी पन्नू और गुलशन देवैया मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। तापसी पन्नू ने फिल्म का मोशन पोस्टर शेयर करते हुए लिखा। 'जो नजर आता है उससे कहीं अधिक हमेशा रहता है।' अजय बहल और पवन सोनी द्वारा लिखित 'ब्लर' की कहानी एक महिला के इर्द-गिर्द घूमती है और उसके संघर्षों का अनुसरण करती है। फिल्म में तापसी पन्नू गायत्री का किरदार निभा रही हैं। जो अपनी जुड़वां बहन की मौत की जांच करने की कोशिश करते हुए धीरे-धीरे अपनी दृष्टि खो रही है। फिल्म में तापसी एक निर्माता के रूप में भी काम कर रही हैं। तापसी पन्नू ने कहा। 'थ्रिलर मेरी फिल्मोग्राफी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और ब्लर

एक ऐसी सक्रिप्ट थी। जो मुझे पसंद आई इसलिए जब विशाल ने इस प्रोजेक्ट के लिए मुझसे संपर्क किया तो मैंने तुरंत हां कर दी। लगभग आधी फिल्म को ब्लाइंड फोल्ड करके शूट करने के बाद मैं बहुत सारी यादें और असली चोटें घर वापस ले जा रही हूं। जिसने मुझे स्पष्ट दृष्टि को और भी अधिक महत्व दिया। सेक्शन 375 के बाद मैं वास्तव में अजय सर के साथ काम करने के लिए उत्सुक थी।' निर्माता प्रांजल खांडिया ने कहा। 'तापसी के लिए ब्लर एक स्पेशल फिल्म है और वादा करते हैं कि दर्शकों को ऐसे देखने का अनुभव पहले कभी नहीं हुआ होगा।' बता दें कि अजय बहल द्वारा निर्देशित 'ब्लर' का प्रीमियर हिंदी में जी5 पर 9 दिसंबर को होगा। बता दें कि तापसी पन्नू शाहरुख खान के साथ 'डंकी' में भी नजर आने वाली हैं। यह फिल्म अगले साल रिलीज होगी।

शाहरुख खान के फैंस को जल्द मिलने जा रहा है तोहफा

'पठान' को लेकर सामने आया बड़ा अपडेट

बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान की फिल्म 'पठान' का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। किंग खान के जन्मदिन के मौके पर फिल्म का टीजर रिलीज किया गया था। जिसके बाद से ही फिल्म सुर्खियों में बनी हुई है। वहीं। अब फिल्म से जुड़ा एक अपडेट सामने आया है। जिसे जानने के बाद फैंस काफी खुश हो गए हैं और सोशल मीडिया पर 'पाठन' ट्रेंड भी करने लगा है। यश राज फिल्म्स द्वारा निर्मित 'पठान' का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद ने किया है। इस फिल्म को म्यूजिक लोकप्रिय जोड़ी विशाल ददलानी और शेखर रवजियानी ने दिया है। जहां फैन्स 'पठान' के म्यूजिक आउट होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वहीं शेखर ने अपने ट्विटर हैंडल पर इस बारे में एक बड़ा हिंट दिया है। दरअसल। शेखर ने ट्वीट किया। 'पठान का साउंडट्रैक जल्द ही आपका होगा।' हालांकि शेखर ने कोई डेट नहीं बताई है।

शेखर के ट्वीट करने के बाद से ही फैंस काफी एक्साइटेड हो गए हैं और कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक यूजर ने शेखर से सवाल किया। 'कौन सा गाना आ रहा है'। तो दूसरे ने कहा। 'ट्रेलर से पहले गाना अच्छी स्ट्रेटजी है।' वहीं। एक ने लिखा। 'हिंट दे दीजिए सर। कुर्सी की पेटी बांधनी पड़ेगी।' इसी तरह कई यूजर रिलीज डेट का कयास लगा रहे हैं। एक ने कहा। '25 नवंबर को पहला गाना रिलीज होगा।'

धर्मेंद्र को फिर आई जवानी के दिनों की याद

कहा-'लंबा इक सफर दोस्तों... पलों में बीत गया'

हिंदी सिनेमा के मशहूर दिगग्ज एक्टर धर्मेंद्र भले ही 86 साल के हो गए हैं लेकिन जिंदादिली में कोई कमी नहीं आई है. हाल ही में सिंगिंग रियलिटी शो 'इंडियन आइडल 13' में बतौर गेस्ट शिरकत किया था. नए-नए सिंगर्स के गानों पर धरम पा जी झूमते हुए नजर आए थे. धर्मेंद्र सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहते हैं. सोशल मीडिया पोस्ट कर अपने दिल की बात कहते हैं और अपने फैंस से भी रुबरू होते रहते हैं. धर्मेंद्र का ताजा पोस्ट दिल छू लेने वाला है. अपने पापा की बात पढ़ बेटी ईशा देओल भी प्यार जताती नजर आईं.

धर्मेंद्र ने इंस्टाग्राम पर जवानी के दिनों की अपनी एक तस्वीर शेयर की है. ये तस्वीर एक्टर के किसी फैन ने उन्हें भेजी है. अपने फैंस के इस तरह के प्यार से अभिभूत धरम पा जी ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया और अपने बीते दिनों को याद किया. धर्मेंद्र ने लिखा 'लंबा इक सफर दोस्तों पलों में बीत गया. आपके लविंग रिस्पांस के लिए आप सबको प्यार. एक लविंग फैन की तरफ से मिला फोटो'.

ईशा देओल को पापा पर आया प्यार

धर्मेंद्र ने एक लाइन में अपने दिल के जज्बात उकेर कर रख दिए हैं. धर्मेंद्र ने अपने सामने सिनेमा के बदलते दौर को शिद्दत से महसूस किया है. अपने पापा धर्मेंद्र के इस पोस्ट पर बेटी ईशा देओल ने लिखा 'लव यू पापा' तो वहीं फैंस भी जमकर धर्मेंद्र पर प्यार लुटाते नजर आ रहे हैं. एक फैन ने लिखा 'अरमान कितने हो, कभी खत्म नहीं होते..कोई कितना भी चल ले रास्ते कभी खत्म नहीं होते...याद ही एक फलसफा है शाहिद,बस इसके सिवा कुछ भी याद नहीं रहता..लव यू धरम जी'.

बॉलीवुड के हैंडसम हीरो धर्मेंद्र

अपने दौर के हैंडसम एक्टर धर्मेंद्र ने एक से बढ़कर एक यादगार फिल्में बॉलीवुड को दी हैं. धर्मेंद्र को लेकर दीवानगी सिर्फ फैंस ही नहीं बल्कि एक्टर्स के बीच भी था. हाल ही में 'इंडियन आइडल 13' पर बॉलीवुड एक्टर गोविंदा ने खुलासा किया था कि जब उनकी पत्नी सुनीता आहूजा प्रेग्नेंट थीं तो उन्हें धर्मेंद्र की तस्वीर दी थी और कहा था कि ऐसा ही बच्चा होना चाहिए'.

सीबीआई जांच में बड़ा खुलासा

नहीं हुई थी सुशांत सिंह राजपूत की एक्स मैनेजर दिशा सालियान की हत्या

दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मैनेजर दिशा सालियान केस में बड़ा अपडेट आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने मुंबई की टैलेंट मैनेजर दिशा सलियान की मौत को आकस्मिक बताया है। सीबीआई का कहना है कि दिशा सालियान की मौत। नशे के दौरान संतुलन खोने के कारण छत से गिरकर हुई थी। याद दिला दें कि एक्ट्रेस। मॉडल और टैलेंट मैनेजर दिशा सालियान का निधन दो साल पहले मुंबई के मलाड स्थित फ्लैट की 12वीं मंजिल से गिरने के बाद हुआ था। तब कहा जा रहा था कि दिशा की मौत एक हादसा नहीं बल्कि हत्या है। हालांकि। पुलिस ने जांच के बाद यह कहकर केस बंद कर दिया था कि दिशा ने आत्महत्या की है। सीबीआई ने दिशा सालियान की मौत का मामला अलग से दर्ज नहीं किया था। उन्होंने। इस केस को दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत मामले की चल रही जांच का ही हिस्सा बना लिया था। क्योंकि दोनों की मौत कुछ दिनों के अंतराल पर हुई थी और दोनों के बीच कनेक्शन की बात भी सामने आई थी। दरअसल। 14 जून को बांद्रा में सुशांत सिंह राजपूत के किराए के आवास पर पुलिस को उनका शव मिला था। इससे पांच दिन पहले दिशा की मौत हुई थी। सीबीआई सुशांत के मामले को आत्महत्या मान रही है। हालांकि। अपनी क्लोजर रिपोर्ट जमा करने से पहले वह आत्महत्या के लिए उकसाने के कारणों की भी जांच कर रही है।

इन वजहों से गॉलब्लैडर स्टोन का खतरा

शरीर में विषाक्त पदार्थ और अपशिष्टों का जमा होना कई तरह की समस्याओं का कारण बन सकता है। पथरी बनना ऐसी ही एक समस्या है। स्टोन की समस्या मुख्यरूप से शरीर के दो हिस्सों- किडनी या पित्त की थैली में बन सकती है। किडनी में बनने वाले स्टोन को दवाइयों और घरेलू उपायों के माध्मय से निकालना आसान होता है जबकि पित्त की थैली, चूंकि एक बंद थैली नुमा अंग है ऐसे में इसमें होने वाले स्टोन को निकालने के लिए ज्यादातर मामलों में सर्जरी को ही एक विकल्प माना जाता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक हमारे खान-पान की गड़बड़ आदतें गॉलब्लैडर स्टोन का कारण बन सकती हैं।

पाचन तरल पदार्थों के अपशिष्टों के जमा होने के कारण पित्ताशय की थैली में पथरी बनती है। पित्ताशय या गॉलब्लेडर, पेट के दाहिने ओर लिवर के ठीक नीचे एक छोटा नाशपाती के आकार का अंग होता है। पित्ताशय की थैली में पित्त नामक एक पाचक द्रव होता है जो छोटी आंत में स्रावित होता रहता है, यह

पाचन के लिए आवश्यक माना जाता है। गॉलब्लेडर स्टोन की स्थिति में पेट में तेज दर्द की समस्या होती है, इससे बचाव के लिए जीवनशैली और आहार का ठीक रखना बहुत आवश्यक माना जाता है। आइए जानते हैं कि किन वजहों से पित्ताशय में पथरी बन सकती है?

कोलेस्ट्रॉल की अधिकता

पित्त में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बहुत अधिक होती है। आमतौर पर पित्त में कोलेस्ट्रॉल को खत्म करने के लिए पर्याप्त मात्रा में रसायन होते हैं, हालांकि अगर लिवर पित्त की तुलना में अधिक कोलेस्ट्रॉल का उत्सर्जन करने लगता है तो इसे कम करना कठिन हो जाता है। इस स्थिति में अतिरिक्त कोलेस्ट्रॉल, क्रिस्टल के रूप में पित्त की थैली में जमा होने लगता है। यही जमाव गॉलब्लैडर स्टोन का कारण बन सकती है।

बिलीरुबिन की मात्रा का बढ़ना

पित्त में बिलीरुबिन की भी अधिकता होती है। बिलीरुबिन एक रसायन है जो लाल रक्त कोशिकाओं के ब्रेक डाउन के समय उत्पन्न होता है। कुछ स्थितियों के कारण जब आपका लिवर बहुत अधिक मात्रा में बिलीरुबिन बनाने लगता है तो इससे लिवर सिरोसिस, पित्त पथ में संक्रमण, पीलिया और कुछ रक्त विकार हो सकते हैं। अतिरिक्त बिलीरुबिन के कारण भी पित्त की थैली में पथरी बन सकती है।

पित्ताशय का ठीक से खाली न होना

अगर आपका पित्ताशय ठीक से खाली नहीं हो रहा तो इस स्थिति में भी पित्त का अधिक जमाव हो सकता है जिसके कारण पित्त की थैली में पथरी का निर्माण होने लगता है। पित्ताशय के ठीक तरीके से खाली ने होने की शारीरिक रूप से कई वजहें हो सकती हैं।

गॉलब्लेडर स्टोन का कारण बनने वाली स्थितियां

मोटापा या अधिक वजन होने से भी पित्त की थैली में पथरी होने का खतरा बढ़ जाता है।

जिन लोगों के आहार में फाइबर वाली चीजों की मात्रा कम होती है उनमें भी गॉलब्लैडर स्टोन का खतरा रहता है।

भोजन छोड़ना या अक्सर उपवास करना भी पित्त की पथरी के खतरे को बढ़ा सकता है।

किडनी स्टोन के ये लक्षण नजर आए तो डॉक्टर से मिलने में न करें देर

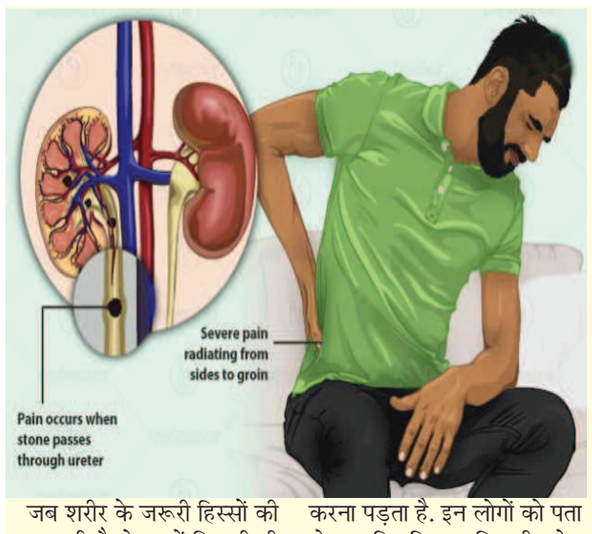

जब शरीर के जरूरी हिस्सों की बात आती है तो उनमें किडनी भी शामिल है. जी हां, किडनी हमारे शरीर के जरूरी हिस्सों में से एक है. ऐसे में व्यक्ति को किडनी स्टोन की समस्या हो जाए तो काफी दर्दनाक स्थिति का सामना करना पड़ता है. इन लोगों को पता होना चाहिए कि जब किडनी स्टोन की समस्या होती है तो लक्षणों के रूप में कौन-कौन सी समस्याएं नजर आ सकती हैं. आज का हमारा लेख इसी विषय पर है. आज हम आपको अपने इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि किडनी की समस्या होने पर कौन से लक्षण नजर आ सकते हैं.

किडनी स्टोन के लक्षण

जब व्यक्ति को किडनी स्टोन की समस्या होती है तो उससे पेशाब करने में दिक्कत महसूस होती है. यह स्थिति डिसुरिया कहलाती है. बता दें कि किडनी स्टोन के दौरान व्यक्ति को पेशाब करने में दर्द महसूस होता है. ऐसे में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करने की जरूरत है.

जब स्थिति ज्यादा गंभीर हो जाती है तो व्यक्ति को पेशाब से खून भी आ जाता है. खासतौर पर गुर्दे की पथरी के दौरान व्यक्ति को पेशाब में खून आने की समस्या हो जाती है. इस समस्या को हेमट्यूरिया भी कहते हैं. ऐसे में पेशाब करने में दर्द महसूस हो या पेशाब करने के दौरान खून आए तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करने की जरूरत है.

यदि व्यक्ति को अपने पेशाब में बदबू महसूस हो तो या तीखी गंध महसूस हो तो यह भी गुर्दे या मूत्र पथ के संक्रमण का संकेत दे सकते हैं. ऐसे में व्यक्ति को तुरंत डॉक्टर से संपर्क करने की जरूरत है.

यदि व्यक्ति को गुर्दे की पथरी हो जाए तो ऐसे में पीठ में दर्द, पेट में दर्द, बाजू में दर्द की शिकायत हो सकती है. ऐसा तब होता है जब पथरी मूत्रवाहिनी में चली जाती है, जिसके कारण पेशाब करने में रुकावट महसूस होती है.

इसके अलावा जब व्यक्ति को गुर्दे में दबाव महसूस होता है तब भी पीठ में, पेट में, बाजू में दर्द हो सकता है. ऐसे में यह समस्या होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करने की जरूरत है.

गर्भावस्था में ब्रेस्ट से पानी क्यों आता है?

महिलाओं को ज्यादा केयर करने की जरूरत होती है. ऐसे में उनके शरीर में कई बदलाव आते हैं उनमें से एक बदलाव है ब्रेस्ट से पानी आना. जानते हैं यह समस्या आम है या गंभीर...

प्रेगनेंसी के दौरान अक्सर महिलाओं के शरीर में कई तरीके के बदलाव देखे जाते हैं. कुछ बदलाव इनमें से सकारात्मक होते हैं तो कुछ बदलाव नकारात्मक होते हैं. ऐसे में बता दें कि प्रेगनेंसी के दौरान कुछ महिलाओं को ब्रेस्ट से पानी भी आता है. इसके पीछे कुछ आम भी कारण होते हैं और कुछ गंभीर कारण भी हो सकते हैं. ऐसे में इन कारणों के बारे में पता होना जरूरी है. आज का हमारा लेख इसी विषय पर है. आज हम आपको अपने इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि प्रेगनेंसी के दौरान यदि ब्रेस्ट से पानी आए तो उसके पीछे क्या कारण हो सकते हैं.

ब्रेस्ट से पानी आने के कारण

ब्रेस्ट से पानी आने के पीछे कुछ गंभीर कारण भी हो सकते हैं और कुछ आम कारण हो सकते हैं. इन कारणों के बारे में पता होना जरूरी है।

जब ब्रेस्ट में किसी प्रकार की गांठ महसूस हो तब भी व्यक्ति को लक्षणों के तौर पर पानी आने की समस्या हो सकती है.

जब महिलाएं प्रेगनेंसी के दौरान टाइट ब्रा पहन लेती हैं या ब्रेस्ट पर कोई तेज चीज रगड़ जाती है तब भी यह समस्या हो सकती है

प्रेगनेंसी के दौरान थायराइड की समस्या होने पर भी है लक्षण नजर आ सकते हैं

जब महिलाओं की ब्रेस्ट में इंफेक्शन हो जाता है तब भी ब्रेस्च से पानी आने की समस्या हो सकती है.

बता दें कि प्रेगनेंसी के दौरान पानी आना यानी कि आप के बेस्ट शिशु के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं. हालांकि ज्यादा पानी आ रहा है तो ऐसे में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करने की जरूरत है.

प्रेगनेंसी के दौरान पानी निकलना कब शुरू होता है?

आमतौर पर प्रेगनेंसी के दौरान बेस्ट से पानी आने की समस्या 26वें हफ्ता से 30वें सप्ताह में शुरू हो जाती है.

हालांकि कुछ महिलाओं को 12वें सप्ताह में भी ये लक्षण महसूस हो सकते हैं.

योनि में संक्रमण होने पर किन चीजों का करें सेवन?

योनि में संक्रमण आमतौर पर 18-50 आयु वर्ग की महिलाओं में देखा जाता है, ऐसा मानसून और गर्मी के दौरान अधिक होता है. इसके लक्षणों में योनि स्राव, खुजली, जलन और बेचैनी आदि शामिल हैं. योनि में मुख्य रूप से स्वस्थ माइक्रोबायोटा होता है, जब अस्वस्थ माइक्रोबायोटा की स्वस्थ स्वस्थ बैक्टीरिया से अधिक होती है तो महिलाओं को योनि संक्रमण हो जाता है. मूत्रमार्ग और गुदा से योनि का मार्ग निकट होने की वजह से संक्रमण बढने की संभावना अधिक बढ़ जाती है. ऐसे में तनाव, धूम्रपान, योनि की ठीक से सफाई ना होना आदि इस समस्या और बढ़ा सकते हैं. ऐसे में इस समस्या के दौरान कौन-सा आहार लेना चाहिए, ये पता होना जरूरी है. आज का हमारा लेख इसी विषय पर है. आज हम आपको अपने इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि संक्रमण के

दौरान किन चीजों का सेवन न करें. इसके लिए हमने मसिना हॉस्पिटल, मुंबई की कन्सल्टेंट ऑब्सटेट्रिशियन, स्त्री रोग आणि प्रजनन विशेषज्ञ डॉ.श्रीमती. मंझर अल्तमश शेख बात की है.

किस तरह का आहार आपको लेना चाहिए?

वसा(फैट) से भरपूर आहार बीवी और गंभीर बीवी के बढ़ते जोखिमों से जुड़ा हुआ है. आहार वसा योनि के पीएच को बढ़ा सकती है और इस प्रकार बीवी की संभावना को बढ़ा सकती है. सैचुरेटेड फैट आंत की प्रतिरक्षा को कम करके भी कार्य कर सकता है. यह सीधे योनि को प्रभावित कर सकता है या फिर आंत माइक्रोबायोटा के माध्यम से प्रभावित कर सकता है.

फाइबर, विटामिन और एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर एक संतुलित, स्वस्थ आहार, संतृप्त वसा योनि के पीएच और म्यूकोसल प्रतिरक्षा को बनाए रखने में मदद कर सकता है

प्रीबायोटिक्स से भरपूर विभिन्न खाद्य पदार्थः बिना फैट वाले डेयरी उत्पाद दही, पनीर, प्याज, लीक, शतावरी, लहसुन और सोयाबीन आदि.

अच्छी तरह से पका हुआ चिकन, मांस या मछली, ताजे फल और सूखे मेवे का सेवन किया जा सकता है. हरी पत्तेदार सब्जी, ताजी सब्जियों का खूब सेवन करें.

जिन खाद्य पदार्थों से योनि में संक्रमण की संभावना बढ़ सकती है, उनमें फूल फैट वाले डेयरी उत्पाद, पनीर आदि शामिल होते हैं इसलिए इनसे बचना चाहिए. ऐसे फल और सब्जियां, जिन्हें ठीक से धोया और साफ नहीं किया जाता है उन से बचना चाहिए.

अपने चेहरे पर भूलकर भी न लगाएं ये चीजें, बनने लगेंगे काले निशान

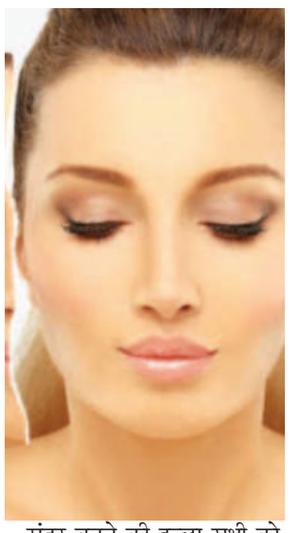

सुंदर बनने की इच्छा सभी को होती है. ऐसे में वे हर मुमकिन कोशिश करते हैं. लोग घरेलू नुस्खे अप्लाई करते हैं या महंगी -महंगी ट्रीटमेंट्स लेते हैं. लेकिन बता दें कि इन लोगों को पता होना चाहिए कि अपने चेहरे पर किन चीजों को नहीं लगाना चाहिए. गलत जानकारी के कारण यदि त्वचा पर कुछ चीजें लगाई जाएं तो इससे त्वचा से संबंधित कई समस्याएं हो सकती हैं. ऐसे में लोगों को इन चीजों के बारे में पता होना जरूरी है. आज का हमारा लेख इसी विषय पर है. आज हम आपको अपने इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि आप अपने चेहरे पर किन चीजों को ना लगाएं.

भूलकर भी ना लगाएं ये चीजें

व्यक्ति को अपनी त्वचा पर नींबू नहीं लगाना चाहिए. नींबू एक तरीके का ब्लीचिंग एजेंट होता है. ऐसे में नींबू को हमेशा किसी के साथ मिलाकर लगाना चाहिए. डायरेक्ट स्किन पर नींबू लगाने से बचें.

व्यक्ति को बेकिंग सोडा भी डायरेक्ट नहीं लगाना चाहिए. इसके कारण न केवल जलन की समस्या हो सकती है बल्कि डायरेक्ट बेकिंग सोडा यदि चेहरे पर लगाया जाए तो काले काले निशान भी बनने शुरू हो जाते हैं.

व्यक्ति को अपनी त्वचा पर गर्म पानी का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए. इसके कारण स्किन के सेल्स को नुकसान पहुंच सकता है. साथ ही चेहरे पर काले निशान बन सकते हैं.

व्यक्ति को टूथपेस्ट अपनी त्वचा पर नहीं लगाना चाहिए. टूथपेस्ट न केवल जलन की समस्या पैदा कर सकता है बल्कि समस्या भी हो सकती है.

नमक और चीनी का इस्तेमाल व्यक्ति को अपनी त्वचा पर नहीं करना चाहिए. यह दोनों मिलाकर लगाने से स्किन छिल सकती है. ऐसे में लगाने से बचें.

बवासीर में तुरंत आराम के लिए घरेलू उपाय

इप्सम साल्ट और ग्लिसरीन की दो-दो चम्मच लेकर मिलाएं और प्रभावित जगह पर 15-20 मिनट तक लगा रहने दें. यह घरेलू उपचार दर्दनाक बवासीर को कम करने में मदद करता और तुरंत आराम मिल सकता है. इससे सूजन में भी आराम मिलता है.

बवासीर का घरेलू इलाज

बवासीर के लिए कई तरह के घरेलू उपाय मौजूद हैं. उनमें से एक हल्दी भी है. हल्दी को गुणों की खान माना जाता है. हल्दी से बवासीर में बहुत उपयोगी साबित हो सकती है. ऐसे ही कई अन्य घरेलू उपाय हैं, जिनका इस्तेमाल करके आप बवासीर में राहत पा सकते हैं.

हल्दी पाउडर और नारियल तेल

आयुर्वेदिक के अनुसार नारियल का तेल कई बीमारियों के इलाज में अहम भूमिका निभाता है. नारियल के तेल में चुटकीभर हल्दी पाउडर मिलाकर बवासीर की जगह पर हल्के हाथों या कॉटन ले लगा लें. इससे आपको गुदा के बाहरी हिस्से में होने वाले बवासीर में राहत मिल सकती है.

हल्दी और एलोवेरा जेल

एलोवेरा को उसकी ठंडी तासीर के लिए जाना जाता है. एलोवेरा जेल में हल्दी पाउडर मिलाकर रात में नियमित तौर पर सोने से पहले गुदा मार्ग के बवासीर वाली जगह पर लेप लगाने से राहत मिलती है. इस उपाय को कम से कम दो हफ्तों तक लगातार करें.

देसी घी और हल्दी है रामबाण इलाज

देसी घी अपने गुणों के लिए जाना जाता है. अगर आप नियमित रूप से देसी घी का सेवन करते हैं तो कई समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है. बवासीर की समस्या से निजात पाने के लिए देसी घी में चुटकीभर हल्दी मिलाकर एक मिश्रण तैयार करें और बवासीर वाली जगह पर नियमित तौर पर लगाने से कुछ ही दिनों में बवासीर की समस्या गायब हो जाएगी.

हल्दी, बकरी का दूध और काला नमक का उपाय

बसासीन के लक्षणों से आराम पाने के लिए एक कप बकरी के दूध में एक चम्मच हल्दी और आधा चम्मच काला नमक मिलाकर कुछ दिन तक सेवन करें. नियमित तौर पर सेवन करने से कुछ दिनों में ही बवासीर में राहत मिलेगी.

नहाने के टब में हल्दी का उपाय

नहाने के टब दो चम्मच हल्दी मिला लें और फिर उसमें 15 मिनट के लिए बैठें. नियमित तौर पर कुछ दिन तक ऐसा करने से बवासीर में राहत मिल सकती है.

न्यूट्रिशन के लिए कहीं आप भी तो नहीं कर रहे इन चीजों का अधिक सेवन, फायदे की जगह हो सकता है नुकसान

पोषक तत्वों वाले आहार का सेवन

शरीर को स्वस्थ और फिट बनाए रखने के लिए रोजाना आहार के माध्यम से पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। पोषक तत्वों की विस्तृत श्रृंखला शरीर के अंगों को स्वस्थ रखते हुए, ऊर्जा के स्तर को बनाए रखने और आपको कई प्रकार की बीमारियों के खतरे से बचाने में लाभदायक मानी जाती है।

यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को रोजाना आहार में फलों-सब्जियों और नट्स को शामिल करने की सलाह देते हैं। हालांकि हमेशा इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि चीजों का संयमित मात्रा में ही सेवन शरीर के लिए फायदेमंद होता है, इसकी अधिकता आपमें कई प्रकार की समस्याओं का कारण बन सकती है।

अधिक कॉफी के नुकसान

कॉफी को कई अध्ययनों में सेहत के लिए फायदेमंद बताया गया है, इसमें एंटीऑक्सिडेंट और अन्य सक्रिय यौगिकों की अधिकता होती है जिससे शरीर को कई प्रकार से लाभ हो सकता है। कॉफी में सक्रिय संघटक कैफीन होता है जो आपको रिफ्रेश रखने और कुछ अध्ययनों में इसे कई प्रकार की बीमारियों के लक्षणों को कम करने वाला भी बताया गया है। हालांकि इसका अधिक मात्रा में सेवन करना (प्रतिदिन 500-600 मिलीग्राम) तंत्रिका तंत्र को प्रभावित कर सकता है, जिससे अनिद्रा, घबराहट, चिड़चिड़ापन, पेट में ऐंठन, दिल के धड़कन में अनियमितता की समस्या हो सकती है।

जायफल के लाभ और नुकसान

जायफल के अधिक सेवन से नुकसान

जायफल हर घर में मसालों के लिए इस्तेमाल किए जाने वाली औषधि है, इसे भोजन के स्वाद को बढ़ाने के साथ कई प्रकार की समस्याओं के घरेलू उपचार के तौर पर भी प्रयोग में लाया जाता रहा है। जायफल में मिरिस्टिसिन नामक यौगिक होता है, जो एक मनो-एक्टिव पदार्थ है। कम मात्रा में जायफल स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है पर इसकी अधिकता मिरिस्टिसिन विषाक्तता का कारण बन सकती है। इस स्थिति में हृदय गति में अनियमितता, मतली, चक्कर आने, दर्द और मतिभ्रम जैसी समस्याओं का खतरा हो सकता है।

रेड मीट का अधिक सेवन नुकसानदायक

पशुओं पर आधारित चीजें जैसे मछली, अंडा, डेयरी उत्पाद, चिकन शरीर के लिए आसानी से कई प्रकार के पोषक तत्वों की पूर्ति कर सकते हैं, लेकिन अधिक मात्रा में यह हानिकारक हो सकता है। विशेषकर रेड मीट के अधिक सेवन को अध्ययनों में कई प्रकार से नुकसानदायक बताया गया है। शोध से पता चला है कि नियमित रूप से रेड मीट या प्रोसेस्ड मीट खाने से टाइप-2 डायबिटीज, कोरोनरी हृदय रोग, स्ट्रोक और कुछ प्रकार के कैंसर, विशेष रूप से कोलोरेक्टल कैंसर का खतरा बढ़ सकता है।

नमक का सेवन कम मात्रा में करें

नमक शरीर के लिए अति आवश्यक है, इसमें मौजूद सोडियम शरीर को बेहतर ढंग से कार्य करते रहने में सहायक है। हृदय की लय को बनाए रखने, तंत्रिका आवेगों का संचालन करने और रक्तचाप के लिए भी इसे आवश्यक माना जाता है। हालांकि ध्यान रखें अधिक मात्रा में नमक का सेवन उच्च रक्तचाप का कारण बन सकता है। हाई सोडियम वाले खाद्य पदार्थों का लगातार सेवन हृदय की समस्याओं का कारण बनता है, इसको लेकर सभी लोगों को सावधानी बरतते रहना चाहिए।

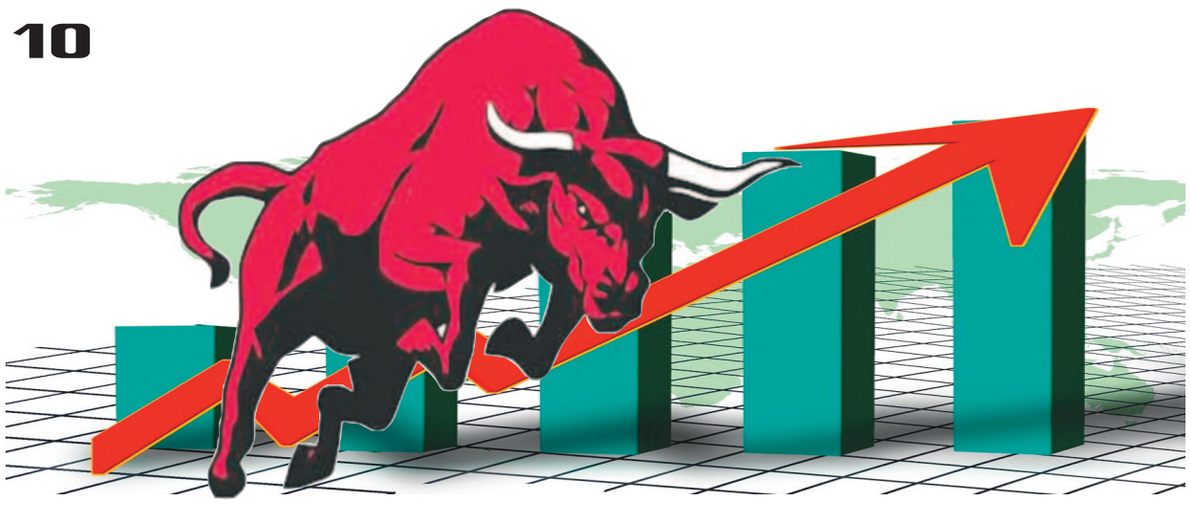

आखिरी मिनटों में बाजार ने गंवाई बढ़त, सेंसेक्स 62 अंक मजबूत, निफ्टी 18300 के नीचे

नई दिल्ली, 23 नवंबर (एजेंसियां)। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बाजार में हरे निशान पर कारोबार होता दिखा। बुधवार के कारोबारी सेशन के आखिरी मिनटों में बाजार ने अपनी बढ़त गंवा दी। हालांकि, उसके बावजूद सेंसेक्स और निफ्टी हरे निशान पर बंद होने में सफल रहे। इस दौरान सेंसेक्स 62 अंक मजबूत हुआ जबकि निफ्टी 18300 के नीचे लुढ़ककर बंद हुआ। बुधवार के कारोबारी सेशन में रुपया डॉलर के मुकाबले 19 पैसे लुढ़ककर 81.86 (अस्थायी) रुपये पर बंद हुआ। बुधवार को घरेलू शेयर बाजार के बंद होने के पहले मुनाफावसूली दिखी। इस दौरान बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स बेंचमार्क 91 अंकों की तेजी के साथ 61,510 अंकों पर तो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 23 अंकों की मामूली बढ़त के साथ 18,267 अंकों पर बंद हुआ। बुधवार के कारोबारी सेशन में मेटल्स, आईटी, इन्फ्रा और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स को छोड़कर बाकी सेक्टर के शेयरों में मजबूती दिखी। बैंकिंग, ऑटो, पीएसयू, फार्मा और मीडिया के सेक्टर के शेयर मजबूत होकर बंद हुए। मिड कैप और स्मॉल कैप के शेयरों में भी तेजी दिखी। बुधवार को बैंक निफ्टी 272 अंकों की बढ़त के साथ 42,729 अंकों पर बंद हुआ। बुधवार के कारोबारी सेशन में बैंक निफ्टी अपने अब तक के उच्चतम स्तर 42,790 पर कारोबार करता दिखा। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 13 शेयर तेजी के साथ तो 17 शेयर लाल निशान पर बंद हुए।

2047 तक इंडियन इकोनॉमी 40 लाख करोड़ डॉलर की होगी

मुकेश अंबानी ने कहा-दुनिया की टॉप-3 अर्थव्यवस्थाओं में होगा भारत

नई दिल्ली, 23 नवंबर (एजेंसियां)। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और एशिया के दूसरे सबसे अमीर आदमी मुकेश अंबानी ने कहा कि भारत 2047 तक 3 ट्रिलियन डॉलर से बढ़कर 40 ट्रिलियन डॉलर (40 लाख करोड़ डॉलर) की इकोनॉमी वाला देश बन जाएगा। इसके साथ ही भारत दुनिया की टॉप-3 इकोनॉमी वाले देशों में भी शामिल होगा। क्लीन एनर्जी रेवॉल्यूशन और डिजिटलाइजेशन इसे ड्राइव करेंगे। अंबानी ने मंगलवार को पंडित दीनदयाल एनर्जी यूनिवर्सिटी की कन्वोकेशन सेरेमनी के दौरान यह बात कही हैं।

अडाणी से ज्यादा आशावादी अंबानी

देश की अर्थव्यवस्था के लिए मुकेश अंबानी का अनुमान, एशिया के सबसे अमीर आदमी गौतम अडाणी की तुलना में अधिक आशावादी है। अडाणी ने पिछले हफ्ते कहा था कि भारत 2050 तक बढ़ती खपत और सामाजिक-आर्थिक सुधारों से $30-ट्रिलियन इकोनॉमी वाला देश बन जाएगा। भारत फिलहाल अमेरिका, चीन, जापान और जर्मनी के बाद दुनिया में पांचवां सबसे बड़ा देश है।

तीन गेम-चेंजिंग रेवोल्यूशन

मुकेश अंबानी ने कहा कि तीन गेम-चेंजिंग

रेवोल्यूशन आने वाले दशकों में भारत की ग्रोथ को कंट्रोल करेंगे। पहला क्लीन एनर्जी, दूसरा बायो-एनर्जी और तीसरा डिजिटल रेवोल्यूशन है। उन्होंने कहा, 'एक साथ यह तीन तरीकों से जीवन अकल्पनीय रूप से बदल जाएगा। क्लीन एनर्जी रेवोल्यूशन और बायो-एनर्जी रेवोल्यूशन स्थायी रूप से एनर्जी प्रोड्यूस करेगी। डिजिटल रेवोल्यूशन हमें कुशलता से एनर्जी को कंज्यूम करने में सक्षम बनाएगी। तीनों रेवोल्यूशन मिलकर भारत और हमारे खूबसूरत प्लेनेट को जलवायु संकट से बचाएंगे।' अंबानी ने कहा, 'भारत के भविष्य के लीडर्स के रूप में आपको यह सुनिश्चित करना चाहिए कि देश ग्लोबल क्लीन और ग्रीन एनर्जी रेवोल्यूशन का नेतृत्व करे। इस मिशन में सफलता प्राप्त करने के 3 मंत्र हैं-थिंक बिग, थिंक ग्रीन और थिंक डिजिटल।'

माताजी और पिताजी से बड़ा कोई 'G' नहीं

वहीं मुकेश अंबानी ने छात्रों को सलाह दी कि 4G और 5G के युग में माताजी और पिता जी से बड़ा कोई भी 'G' नहीं है। उन्होंने छात्रों से कहा 'आजकल हर युवा 4G और 5G को लेकर उत्साहित है, लेकिन उन्हें याद रखना चाहिए कि इस दुनिया में 'माता जी और पिता जी' से बड़ा कोई 'G' नहीं है। वे ताकत और सपोर्ट के लिए आपके सबसे भरोसेमंद पिलर थे हैं और रहेंगे।'

5वीं बड़ी इकोनॉमी बना था भारत

बीते दिनों भारत ब्रिटेन को पछाड़कर दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बना था। इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (आईएमएफ) के मुताबिक, भारत साल 2021 के आखिरी 3 महीने में ब्रिटेन से आगे निकला। वित्त वर्ष 2022-23 में भारत की इकोनॉमी 854.7 अरब डॉलर रही। इसी अवधि में ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था 816 अरब डॉलर रही। रोजमर्रा की चीजें महंगी होने से ब्रिटेन ने पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने का तमगा खो दिया।

बिजली उपभोक्ताओं के लिए स्कीम!

सरकार ने दिया वन-टाइम सेटलमेंट का ऑफर

नई दिल्ली, 23 नवंबर (एजेंसियां)। गोवा सरकार ने बिजली उपभोक्ताओं को राहत देते हुए लंबित बिजली बिलों के भुगतान के लिए वन टाइम सेटलमेंट योजना को छह महीने की वैधता के साथ वापस ले आई है. मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कहा कि राज्य मंत्रिमंडल ने बुधवार को कैबिनेट बैठक में बिजली बिलों के लिए वन-टाइम सेटलमेंट (ओटीएस) योजना को फिर से शुरू करने को मंजूरी दे दी. इस योजना का लक्ष्य लंबित बिजली बकाये के 402 करोड़ रुपये को एकत्र करना है।

सावंत ने कहा, "यह योजना अगले छह महीने तक लागू रहेगी." सीएम ने कहा कि यह योजना इस साल की शुरुआत में शुरू की गई थी, लेकिन उस समय बहुत से लोगों ने इसका लाभ नहीं उठाया था. इस योजना के तहत 17,801 उपभोक्ता हैं जिनके बिजली बिल लंबित हैं। राज्य के ऊर्जा मंत्री सुदीन धवलीकर ने मीडिया से कहा कि बिजली उपभोक्ताओं के अनुरोध के बाद इस योजना को फिर से शुरू किया गया है. उन्होंने कहा कि इस योजना में उन औद्योगिक इकाइयों को भी शामिल किया गया है, जिन्होंने बिजली का बकाया नहीं चुकाया है।

दैनिक पंचांग

ग्रह	स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	वृश्चिक	में	वृश्चिक.	05-54 बजे
चंद्र-	वृश्चिक	में	धनु---	08-09 बजे
मंगल	वृष	में	मकर-	10-14 बजे
बुध-	वृश्चिक	में	कुंभ -	12-05 बजे
गुरु-	मीन	में	मीन...	13-43 बजे
शुक्र-	वृश्चिक	में	मेष--	15-19 बजे
शनि-	मकर	में	वृष--	17-04 बजे
राहु-	मेष	में	मिथुन..	19-05 बजे
केतु-	तुला	में	कर्क...	21-16 बजे
			सिंह...	23-29 बजे
			कन्या..	01-39 बजे
			तुला	03-45 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-हेमन्त दिशाशूल- दक्षिण -जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- प्रतिपदा - **01 -37** तक उपरान्त द्वितीया
मास - मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष , गुरूवार **Nov 24**
नक्षत्र - अनुराधा - **19 - 36** - तक उपरान्त ज्येष्ठा
योग - अतिगण्ड **-12 - 18** - तक उप- सुकर्मा
करण- किंस्तुघन **-15 - 04** - तक उप- बव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - सर्वार्थ सिद्ध योग ~१९~३६ से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल
13:27 से
14:51 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ..	**06:29 - 07:51** शुभ	अमृत	**17:38 - 19:15** शुभ
रोग.	**07:51 - 09:15** अशुभ	चंचल	**19:15 - 20:51** शुभ
उत्पात	**09:15 - 10:39** अशुभ	रोग	**20:51 - 22:27** अशुभ
चक	**10:39 - 12:03** शुभ	काल	**22:27 - 00:03** अशुभ
लाभ.	**12:03 - 13:27** शुभ	लाभ	**00:03 - 01:39** शुभ
अमृत	**13:27 - 14:51** शुभ	उत्पात	**01:39 - 03:15** अशुभ
काल	**14:51 - 16:14** अशुभ	शुभ	**03:15 - 04:51** शुभ
शुभ	**16:14 - 17:35** शुभ	अमृत	**04:51 - 06:30** शुभ

आपका राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

आपको आज बहुत सारी गलत जानकारी प्राप्त होंगी। इसीलिए औरों की सुनने और मानने की बजाय अपने आप सोच समझकर फैसले लेना अधिक उपयुक्त रहेगा ।अपने तरीके और अपने नजरिये के आधार पर देखेंगे तो बिलकुल ठीक फैसला ले पायेंगे ।आपकी बहु प्रतीक्षित छुट्टी जल्द ही मिलने वाली है।

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

आज आप ऊर्जा से भरपूर हैं और काफी मेहनत करने के लिए तैयार भी हैं। आपकी सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह ओरों को भी प्रभावित करेगा ,आपकी टीम को आपसे बेहतर काम करने के लिए प्रेरणा मिलेगी ।घर पर भी आज आप सामान्य से अधिक जिम्मेदारियां उठाएंगे ।इससे आपके करीबियों को ख़ुशी होगी।

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

आपको अपने कामों को पूरा करने के लिए बहुत कम साधन उपलब्ध होंगें और इससे आपके काम में बाधा पहुचेगी । इससे परेशान न हों,आपको दिन के अंत तक अपनी पसंद का काम और साधन दोनों ही मिल जायेंगे । आप प्रकृति से ही मेहनती हैं और आप जिम्मेदारियों के साथ साथ स्वतंत्रता का भी आनंद लेंगे ।

कर्क ही हू हे हो हा डी डू डे डो

आज आपको अपनी मेहनत का फल मिलेगा ।पहचान और इज्जत भी मिलेगी ।वित्तीय स्थिति बेहतर होगी,ऑफिस में तारीफ़ मिलेगी । वेतन में बढ़ोतरी भी संभव है । सेल्स क्षेत्र वाले लोग भी लक्ष्य हासिल क्र पायेंगे । आज अपने परिधान में नीला रंग शामिल करें । इससे सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी ।

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

आज आप पूरा दिन थोड़े से भावुक रहेंगे ।आप जो भी करेंगे पूरे मन से करेंगे और इसीलिए आपको सफलता जरुर मिलेगी।आप पिछले कुछ समय से किसी महत्वपूर्ण मुद्दे को टाल रहें हैं लेकिन आज इस मुद्दे को प्राथमिकता के आधार पर रखकर सुलझाने के लिए बहुत अच्छा दिन है ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आज अपने सिद्धांतों की व्याख्या और पुनर्मुल्यांकन का दिन है ।आप पिछले फैसलों के लिए खुद से और अपने साथी से भी सवाल कर सकते हैं ।फिर भी आप उसके प्रति बहुत अच्छे बने रहेंगे और उससे भी बदले में यही उम्मीद रखेंगे । जब पुराने विचारों से कोई काम बनता दिखाई न दे रहा हो

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

आज पैसे को संभलकर खर्च करें । ग्रहों के अनुसार आज आप बिना किसी बात के काफी खर्च कर सकते हैं ।अगर आप ध्यान नहीं देंगे तो काफी बड़ी रकम आज आपसे खर्च हो सकती है ।आज विवादों और टकराव से बचना ही बेहतर होगा ।स्वास्थ्य सम्बन्धी कोई परेशानी नही होगी और आप बाहर घुमने का आनंद ले सकते हैं ।

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो या यी यू

आप ऊर्जा से भरे हैं और बहुत अच्छे मूड में भी हैं ।दोस्तों को पार्टी दे सकते हैं । अपनी ख़ुशी में खोकर आपका ध्यान भविष्य के खतरों से हट सकता है ।घबराए नही,किसी आदमी से कोई नुक्सान होने की आशंका नही है केवल आपका पेट अपच वाला अधिक भोजन करने के कारण खराब हो सकता है।

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

आपको कुछ घटनाओं की तह तक जाना पड़ेगा ।वर्तमान की कुछ घटनाओं के लिए वही पुराने कारण जिम्मेदार हैं । इससे आपकी इज्जत को काफी ठेस पहुंची है । आपको काफी आरक्षित और सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि कुछ लोग आपके रास्ते में बाधा बनने की कोशिश कर सकते हैं ।

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

आप अनुभव करेंगे कि आप सामान्य से कुछ अधिक बोल रहे हैं । आप पिछले कुछ समय से चालाकी भरा व्यवहार कर रहे हैं लेकिन आज आप इससे खुद ही परेशानी अनुभव करेंगे । आज आप वह सच्चाई नही उगलना चाहते जो शायद कईयों को अच्छी नही लगेगी । आज के लिए किसी एकान्त कार्यकलाप की योजना बनाएं।

कुंभ गू गे गो सा शी सू से सो दा

अब आपके करियर में कितनी बाधाएं आती है , इससे कोई फर्क नहीं पड़ता क्यों की आप उन सब बाधाओं को पार कर जाएंगे जैसे की वो कभी थी ही नहीं । सफलता अब सहजता से आएगी , लेकिन आपको अति आत्मविश्वास की भावना से बचना होगा । आपको ये एहसास करने की जरूरत है कोई आपके खिलाफ चुपचाप काम कर रहा है लेकिन आज आपको इस बात का पक्का सबूत मिलने वाला है कि वह कौन है।लेकिन अभी इस आदमी से ना उलझें ,आपको केवल यह पता चल जाने से भी काफी मदद मिलेगी कि आपके खिलाफ कौन काम कर रहा है और आप अपने दुश्मनों को अपने रास्ते से हटाने में कामयाब रहेंगे ।

मीन दी दू थ झ ञ के दो चा ची

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

आठ वर्षों में दवाओं का निर्यात 138% बढ़ा

स्वास्थ्य मंत्री बोले-वन अर्थ, वन हेल्थ' विजन पर हो रहा काम

नई दिल्ली, 23 नवंबर (एजेंसियां)। 2013-14 की इसी अवधि की तुलना में अप्रैल-अक्टूबर 2022-23 में भारत के फार्मा निर्यात में 138 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, इस दौरान भारत दुनिया के लिए एक फार्मेसी के रूप में विकसित हुआ।

अप्रैल-अक्टूबर 2013-14 से भारत के फार्मा निर्यात में 138 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जो 2013-14 में 37,987.68 करोड़ रुपये से बढ़कर 2021-22 में 90,324.23 करोड़ रुपये हो गया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने इन वर्षों में भारत के दवा निर्यात के एक इन्फोग्राफिक को साझा करते हुए एक ट्वीट में कहा कि भारत का दवा निर्यात दुनिया का नेतृत्व कर रहा है। मंडाविया ने एक ट्वीट में कहा, "अप्रैल-अक्टूबर 2022 में 2013 में की तुलना में फार्मा उत्पादों के निर्यात में 138 फीसदी की जबर्दस्त वृद्धि हुई है। ऐसा पीएम नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व के कारण संभव हो पाया है।"

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनवरी में दावोस शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा था कि भारत अब दुनिया के लिए एक फार्मेसी है और दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा फार्मा-उत्पादक है। 'वन अर्थ, वन हेल्थ' विजन के तहत कई देशों को टीके और आवश्यक दवाओं की आपूर्ति कर कोविड-19 महामारी के दौरान करोड़ों लोगों की जान बचाई गई। उस दौरान पीएम मोदी ने कहा था, 'कोरोना के इस समय में हमने देखा है कि किस तरह 'वन अर्थ, वन हेल्थ' के विजन पर चलकर भारत कई देशों को जरूरी दवाएं और वैक्सीन देकर करोड़ों लोगों की जान बचा रहा है। पीएम नरेंद्र मोदी ने वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के दावोस एजेंडा में वर्चुअल रूप से दुनिया को संबोधित किया था।

भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापार सौदे से 10 लाख नौकरियां सृजित होंगी : पीयूष

नई दिल्ली, 23 नवंबर (एजेंसियां)। भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौता, जो विशेष रूप से कपड़ा, रत्न और आभूषण और फार्मास्यूटिकल्स क्षेत्रों में निर्माण को गति मिलेगी। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि इस व्यापार समझौते से 10 लाख नई नौकरियां सृजित होंगी। उन्होंने कहा "इस व्यापार समझौते से श्रम-गहन क्षेत्रों को लाभ होगा।

इससे भारत में कम से कम 10 लाख नौकरियों के अतिरिक्त रोजगार सृजित होने के साथ-साथ निवेश के पर्याप्त अवसर पैदा होने और स्टार्ट-अप को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। इसी तरह, यह भारतीयों के लिए नौकरी के बेहतर अवसर प्रदान करेगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच आदान-प्रदान में वृद्धि हुई है। गोयल ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया की संसद ने भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को पारित करने की घोषणा की है और अगले पांच से छह वर्षों में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार का प्रारंभिक आकार लगभग 45-50 अरब डॉलर तक जा सकता है। ऑस्ट्रेलियाई संसद की ओर से समझौते को मंजूरी दिए जाने के बाद व्यापार सौदे पर एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि इस सौदे के तहत ऑस्ट्रेलिया टैरिफ लाइनों पर 100 प्रतिशत शुल्क समाप्त कर देगा। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि व्यापक और व्यापक हितधारक परामर्श के बाद समझौते को अंतिम रूप दिया गया था, उन्होने बताया कि यह "सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया था।

2 अप्रैल, 2022 को जिस सौदे पर हस्ताक्षर किया गया था, वह अब इसके शीघ्र कार्यान्वयन के लिए अनुसमर्थन के लिए तैयार है। मंत्री गोयल के बयान के ठीक बाद मंगलवार शाम को भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में कहा, दोनों पक्षों की ओर से अपनी घरेलू प्रक्रियाओं को पूरा करने के बाद एक पारस्परिक रूप से सुविधाजनक तिथि पर समझौता शीघ्र ही लागू किया जाएगा।

सोने की कीमतों में गिरावट, चांदी भी टूटी

नई दिल्ली, 23 नवंबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमतों में बुधवार सुबह गिरावट देखने को मिल रही है। निवेशक इस समय यूएस फेडरल रिजर्व की ताजा बैठक से मिलने वाले संकेतों का इंतजार कर रहे हैं। यही कारण है कि कीमतों में बड़ा एक्शन देखने को नहीं मिल रहा है। घरेलू वायदा बाजार में बुधवार सुबह सोना मामूली गिरावट के साथ ट्रेड करता दिखा। एमसीएक्स एक्सचेंज पर शुरुआती कारोबार में 5 दिसंबर 2022 की डिलीवरी वाला सोना 0.17 फीसदी या 89 रुपये की गिरावट के साथ 52,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड करता दिखा। सोने की वैश्विक वायदा और हाजिर दोनों कीमतों में भी बुधवार सुबह गिरावट दिखी।

चांदी में भी गिरावट

सोने के साथ ही चांदी के वायदा भाव भी गिरावट के साथ ट्रेड करते दिखे। एमसीएक्स पर 5 दिसंबर 2022 की डिलीवरी वाली चांदी बुधवार सुबह 0.04 फीसदी या 26 रुपये की बेहद मामूली गिरावट के साथ 60,960 रुपये प्रति किलोग्राम पर ट्रेड करती दिखी। वैश्विक स्तर पर भी चांदी की घरेलू और वायदा कीमतों में गिरावट देखी गई है। वैश्विक स्तर की बात करें, तो बुधवार सुबह सोने के वायदा और हाजिर दोनों भाव गिरावट के साथ ट्रेड करते दिखे। ब्लूमबर्ग के अनुसार, सोने का वैश्विक वायदा भाव कॉमेक्स पर बुधवार सुबह 0.26 फीसदी या 4.60 डॉलर की गिरावट के साथ 1750.20 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखाई दिया।

अमेरिका जाना इतना आसान नहीं!

यूएस वीजा के लिए करना पड़ रहा 3 साल का इंतजार

नई दिल्ली, 23 नवंबर (एजेंसियां)। अगर आप बिजनेस और टूरिस्ट वीजा पाकर अमेरिका जाने की सोच रहे हैं तो आपके लिए बुरी खबर है, क्योंकि अमेरिकी वीजा के अप्वाइंटमेंट यानी इंटरव्यू के लिए लिए भारतीयों को महीनों में नहीं, बल्कि सालों में इंतजार करना पड़ेगा. भारतीयों को अमेरिकी वीजा-बी1 (बिजनेस) और बी2 (टूरिस्ट) के लिए करीब तीन साल का तक का लंबा इंतजार करना पड़ रहा है. आधिकारिक आंकड़ों की मानें तो अमेरिकी वीजा पाने की राह देख रहे भारतीय आवेदकों के लिए वेटिंग टाइम 1000 दिनों के करीब है.

अमेरिकी स्टेट डिपार्टमेंट की वेबसाइट पर सर्च करने से पता चलता है कि आज यानी 23 नवंबर तक बी1/बी2 वीजा इंटरव्यू के लिए वेटिंग टाइम यानी प्रतीक्षा अवधि 961 दिन है. बता दें कि भारत अमेरिकी वीजा के लिए लंबी प्रतीक्षा अवधि के मुद्दे को अमेरिका के समक्ष उठाता रहा है. इसके जवाब में अमेरिका का कहना है कि अमेरिका के लिए भारत (वीजा जारी करने के मामले में) नंबर एक प्राथमिकता है। अमेरिकी स्टेट डिपार्टमेंट की वेबसाइट के मुताबिक, मुंबई में रहने वाले आवेदकों के लिए वेटिंग टाइम 999 दिन है तो वहीं, हैदराबाद के आवदेकों के लिए 994 दिन है. अमेरिकी वीजा के अप्वाइंटमेंट के लिए चेन्नई वालों को 948 दिनों का इंतजार करना पड़ेगा, जबकि केरल वालों का वेटिंग टाइम 904 दिन है. हालांकि, इसमें स्पष्ट कहा गया है कि यह अनुमान है क्योंकि कर्मचारियों की संख्या और वर्क लोड के आधार पर वेटिंग टाइम का समय आगे-पीछे भी हो सकता है. बता दें कि सितंबर में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका का दौरा किया था और उस दौरान उन्होंने अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के साथ वीजा आवेदनों के बैकलॉग का मुद्दा उठाया था. इस मसले पर एक टॉप अमेरिकी राजनयिक ने कहा कि वह इस मुद्दे के प्रति बेहद संवेदनशील हैं और वे दुनिया भर में इसी तरह की स्थिति का सामना कर रहे हैं, जो कि कोविड के कारण उत्पन्न हुई चुनौती है.

आने वाले दिनों में महंगा हो सकता है डीजल

न्यूयॉर्क, 23 नवंबर (एजेंसियां)। कच्चा तेल समेत कई जरूरी कमोडिटी के दाम घटने से जो राहत मिलती नजर आ रही है, वह गायब हो सकती है। आम जीवन और पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था के लिए सबसे महत्वपूर्ण ईंधन डीजल की किल्लत बढ़ने वाली है। अगले कुछ महीनों में दुनिया का हर हिस्सा इससे प्रभावित होगा।

अमेरिका में डीजल का स्टॉक करीब 40 साल के निचले स्तर पर डीजल की किल्लत के संकेत अभी से मिलने लगे हैं। अमेरिका में डीजल का स्टॉक करीब 40 साल के निचले स्तर पर आ गया है। यूरोप में भी करीब-करीब यही हाल है। मार्च तक हालात और खराब होंगे, जब समुद्र के रास्ते रूस से डीजल आयात पर प्रतिबंध लागू होंगे। स्थिति अभी से खराब होने लगी है। डीजल का वैश्विक (एक्सपोर्ट) निर्यात घटने लगा है, जिसका सबसे ज्यादा असर पाकिस्तान जैसे गरीब देशों पर होगा। दरअसल डीजल से न सिर्फ बसें, ट्रक, जहाज और ट्रेनें चलती हैं, बल्कि कंस्ट्रक्शन व खेती-बाड़ी में काम आने वाली मशीनें और फैक्टरियां भी चलती हैं।

लैपटॉप कंपनी एचपी 6000 एम्प्लॉइज को निकालेगी

नई दिल्ली, 23 नवंबर (एजेंसियां)। मेटा, ट्विटर और अमेजन के बाद अब एक और टेक कंपनी ने जॉब कट का फैसला किया है। लैपटॉप और इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफ्रैक्चरर हैवलेट पैकर्ड यानी एचपी इंक लगभग 6,000 लोगों को निकाल सकती है। ये उसकी टोटल वर्कफोर्स का करीब 12% है। एचपी में अभी 50,000 से ज्यादा एमप्लॉइज हैं। हालांकि, कंपनी का छंटनी का ये प्लान 2025 तक पूरा करने का है।

एचपी ने अपनी वित्तीय वर्ष 2022 की फुल ईयर रिपोर्ट के दौरान ये घोषणा की है। कोरोना महामारी के दौरान पीसी और लैपटॉप सेगमेंट में जोरदार उछाल देखने को मिला था। हालांकि, अब बिक्री में कमी आई है जिस कारण एचपी ने एम्प्लॉइज की संख्या में कटौती का फैसला किया है। ग्लोबल मार्केट में महंगाई और मंदी की चिंता भी जॉब कट के कारणों में से एक हो सकता है।

रेवेन्यू साल दर साल 0.8% घटा

एचपी ने कहा कि चौथी तिमाही में रेवेन्यू साल दर साल 0.8% घटकर 14.80 बिलियन डॉलर हो गया। पर्सनल सिस्टम सेगमेंट में रेवेन्यू, जिसमें पीसी शामिल हैं, 13% गिरकर 10.3 बिलियन डॉलर हो गया। प्रिंटिंग रेवेन्यू 7% कम होकर 4.5 बिलियन डॉलर हो गया। एचपी से पहले ट्विटर ने करीब 50% एम्प्लॉइज को निकाला है, जबकि मेटा ने अपने इतिहास की सबसे बड़ी छंटनी करते हुए 11,000 लोगों को निकाला है। वहीं न्यूयॉर्क टाइम्स में दावा किया गया है कि अमेजन में भी 10,000 से ज्यादा कर्मचारियों की छंटनी की जा चुकी है। अमेजन ने खुद भी अगले साल तक छंटनी जारी रहने की जानकारी दी है।

गूगल में जल्द होगी छंटनी

बीते दिन खबर आई थी कि गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट 10,000 एम्प्लॉइज की छंटनी कर सकती है। इंफॉर्मेशन की एक रिपोर्ट में ये दावा किया गया था। मार्केट कंडीशन और कॉस्ट कटिंग के कारण ऐसा किया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक गूगल मैनेजर्स को 'खराब प्रदर्शन' करने वाले कर्मचारियों का विश्लेषण करने और उन्हें रैंक देने के लिए कहा गया है।

मंदी और जॉब का कनेक्शन

मंदी की शुरुआत में, जैसे-जैसे कंपनियां कम मांग, घटते मुनाफे और ऊंचे कर्ज का सामना करती हैं, कई कंपनिया कॉस्ट कटिंग करने के लिए एम्प्लॉइज की छंटनी शुरू कर देती हैं। बढ़ती बेरोजगारी कई संकेतकों में से एक है जो मंदी को परिभाषित करती है। मंदी में कंज्यूमर कम खर्च करते हैं और इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन भी धीमा हो जाता है।

नेपाल पीएम देउबा डडेलधुरा से 7वीं बार चुनाव जीते

नेपाली कांग्रेस ने संसद की कुल 275 में से 10 सीटें जीतीं, मतगणना जारी

काठमांडू, 23 नवंबर (एजेंसियां)। नेपाल आम चुनाव में कार्यवाहक प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा दोबारा चुने गए। सत्तारूढ़ नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा चुनाव में 25,534 मतों के साथ धनकुटा के गृह जिले से लगातार 7वीं बार चुने गए। पीएम देउबा ने निष्पक्ष चुनाव के लिए लोगों का शुक्रिया अदा कियाः नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने संसदीय तथा प्रांतीय चुनाव के शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष तरीके से संपन्न होने के बाद नेपाल के लोगों का शुक्रिया अदा किया।

संसद और विधानसभा के चुनाव एक-साथ

नेपाल की संसद की कुल 275 सीटों और प्रांतीय विधानसभाओं की 550 सीटों के लिए वोटिंग हुई थी। देश के 1 करोड़ 80 लाख से ज्यादा वोटर अपनी सरकार को चुनेंगे। इसके रिजल्ट एक हफ्ते में आने की उम्मीद है।

देउबा की जीत से भारत को फायदा

प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा का कहना है कि उकसाने और शब्दों की लड़ाई की बजाय वो भारत के साथ कूटनीति और बातचीत के जरिए विवाद सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं।

यूएस और चीन से आर्थिक मदद पर भी राजनीतिक पार्टियों में मतभेद

नेपाल की राजनीतिक पार्टियों में अमेरिका और चीन से आर्थिक मदद पर मतभेद हैं। देउबा की पार्टी ने अमेरिकी मिलेनियम चैलेंज कोऑपरेशन के तहत 42 हजार करोड़ रुपए की मदद को स्वीकार किया है। इसे संसद से भी पास करा लिया गया है। जबकि केपी शर्मा ओली की पार्टी चीन के साथ बीआरआई करार पर ज्यादा उत्सुक नजर आते हैं। छोटी पार्टियों ने विदेशी मदद पर चुनाव प्रचार में अपना रुख साफ नहीं किया है।

भारत-नेपाल के रिश्ते

नेपाल अपनी जरूरत का ज्यादातर सामान इंपोर्ट करता है। ये सामान भारत के रास्ते से होकर नेपाल पहुंचता है।

दोनों देशों के बीच 2018 में हुए भूमि विवाद (लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधारा) से शुरू हुआ तनाव अभी जारी है।

ओली सरकार के कार्यकाल में बढ़ा भारत-नेपाल तनाव

ओली का कहना है कि प्रधानमंत्री बनते ही वो भारत के साथ सीमा विवाद हल कर देंगे। वे देश की एक इंच भूमि भी जाने नहीं देंगे। हालांकि एक्सपर्ट्स का कहना है कि 2 साल से ज्यादा सत्ता में रहने के बावजूद ओली ने इस विवाद को हल करने के लिए कोई प्रयास नहीं किया। बतौर पीएम ओली ने कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा को नेपाल में दर्शाता हुआ नया मैप जारी किया था।

नेपाल में राजनीतिक अस्थिरता

नेपाल में पॉलिटिकल इनस्टैबिलिटी है। यहां 1990 में लोकतंत्र स्थापित हुआ था और 2008 में राजशाही को खत्म कर दिया गया था। 2006 में सिविल वॉर खत्म होने के बाद से कोई भी प्रधानमंत्री अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाया है। नेतृत्व में बार-बार बदलाव और राजनीतिक दलों के बीच आपसी विवाद के चलते डेवलपमेंट धीरे हो रहा है।

अमेरिकी दबाव में मंकीपॉक्स का नाम

'मंकीपॉक्स' करने पर विचार कर रहा डब्ल्यूएचओ

जिनेवा, 23 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के दबाव में विश्व स्वास्थ्य संगठन मंकीपॉक्स बीमारी का नाम बदलकर एमपीऑक्स करने जा रहा है। एक अमेरिकी समाचार पत्र की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। मंकीपॉक्स वायरस को लेकर खौफ खत्म करने के इरादे से यह कदम उठाया जा रहा है। 'द पोलिटिको' के अनुसार डब्ल्यूएचओ यह निर्णय बाइडन प्रशासन के अधिकारियों के बढ़ते दबाव के कारण कर रहा है। अमेरिकी अधिकारियों ने विश्व स्वास्थ्य संगठन से निजी तौर पर डब्ल्यूएचओ से नाम बदलने को कहा था। इसकी घोषणा बुधवार को की जा सकती है। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों के हवाला से पोलिटिको की रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका इस बात से चिंतित है कि मंकीपॉक्स वायरस का नाम बीमारी के कलंक गहरा कर रहा है। इसके कारण देश में टीकाकरण अभियान प्रभावित हो रहा है। बता दें, मई 2022 की शुरुआत से मंकीपॉक्स के मामले कई देशों में सामने आए हैं। अमेरिकी रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्रों के अनुसार देश में लगभग 30,000 केस दर्ज किए हैं। अमेरिका में मंकीपॉक्स वायरस के अधिकांश केस पश्चिमी या मध्य अफ्रीकी देशों की बजाए यूरोप व उत्तर अमेरिका की यात्रा करने वालों में मिले हैं। अफ्रीकी देशों में यह वायरस स्थानीय स्तर पर फैल रहा है।

वर्जीनिया के वॉलमार्ट स्टोर में गोलीबारी कई लोगों के मारे जाने की आशंका

न्यूयॉर्क, 23 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में एक बार फिर गोलीबारी की घटना हुई है। वर्जीनिया के वॉलमार्ट स्टोर में गोलीबारी की खबर आ रही है। बताया जा रहा है कि गोलीबारी में कई लोगों के मारे जाने की आशंका है। पुलिस ने बताया कि वर्जीनिया वॉलमार्ट में मंगलवार रात हुई गोलीबारी में कई लोगों की मौत हो गई है। कई अन्य घायल भी हुए हैं। पुलिस का मानना है कि एक शूटर था। वह भी मारा गया है। चेसापिक पुलिस प्रवक्ता एमपीओ लियो कोसिंस्की ने इसकी जानकारी दी है। कई रिपोर्ट्स में यह दावा भी किया जा रहा है कि गोलीबारी स्टोर के मैनेजर ने ही की। उसने पहले स्टाफ पर गोलियां बरसाईं और फिर खुद को भी गोली मार ली। हालांकि, इसकी पुष्टि अब तक नहीं हो पाई है।

तुर्की में भूकंप के तेज झटकों से दहशत में लोग

रिक्टर पैमाने पर छह मापी गई तीव्रता

अंकारा, 23 नवंबर (एजेंसियां)। तुर्की में बुधवार सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। भूकंप अंकारा से पश्चिम-उत्तर-पश्चिम में 186 किमी दूर आया। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता छह मापी गई। भूकंप के झटके सुबह छह बजकर 28 मिनट पर आया। भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किमी गहराई में था। नेशनल सेंटर फॉम सिस्मोलॉजी ने यह जानकारी दी है। अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। तुर्की की आपदा प्रबंधन एजेंसी ने बताया कि स्थानीय समयानुसार बुधवार सुबह 4:08 बजे आए भूकंप का केंद्र दुजसे से लगभग 14 किलोमीटर उत्तर पश्चिम में था। भूकंप ने तुर्की के उत्तर-पश्चिमी दुजसे प्रांत को प्रभावित किया। इस्तांबुल और अंकारा शहरों में झटके महसूस किए गए।

तुर्की के आंतरिक मंत्री सुलेमान सोयलू ने बताया कि अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। इस्तांबुल में लोगों ने भूकंप के तुरंत बाद बिजली कटौती की सूचना दी। इससे पहले तुर्की ने दुजसे प्रांत में 1999 में आए भूकंप की 23वीं वर्षगांठ पर देशव्यापी भूकंप अभ्यास आयोजित किया था। इसके ठीक 10 दिन बाद भूकंप आया है। 1999 में आए भूकंप में 710 लोगों की जान गई थी।

इंडोनेशिया में मृतकों का आंकड़ा 268 तक पहुंचा

इससे पहले इंडोनेशिया के जावा के मुख्य द्वीप में सोमवार को आए शक्तिशाली भूकंप में मरने वालों का आंकड़ा 268 तक पहुंच गया है। करीब 1000 लोग घायल भी हुए हैं। बचाव दल भूकंप के झटकों की श्रृंखला के बीच मलबे के नीचे फंसे बचे लोगों की तलाश कर रहे हैं। 5.6 तीव्रता के भूकंप का केंद्र राजधानी जकार्ता से लगभग 75 किमी (45 मील) दक्षिण-पूर्व में पहाड़ी पश्चिम जावा में सियांजुर शहर के पास था। 13,000 से अधिक लोगों के घरों को भारी नुकसान पहुंचा है।

सऊदी अरब ने 10 दिनों में 12 का सिर काटा

मरने वालों में 3 पाकिस्तानी; भारत में इस जुर्म के लिए सिर्फ 6 महीने की सजा

रियाद, 23 नवंबर (एजेंसियां)। 15 नवंबर 2022 को सऊदी अरब में गुलजार खान नाम के एक पाकिस्तानी शख्स के सिर को धड़ से अलग कर दिया गया। इस सप्ताह गुलजार तीसरा पाकिस्तानी शख्स था, जिसे सऊदी में मौत की सजा मिली। पिछले 10 दिनों में 12 लोगों के सिर को धड़ से अलग करके यहां मौत की सजा दी गई है। 1 सितंबर 2022 को सऊदी अरब पुलिस ने रियाद के एक वेयर हाऊस से 4.60 करोड़ नशीली गोलियों के साथ 8 लोगों को गिरफ्तार किया था। इनमें 2 लोग पाकिस्तान और 6 सीरिया के थे। सऊदी प्रशासन ने तुरंत इस पर एक्शन लिया।

इसके बाद दो महीने में गुलजार खान समेत 12 लोगों के खिलाफ कई मामलों में यहां की सुप्रीम कोर्ट में मुकदमा चला। 14 नवंबर को कोर्ट ने प्रतिबंधित नशीली दवाओं की तस्करी में इन सभी को दोषी पाते हुए मौत की सजा सुनाई। सऊदी अरब प्रेस एजेंसी के मुताबिक मौत की सजा पाने वालों में 3 पाकिस्तान, 4 सीरियाई, 2 जॉर्डन और 3 सऊदी अरब के नागरिक थे। दरअसल, शरिया कानून और इस्लामिक लॉ के तहत यहां किसी तरह की नशीली दवा रखना या खरीदना-बेचना अपराध है। इस तरह के आरोप में दोषी पाए जाने पर सऊदी में मौत की सजा दी जाती है।

शरिया लॉ की वजह से सऊदी में कठोर कानून

यूके सरकार ने अपनी सरकारी वेबसाइट पर ट्रैवल एडवाइजरी में कहा है कि सऊदी अरब दुनिया के उन देशों में है, जहां सबसे ज्यादा कठोर कानून हैं। इसकी वजह यहां शरिया लॉ का लागू होना है। सऊदी प्रशासन का मानना है कि शरिया कानून के हर शब्द का एक धार्मिक महत्व है। यहां के शरिया लॉ में भगवान के हवाले से कई कानूनों के लिए सजा का प्रावधान है। इन कानूनों के तहत आने वाले गुनाहों को सीधे भगवान की खिलाफत करना समझा जाता है। शरिया कानून में जिंदगी जीने का रास्ता बताया गया है। सभी मुसलमानों से उम्मीद की जाती है कि वो इन्हीं कानूनों के हिसाब से अपनी जिंदगी जीएंगे। एक मुसलमान के दैनिक जीवन के हर पहलू, यानी उसे कब क्या करना है और क्या नहीं करना है का रास्ता शरिया कानून है। शरिया में पारिवारिक, वित्त और व्यवसाय से जुड़े कानून शामिल हैं। शराब पीना, नशीली दवाओं का इस्तेमाल करना या तस्करी करना यहां शरिया कानून के तहत सबसे बड़े अपराधों में से एक है। जब कोई शख्स इस कानून को तोड़ता है तो उसे ईश्वर के खिलाफ किया गया अपराध माना जाता है। यही वजह है कि यहां इन अपराधों में कड़ी सजा के नियम हैं।

सऊदी अरब के कानून में 3 तरह से दी जाती है मौत की सजा

सऊदी अरब में मौत की सजा शरिया के हुदूद कानून के तहत दी जाती है। यहां ताजिर कानून में मौत की सजा देने के तरीकों का जिक्र किया गया है, जिसके तहत 3 तरह से मौत की सजा दी जाती है...

1. धारदार हथियार से सिर को धड़ से अलग करके।

2. फांसी के फंदे से लटकाकर।

3. गोली मारकर।

रॉयटर्स रिपोर्ट के मुताबिक सऊदी में गोली मारकर मौत की सजा सिर्फ खास मामलों में ही दी जाती है।

यहां मौत की सजा देने के लिए ये प्रोसेस अपनाया जाता है-

सबसे पहले जिस महिला या पुरुष को मौत की सजा दी जाती है, डॉक्टर उसके स्वास्थ की जांच करते हैं।

इसके बाद उसे कोर्ट के आंगन या उस चौराहे पर ले जाया जाता है, जहां उसे फांसी की सजा दी जानी है।

फिर जिसे फांसी की सजा दी जानी होती है, वह शख्स अपने घुटने के बल पर वहां बैठ जाता है। इसके बाद एक प्रशासनिक अधिकारी वहां मौजूद लोगों को उस शख्स के किए गए अपराधों की जानकारी देता है।

अंत में मौत की सजा देने वाला शख्स जिसे सुल्तान कहते हैं, धारदार हथियार से अपराधी के सिर को धड़ से अलग कर देता है।

जिन अपराध में सऊदी में मौत, उन अपराध में भारत में कितनी सजा?

सऊदी अरब में नशीली दवाओं को रखने और तस्करी करने को गंभीर अपराध माना जाता है। भले ही आपके पास से 2 ग्राम अफीम या हेरोइन मिले, लेकिन सजा मौत ही दी जाती है। भारत में प्रतिबंधित मादक दवाओं के रखने और बेचने को लेकर अलग-अलग कानून हैं। भारत में अगर आपके पास से कम मात्रा में हेरोइन या अफीम मिलता है तो कोर्ट आपको 6 महीने की जेल और 10 हजार रुपए तक जुर्माने की सजा सुना सकती है। वहीं, ज्यादा मात्रा में प्रतिबंधित नशीली दवा पाए जाने पर 10 साल से 20 साल तक की सजा हो सकती है, लेकिन इस तरह के मामलों में यहां मौत की सजा देने का प्रावधान नहीं है।

पाक सेना का बिजनेस 1.5 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा

रियल एस्टेट से लेकर बैंक तक का कारोबार, यही करप्शन की जड़

इस्लामाबाद, 23 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तानी सेना के अफसरों की संपत्ति बेतहाशा है। एक्सपर्ट्स ने इसकी एक ही वजह बताई है- सेना देश का सबसे बड़ा कारोबारी घराना है। वह इंडस्ट्री चलाती है और भ्रष्टाचार में लिप्त है। वहां की संसद में पेश आधिकारिक दस्तावेजों के मुताबिक, पाकिस्तानी सेना 1.5 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का कारोबार करती है। कारोबार में सीमेंट, खाद, बीज, तेल, गैस, बिजली, एयरपोर्ट सर्विस, विमानन पार्ट्स, जूते, सेना के उपकरण, सिक्योरिटी सर्विस, डिस्टलरी, बैंक, मीट, मेटल, विज्ञापन एजेंसी, मेडिकल सर्विसेज से लेकर रियल एस्टेट तक शामिल हैं। सेना की ओर से यह कारोबार 50 से ज्यादा कंपनियों या प्रोजेक्ट चार नामों आर्मी वेलफेयर ट्रस्ट, मिलिट्री फाउंडेशन, शाहीन फाउंडेशन और बहरिया फाउंडेशन के तहत चलाती है।

72 सैन्य अफसर सस्पेंड

1947 के बाद से अब तक मेजर के रैंक से ऊपर के 72 सैन्य अफसरों को भ्रष्टाचार के मामलों में सस्पेंड किया जा चुका है। इमरान खान के कार्यकाल में 6 अफसरों पर भ्रष्टाचार के मामलों में जांच जारी है।

2500 करोड़ का घोटाला

हाल में ही सरकार की ऑडिट में खुलासा हुआ है कि पाकिस्तानी सेना ने 2500 करोड़ रुपए का घोटाला किया है। इसमें सेना के बड़े अधिकारियों की मिलीभगत से सैन्य भूमि और छावनियों की जमीनें अपने लोगों को कौड़ियों के दाम में बेची गई।

6 साल में अरबपति बने बाजवा

पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा की संपत्ति साढ़े चार सौ करोड़ रुपए है। यह उनके 6 साल के कार्यकाल में 6 गुना हो चुकी है। पिछले 6 सालों में बाजवा के रिश्तेदारों और करीबियों ने कराची, लाहौर समेत पाकिस्तान के बड़े शहरों में फॉर्म हाउस बनाए, इंटरनेशनल बिजनेस और कॉमर्शियल प्लाजा शुरू किए। इसके अलावा उन्होंने विदेशों में प्रॉपर्टी भी खरीदी है।

मुशर्रफ ने बढ़ाया भ्रष्टाचार

2018 की जांच के मुताबिक तानाशाह जनरल परवेज मुशर्रफ ने राष्ट्रपति बनते ही पसंदीदा अफसरों को करीब एक लाख करोड़ रुपए के प्लॉट और अन्य फायदे दिए। मुशर्रफ और उसके परिवार के नाम अरबों रुपए की 10 संपत्तियां थीं।

स्विस बैंक में 25 रिटायर्ड अफसरों के खाते

क्रेडिट सुइस की अक्टूबर 2021 की रिपोर्ट के मुताबिक, पाक सेना के 25 रिटायर्ड अफसरों के स्विस बैंक में खाते हैं। इनमें 80 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा जमा है। इसमें आईएसआई के पूर्व प्रमुख अख्तर अब्दुर रहमान खान का खाता भी है। उनके अकाउंट में 15 हजार करोड़ रुपए बताए जाते हैं।

चीन में दुनिया की सबसे बड़ी एपल फैक्ट्री में संघर्ष

वेतन विवाद को लेकर भड़के श्रमिक

बीजिंग, 23 नवंबर (एजेंसियां)। चीन स्थित दुनिया की सबसे बड़ी एपल आईफोन फैक्ट्री में कोरोना तालाबंदी और वेतन विवाद को लेकर कर्मचारियों के उग्र विरोध प्रदर्शन की खबर है। इसे लेकर कई वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहे हैं। सुरक्षाबलों के साथ संघर्ष में कई श्रमिकों के घायल होने की बात कही जा रही है। सैकड़ों कर्मचारियों का फैक्ट्री के सुरक्षा कर्मियों के साथ संघर्ष हुआ। कोरोना के चलते करीब एक माह से फैक्ट्री में कठोर पाबंदियों व वेतन को लेकर विवाद के कारण श्रमिकों के भड़क उठने की खबर है। चीन के झेंगझोऊ स्थित एपल संयंत्र में अक्तूबर से तनाव देखा जा रहा था। कोरोना पाबंदियों के चलते तालाबंदी शुरू होने से श्रमिकों में असंतोष बढ़ता जा रहा था।

आईफोन सिटी में 2,00,000 से अधिक श्रमिकों में से कई को आइसोलेट किया जा चुका था। उन्हें भोजन व दवाओं की मुश्किल हो रही थी। सोशल मीडिया में वायरल हो रहे वीडियो के अनुसार फॉक्सकॉन प्लांट के कर्मचारी फैक्ट्री से बाहर निकल आए। इसके बाद उनकी सुरक्षा कर्मियों से झड़प हुई। एक अन्य वीडियो में गार्ड जमीन पर लेटे एक श्रमिक को लाठियों से पीटते नजर आ रहे हैं। इसी दौरान लड़ो, लड़ो के नारे गूंजते हैं। श्रमिकों की भीड़ बैरिकेड्स लांघते हुए प्रदर्शन करते नजर आए। पुलिस के साथ भी श्रमिकों की तकरार हुई।

एक श्रमिक ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि वेतन भुगतान नहीं होने और कोरोना संक्रमण फैलने की आशंकाओं को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया। एक वीडियो में उग्र श्रमिक एक प्रबंधक को घेरे हुए नजर आए। एक श्रमिक ने कहा कि सभी श्रमिकों के कोविड पॉजिटिव होने का खतरा है। एक अन्य व्यक्ति ने कहा कि आप हमें मौत के मुंह में भेज रहे हैं। सुरक्षा कर्मियों के साथ झड़प में कई श्रमिक घायल हुए हैं। शांति बहाल करने के लिए बुधवार को दंगा-रोधी पुलिस भी मौके पर पहुंची। फॉक्सकॉन ने इस घटना पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

हिंदू बनकर मंगलुरु में धमाके की साजिश

सावरकर का पोस्टर लगाने पर दो लोगों को चाकू घोंप चुका है आईएसआईएस आतंकी शारिक

मंगलुरु, एक्सक्लूसिव डेस्क, 23 नवंबर। मंगलुरु के नागुरी बस अड्डे पर प्रेमराज हुतगी ने एक ऑटो को हाथ दिया। ड्राइवर पुरुषोत्तम ने प्रेमराज को बिठाया और पंपवेल जंक्शन के लिए चल पड़ा। ऑटो कुछ दूर ही पहुंचा कि तेज धमाका हुआ। आसपास सफेद धुएं का गुबार फैल जाता है। लोग समझे कि ऑटो का टायर फट गया। प्रेमराज का शरीर 40% और ड्राइवर 20% तक झुलस गया।

पुलिस पड़ताल में पता लगा कि धमाका प्रेशर कुकर में हुआ था, जिसे प्रेमराज ले जा रहा था, दरअसल ये एक बम था। अगले दिन कर्नाटक के डीजीपी प्रवीण सूद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि यह एक आम विस्फोट नहीं। आतंकी हमला था। इसका मकसद बड़ा था।

पुलिस के एक और खुलासे ने चौंका दिया। प्रेमराज असल में प्रेमराज नहीं मोहम्मद शारिक था। यह आईएसआईएस यानी सीरिया और इराक में तबाही मचाने वाले इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया से जुड़ा आतंकी है।

हिंदू बनकर मैसुरु में किराए का मकान लिया

अस्पताल में भर्ती प्रेमराज की जेब से मिले आधार कार्ड के पते पर जब पुलिस पहुंची तो पता चला कि आधार कार्ड फर्जी था। शारिक ने जिस प्रेमराज नाम से आधार कार्ड बनवा रखा था, वो रेलवे कर्मचारी है और कर्नाटक के तूमकुर में पोस्टेड है। उधर असली प्रेमराज का आधार कार्ड पिछले दो साल में दो बार खो चुका था। उसने आधार कार्ड खोने की सूचना पुलिस को नहीं दी थी। उसके पास यूनीक आईडी थी, जिसके जरिए दूसरा कार्ड प्रिंट करवा लिया।

शारिक ने डेढ़ महीने पहले फर्जी प्रेमराज नाम के आधार कार्ड के सहारे मैसूरु के बाहरी इलाके में एक कमरा किराए पर लिया था। 20 नवंबर 2022 को पुलिस इस कमरे पर रेड डाली। रेड के दौरान कमरे से विस्फोटक बनाने का सामान मिला। इसमें जिलेटिन पाउडर, सर्किट बोर्ड, बैटरी, मोबाइल, लकड़ी का चूरा, एल्यूमीनियम मल्टी मीटर, तार, बोल्ट और प्रेशर कुकर शामिल हैं। रेड में कमरे से दो और फर्जी आधार कार्ड के साथ एक फर्जी पैन कार्ड और एफआईएनओ डेबिट कार्ड मिला है। आतंकी शारिक और विस्फोटक बनाने की तैयारी में था। उसने यह घर पिछले महीने किराए पर लिया था। मकान मालिक को उसने बताया था कि वह मोबाइल रिपेयरिंग की ट्रेनिंग लेने के लिए शहर में आया है। शारिक जिस सिम कार्ड का यूज कर रहा था, उसे कोयंबटूर से खरीदा था। सिम खरीदने के लिए शारिक ने अपने सहयोगी सुरेंद्रन के क्रेडेंशियल्स का उपयोग किया था। तमिलनाडु पुलिस ने सुरेंद्रन को अब हिरासत में ले लिया है। मैसूरु आने से पहले शारिक केरल और तमिलनाडु भी गया था।

ग्रैफिटी में लिखा था- हमें लश्कर को बुलाने पर मजबूर न करें

कर्नाटक के शिवमोगा जिले के

तीर्थहल्ली के रहने वाला शारिक पहले भी कट्टरपंथी गतिविधियों में लिप्त था। शारिक 15 अगस्त 2020 को शिवमोगा में सांप्रदायिक तनाव बढ़ाने के आरोप में वॉन्टेड है। स्वतंत्रता दिवस के दिन हिंदूवादी विचारक वीर सावरकर का पोस्टर लगाने पर विवाद हुआ था। इस दौरान 2 लोगों को चाकू घोंप दिया था। दो आरोपियों माज और सैयद यासीन को यूएपीए के तहत गिरफ्तार किया गया था। वहीं शारिक को भगोड़ा घोषित कर दिया गया था।

26/11 के मुंबई आतंकी हमले की बरसी के एक दिन बाद 27 नवंबर 2020 को शारिक को मंगलुरु में दीवार पर ग्रैफिटी बनाने के आरोप में यूएपीए के तहत गिरफ्तार किया गया था। शारिक ने ग्रैफिटी में लिखा था, 'हमें एलईटी (लश्कर-ए-तैयबा) को बुलाने पर मजबूर न करें। मुंबई पर भी लश्कर-ए-तैयबा के ही आतंकियों ने हमला किया था। शारिक पर कई लोगों को रेडिकलाइज (कट्टरपंथी बनाया) करने का भी आरोप है। शारिक से प्रभावित 2 लोगों को पुलिस ने 20 नवंबर 2022 को पकड़ा है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि उन्हें फिलहाल हिरासत में लिया है और पूछताछ की जा रही है।

आईएसआईएस हैंडलर्स से कॉन्टैक्ट के लिए डार्क वेब का इस्तेमाल करता था

आईएसआईएस आतंकी शारिक हैंडलर्स से कॉन्टैक्ट के लिए डार्क वेब का इस्तेमाल करता था। शारिक कई हैंडलर्स के साथ काम करता था, इनमें से एक आईएसआईएस से जुड़ा अल हिंद भी है। शारिक का हैंडलर अराफत अली था, जो 2 मामलों में आरोपी है। शारिक मुसाविर हुसैन के संपर्क में भी था, जो अल हिंद मॉड्यूल केस में आरोपी है। अब्दुल मतीन ताहा भी शारिक के मेन हैंडलर्स में से एक था। शारिक के साथ 2 से 3 और हैंडलर्स काम कर रहे थे, लेकिन इनकी पहचान नहीं हो पाई है।

कोयंबटूर ब्लास्ट से जुड़ा मोहम्मद शारिक का लिंक

दक्षिण भारत में दो महीने में यह दूसरा ब्लास्ट है। दोनों ही ब्लास्ट में आईएसआईएस का नाम सामने आया है। मंगलुरु कुकर बम विस्फोट मामले में कोयंबटूर का एंगल भी सामने आया है। 23 अक्टूबर 2022 को तमिलनाडु के संगमेश्वर मंदिर के पास खड़ी एक गाड़ी में ऐसा ही ब्लास्ट हुआ था। उस ब्लास्ट में आरोपी 29 साल के जमेशा मुबीन की मौत हो गई थी। जांच में पता चला कि विस्फोट एक आतंकी साजिश थी। बाद में मुबीन के घर से देसी बम बनाने में इस्तेमाल होने वाले कई कम तीव्रता वाले विस्फोटक बरामद किए गए थे। कोयंबटूर और मंगलुरु के धमाकों में फर्क सिर्फ इतना है कि कोयंबटूर में ब्लास्ट गैस सिलेंडर से हुआ था और मंगलुरु का ब्लास्ट प्रेशर कुकर में हुआ था, लेकिन एक ही तरह के सर्किट बोर्ड से।

दोनों बम बनाने के तरीकों में भी समानता पाई गई है। संगमेश्वर मंदिर के सामने कार ब्लास्ट से कुछ दिन पहले शारिक तमिलनाडु गया था। यानी यह सिर्फ इत्तेफाक नहीं, इससे भी ज्यादा की बात हो सकती है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि हम यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या मुबीन और शारिक के बीच कोई लिंक था? दोनों आईएसआईएस से कैसे जुड़े? हमारी पुलिस टीमें सिंगनल्लूर छात्रावास से और जानकारी हासिल करने की कोशिश कर रही हैं। तमिलनाडु जाने पर शारिक यहीं पर रुका था।

कई छोटे-छोटे बम धमाकों की साजिश रच रहा था

शारिक के घर में विस्फोटक बनाने वाला जो सामान मिला है। उससे यह पता चलता है कि शारिक अपने मैसूर स्थित किराए के कमरे में कम तीव्रता वाले घरेलू बम बनाने की प्रैक्टिस कर रहा था। इसके पर्याप्त सबूत मिले हैं कि वह अगले कुछ महीनों में इस तरह के कई छोटे-छोटे बम धमाकों की साजिश रच रहा था।

शनिवार को जो ब्लास्ट हुआ वो कम तीव्रता वाला था। इसमें माचिस की तीलियों या बारूद में इस्तेमाल होने वाले फास्फोरस जैसे विस्फोटकों का इस्तेमाल किया गया था। बम को बहुत खतरनाक तरीके से बनाया गया था। कुकर में जानबूझकर नट और बोल्ट डाले गए थे ताकि ज्यादा नुकसान हो। आशंका है कि बम गलती से अपने तय स्थान से पहले ही फट गया। माना जा रहा है कि शारिक आईईडी-रिग्ड कुकर बम को पहले बस से मैसूर से मेंगलुरु ले गया और बाद में शनिवार को ऑटो रिक्शा से किसी प्रेयर वाले स्थान पर ले जाने वाला था। यात्रा के चलते घर्षण हुआ होगा, जिससे विस्फोटक सामग्री गर्म हो गई होगी। यही समय से पहले विस्फोट हो जाने की वजह बना होगा।

भीषण सड़क हादसे में 8 लोगों की मौत

बोलेरो और ट्रक में आमने-सामने टक्कर, अस्थि विसर्जन कर तेलंगाना से लौट रही थी फैमिली

जगदलपुर, 23 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़-तेलंगाना राज्य की सीमा पर भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के 8 लोगों की मौत हो गई। एक्सीडेंट में घायल दो बच्चों की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिनका इलाज जारी है। मरने वाले सभी एक ही परिवार के सदस्य थे। बोलेरो वाहन से ये सभी भद्राचलम में अस्थि विसर्जन के लिए गए हुए थे। लौटते समय बोलेरो और ट्रक की आमने-सामने से टक्कर हो गई। दोनों वाहनों की टक्कर इतनी भीषण थी कि 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी को अस्पताल पहुंचाया जहां दो लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पोस्टमॉर्टम के बाद सभी 8 शवों को आज बम्हनी गांव पहुंचाया गया है।

पुलिस के मुताबिक कुछ दिन पहले कोंडागांव जिले में पदस्थ एक जवान ने सुसाइड कर लिया था। मृत जवान के परिवार के 10 सदस्य बोलेरो वाहन में सवार होकर तेलंगाना के भद्राचलम में दो दिन पहले अस्थि विसर्जन के लिए गए हुए थे। मंगलवार की देर शाम बस्तर लौट रहे थे। इसी बीच छत्तीसगढ़ से 30 किमी पहले बोड्डुगुडेम गांव के पास वाहन की ट्रक से भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए।

6 लोगों की मौके पर मौत

हादसे के बाद वाहन में सवार कुछ लोग दूर जा गिरे जबकि ड्राइवर समेत एक बुजुर्ग वाहन में ही फंसे थे। इस हादसे में 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, 4 लोग घायल हो गए। मार्ग से गुजर रहे लोगों ने सभी घायलों को भद्राचलम अस्पताल पहुंचाया, जहां 2 लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

2 घायलों का इलाज जारी है। मृतकों और घायलों में बच्चे और महिलाएं भी शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ बनेगा ड्रोन और यूएवी का हब

कंपनी ने राज्य सरकार से किया करार, प्रदेश के युवाओं को मिलेगा रोजगार

रायपुर, 23 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में भी ड्रोन और यूएवी-अनमैन्ड एरियल व्हीकल का उत्पादन जल्द शुरू होगा। इसके लिए एक कंपनी रायपुर में यूनिट लगाएगी। कंपनी ने राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ इसका करार किया है। सरकार ने बायो एथेनॉल उत्पादन करने वाली एक कंपनी के साथ भी करार किया है। यह दोनों कंपनियां प्रदेश में 190 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश करने जा रही हैं।

नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित छत्तीसगढ़ बिजनेस समिट में डेबेस्ट रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड ने अधिकारियों ने राज्य में निवेश की संभावनाओं पर बातचीत की। उसके बाद प्रदेश में ड्रोन और यूएवी उत्पादन यूनिट लगाने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर हुए।

कंपनी की ओर से मनीष वाजपेई ने एमओयू पर हस्ताक्षर किया। यह कंपनी 50 करोड़ 95 लाख रुपए का निवेश करेगी। एथेनॉल उत्पादन इकाई स्थापित करने के लिए एनकेजे बायोफ्यूल, दुर्ग ने भी एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

यह कंपनी 140 करोड़ का निवेश करेगी। कंपनी की ओर से राजेश गौतम ने हस्ताक्षर किए। एमओयू पर हस्ताक्षर के समय नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिव कुमार डहरिया, लघु वनोपज संघ के प्रबंध संचालक श्याम सुंदर बजाज, रुरल इंडस्ट्री के संचालक अरुण प्रसाद, राज्य औद्योगिक विकास निगम के कार्यकारी संचालक अनिल श्रीवास्तव भी मौजूद थे। बिजनेस समिट में छत्तीसगढ़ के अधिकारियों ने इलेक्ट्रॉनिक्स, लघु वनोपज, हस्तशिल्प और हथकरघा आदि क्षेत्रों में अवसरों और निवेश की संभावनाओं-सुविधाओं की जानकारी देकर कारोबारियों, उद्यमियों और निर्यातकों को छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए आमंत्रित किया।

उद्योग विभाग के विशेष सचिव हिमशिखर गुप्ता ने बताया, छत्तीसगढ़ सरकार के नई औद्योगिक नीति 2019-2024 में उद्योगों की स्थापना से जुड़े नियमों को सरल बनाया है। उद्योगों को विभिन्न स्वीकृतियां प्रदान करने के लिए एकल खिड़की प्रणाली लागू की गई है।कई प्रकार की रियायतें व सुविधाएं प्रदान की जा रही है। स्टार्ट-अप के लिए विशेष पैकेज प्रदान किए जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ में कोर सैक्टर के साथ ही इलेक्ट्रॉनिक्स, लघु वनोपज और हस्तशिल्प और हथकरघा आदि क्षेत्रों में भी फोकस किया जा रहा है।

सरकार ने नई उद्योग नीति 2019 में बनाई थी। इसके बाद भी कोरोना संकट की वजह से 2020-21 में अपेक्षाकृत कम निवेश आया। वर्ष 2021-22 में यह निवेश तेजी से बढ़ा। इतना की देसी-विदेशी कंपनियों से निवेश पाने में छत्तीसगढ़ देश के शीर्ष 10 राज्यों में शुमार रहा। छत्तीसगढ़ को मिलने वाला नया निवेश 0.45 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया। यह वृद्धि वर्ष 2020-21के मुकाबले 176 प्रतिशत की रही। इस सूची में गुजरात और राजस्थान शीर्ष पर हैं।

आने वाले समय में सरकार के सभी मंत्रालय अपने फील्ड के कामों के लिए ड्रोन का इस्तेमाल करेंगे। गांव में लैंड मैपिंग का काम भी ड्रोन से होगा। रक्षा, स्वास्थ्य, मैनुफैक्चरिंग, कार्गो आदि सभी क्षेत्रों में ड्रोन का इस्तेमाल होगा। पीएम मोदी ने नई दिल्ली के प्रगति मैदान में देश के सबसे बड़े ड्रोन उत्सव "भारत ड्रोन महोत्सव 2022" का उद्घाटन किया था। इस बीच पीएम मोदी ने कार्यक्रम के दौरान किसान ड्रोन पायलटों से बातचीत की और ओपन एयर ड्रोन उड़ान प्रदर्शन का अवलोकन भी किया था। केवल इतना ही नहीं पीएम मोदी ने इस क्षेत्र से जुड़े स्टार्टअप्स के लोगों से भी बातचीत और चर्चा की थी।

सूर्यकांत और आईएएस विश्नोई को कोर्ट लाई ईडी

दो खनिज अधिकारियों को गिरफ्तार किया

रायपुर, 23 नवंबर (एजेंसियां)। मनी लांड्रिंग मामलें में जेल में बंद कोयला कारोबारी सूर्यकांत तिवारी, निलंबित आईएएस समीर विश्नोई समेत चारों आरोपियों को ईडी के अधिकारी न्यायालय लेकर पहुंचे हैं। इन आरोपियों की न्यायिक रिमांड की अवधि बुधवार को खत्म हो गई थी। ईडी ने अदालत से आरोपियों की न्यायिक रिमांड बढ़ाने की मांग की है। वहीं एक आरोपी सुनील अग्रवाल की ओर से अदालत में जमानत की अर्जी लगाई गई है।

प्रवर्तन निदेशालय-ईडी ने 11 अक्टूबर को प्रदेश के कई जिलों में एक साथ छापा डाला था। इसमें 13 अक्टूबर को चिप्स के तत्कालीन सीईओ समीर विश्नोई, अधिवक्ता और कारोबारी लक्ष्मीकांत तिवारी और कोयला कारोबारी सुनील अग्रवाल को गिरफ्तार किया गया। ईडी ने इनमें 14 दिन तक पूछताछ की है। उसके बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। इस मामले में आरोपी सूर्यकांत तिवारी ने 29 अक्टूबर को ईडी की विशेष अदालत में समर्पण कर दिया। उसे वहां से गिरफ्तार कर ईडी की हिरासत में भेज दिया गया।

10 नवम्बर को आरोपियों ने मूल एफआईआर पर कर्नाटक हाईकोर्ट के स्टे के आधार पर राहत की मांग की। दो दिनों की सुनवाई के बाद अदालत ने कुछ खास राहत देने से इन्कार कर दिया। उसके बाद सभी चारो आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। बीच में समीर विश्नोई ने जमानत का आवेदन दिया जिसे अदालत ने खारिज कर दिया था। बुधवार को कारोबारी सुनील अग्रवाल की ओर से जमानत की अर्जी लगाई गई है। मामले की सुनवाई जारी है।

दो और अधिकारी हिरासत में

ईडी ने सोमवार को कई जिलों में फिर से छापे मारे। इस दौरान निशाने पर खनिज विभाग के कार्यालय और कलेक्ट्रेट की खनिज शाखा थी। कई खनिज अधिकारियों से पूछताछ की गई। बताया जा रहा है, एजेंसी ने मंगलवार को बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के खनिज अधिकारी अवधेश बारिक और धमतरी के खनिज निरीक्षक खिलावन भूआर्य को हिरासत में लिया है।

2016 बैच के आईएएस अधिकारी समीर विश्नोई को ईडी ने 13 अक्टूबर को गिरफ्तार किया था। न्यायालय में उन्हें पहले आठ दिन और बाद में 6 दिन के लिए ईडी को रिमांड पर दिया था। यह रिमांड 27 अक्टूबर को पूरी हो रही थी। तब तक सरकार ने विश्नोई को कोई एक्शन नहीं लिया। इस बीच 19 अक्टूबर को एक आदेश जारी कर छत्तीसगढ़ इंफोटेक प्रमोशन सोसाइटी-चिप्स में रितेश अग्रवाल को अस्थायी तौर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी नियुक्त कर दिया गया। समीर विश्नोई 2009 बैच के आईएएस अफसर हैं। छत्तीसगढ़ कैडर मिलने के बाद प्रदेश में कई अहम पदों पर रह चुके हैं। आईएएस समीर विश्नोई कानपुर के रहने वाले हैं। वहीं इनकी स्कूली पढ़ाई हुई। पढ़ाई में ब्रिलियंट रहे हैं। जेईई क्लियर किया और इन्हें आईआईटी कानपुर में दाखिला मिला।

11 अक्टूबर को प्रदेश के कई शहरों में ईडी के छापों में तिवारी के नाम पर करोड़ों के अवैध-लेन-देन के सबूत मिले थे। इसमें कोयले के खनन, ट्रांसपोर्टिंग सहित और भी मामलों में उगाही के कागज मिले थे। इसमें सभी में तिवारी और उससे जुड़े लोगों का दखल पाया गया था। ईडी सूर्यकांत तिवारी को भी पकड़ना चाह रही थी, मगर वह इनकी पहुंच से बाहर था।

एनएचएम कर्मियों को स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने दिया भरोसा

नियमित करने की प्रक्रिया जल्द होगी शुरू

रांची, 23 नवंबर (एजेंसियां)। राज्य में कार्यरत 16 हजार एनएचएम कर्मियों को उनकी नौकरी नियमित होने का आश्वासन स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने दी है। आज एनएचएम कर्मियों ने नियमित करने की मांग को लेकर स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता से की मुलाक़ात। मुलाकात के बाद मंत्री बन्ना गुप्ता ने आश्वासन देते हुउ कहा कि समिति गठन की प्रकिया चल रही है। जल्द ही नियमित करने को लेकर सकारात्मक पहल किया जायेगा। स्वास्थ्य मंत्री के साथ हुई बातचीत के बाद कर्मियों ने उनका धन्यवाद भी दिया।

स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता के आवासीय कार्यालय पर सैकड़ों की संख्या में एनएचएम के विभिन्न जिलों से आये कर्मियों ने अपने नियमितीकरण की मांग को लेकर मुलाक़ात की। इससे पहले भी करीब 1 माह पहले इन कर्मियों ने मुलाक़ात कर अपनी मांगों को रखा था। बताते चलें कि आज जब

मंत्री बन्ना गुप्ता को पता चला कि एनएचएम कर्मियों ने मुलाक़ात करने की इच्छा जाहिर की है तो वे आवास से बाहर आये और कर्मियों से बात की।

मंत्री बन्ना गुप्ता ने कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में सरकार विकास का कार्य कर रही है। इसके साथ ही विभिन्न अनुबंध कर्मियों की समस्याओं के समाधान के लिए भी प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में मैंने अपर मुख्य सचिव को पत्र लिखकर एक तीन सदसीय कमिटी के निर्माण का निर्देश दिया है जो हाईकोर्ट के निर्देश और अन्य राज्यों की नियमावली के अध्ययन के बाद राज्य के विभिन्न अनुशंसाओं को आधार बनाकर एक रिपोर्ट सरकार को समर्पित करें। जिसपर मुख्यमंत्री के दिशा निर्देश के बाद हम आगे बढ़ेंगे।

मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि आज स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव से इस संबंध में बात कर कल एक प्रतिनिधिमंडल को पुनः वार्ता के लिए बुलाया है।

रवींद्र गंझू के दस्ते ने किया हमला

10 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति जलकर राख, रेल लाइन तैयार कर रहे कर्मचारियों पर हमला

लातेहार, 23 नवंबर (एजेंसियां)। लातेहार में रेल पटरी निर्माण का काम कर रही कंपनी साइट पर माओवादियों ने हमला कर दिया। निर्माण कार्य में लगी दो बड़ी- बड़ी मशीनों में आग लगा दी। दर्जन भर गाड़ियों को भी आग के हवाले कर दिया है। माओवादियों के इस हमले में लगभग 10 करोड़ से अधिक की संपत्ति का नुकसान बताया जा रहा है। रविंद्र गंझू का दस्ता इन इलाकों में सक्रिय है,एक महीने में इस तरह का यह दूसरा हमला है और दोनों ही हमले रविंद्र गंझू के दस्ते ने किये हैं। चंदवा में भाकपा माओवादियों का यह हमला मंगलवार की शाम तकरीबन पांच बजे शाम को किया। कमांडर रविंद्र गंझू के नेतृत्व में इस बड़े हमले को अंजाम दिया है। घटना चेटर स्टेशन से कुछ दूरी पर हुई है। सूत्रों के अनुसार यह मामला लेवी से जुड़ा बताया जा रहा है। आरवीएनएल कंपनी चंदवा के गूंजराय गांव के पास रेल लाइन तैयार कर रही थी। अचानक यहां उग्रवादी पहुंचे, मशीन और गाड़ियों में आग लगा दी और काम कर रहे कर्मचारियों को धमकाते हुए काम रोकने के लिए कहा। रेल परिचालन इस रास्ते पर बाधित है। कर्मचारियों ने नक्सली हमले के संबंध में बताया, आग लगाने से पहले माओवादियों ने सभी कर्मचारियों को कतार में खड़ा किया। इसके बाद वाहनों में आग लगाने लगे। गाड़ियों में लगने वाली आग की लपटें इतनी तेज थी कि उन्हें दो किलोमीटर दूर से देखा जा सकता था। रविंद्र गंझू का दस्ता लेवी को लेकर लगातार हमले कर रहा है, इससे पहले भी चंदवा थाना क्षेत्र के केंदुआटांड़ साइट पर हमला करते हुए तीन लोगों को गोली मारी थी। झारखंड सहित कई राज्यों में नक्सली रविंद्र गंझू मोस्ट वांटेड है। 2019 में विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के कार्यक्रम से कुछ दूरी पर पर चंदवा थाना गेट से मात्र 3 किमी की दूरी पर लुकुइया में एनएच पर ही पेट्रोलिंग पार्टी पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी थी।

झारखंड में एक्टिव है मवेशी तस्करों का बड़ा गिरोह

पुलिस एक्टिव मोड में- गिरिडीह से तीन मवेशी लदे ट्रक पकड़े गये, चालक समेत कई लोग गिरफ्तार

गिरिडीह, 23 नवंबर (एजेंसियां)। गिरिडीह में मवेशी तस्करों का एक बड़ा गिराह पकड़ा गया है। मवेशी लदे तीन ट्रकगिरिडीह के गांडेय थाना की पुलिस ने पकड़े हैं।झारखंड के कई जिलों में पुलिस ने मवेशी तस्करों के खिलाफ अभियान छेड़ रखा है। पुलिस ने आजॉ सुबह मवेशी लदे तीन ट्रक जब्त किये हैं। इनमें सौ से अधिक मवेशियों की तस्करी की जा रही थी। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि इस रास्ते से मवेशियों की तस्करी का धंधा चल रहा है। पुलिस ने इस कार्रवाई में चालक समेत कई लोगों को गिरफ्तार किया है।

बिहार नंबर के तीन ट्रक पकड़े गये

इस अभियान में पकड़े गये लोगों से पुलिस पूछताछ कर रही है। मवेशी की तस्करी कर ये लोग

कहां बेचते हैं, पूरा गिरोह कैसे काम करता है और झारखंड के किन-किन इलाकों से मवेशियों की तस्करी की जाती है, इस संबंध में कई सवाल उनसे पूछे जा रहे हैं। बुधवार की सुबह तीन ट्रक जिनमें बीआर 27 पी 8173, बीआर 01 जीके 5517, बीआर 27 जी 6557 पकड़े गये। तीनों ट्रक बिहार के हैं। गुप्त सूचना पर गांडेय पुलिस ने छापेमारी की और बड़ी सफलता हाथ लगी है। मवेशी लदे ट्रकों को पचंबा गौशाला ले जाया गया है जहां जानवरों के रहने की व्यस्था की गयी है।

विदेश में बेचे जाते हैं मवेशी

झारखंड के कई जिलों से इसी तरह मवेशियों की तस्करी की जाती है। कोलकाता, बांग्लादेश जैसे जगहों पर इनकी बिक्री होती है। पुलिस गिरफ्तार किये गये लोगों से उनके गिरोह में शामिल दूसरे साथियों का नाम पूछ रही है। संभव है कि इस मामले में कई और लोगों की भी गिरफ्तारी हो।

पायलट-गहलोत में फिर दिखा टकराव

राहुल की यात्रा की तैयारियों पर हुई मीटिंग में दूर-दूर बैठे, सचिन पहले निकल गए

जयपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। जयपुर में बुधवार को राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा पर बैठक हुई। राहुल की यात्रा 3 दिसंबर को राजस्थान में एंट्री करेगी और 6 जिलों से गुजरेगी।

राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत और कांग्रेस नेता सचिन पायलट के बीच की तल्खी बुधवार को एक बार फिर जाहिर हुई। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा राजस्थान में आने वाली है। इसकी तैयारियों को लेकर बुलाई गई बैठक में गहलोत और पायलट दूर-दूर बैठे दिखे। दोनों नेताओं ने आपस में बात भी नहीं की। सचिन पायलट तो मीटिंग खत्म होने से पहले ही वहां से चले गए। राजस्थान में 25 सितंबर को हुए सियासी बवाल के बाद पहली बार दोनों नेता किसी इवेंट में एक साथ पहुंचे थे।

दरअसल, राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा 3 दिसंबर को यात्रा राजस्थान में आएगी। राहुल यहां 17 दिन तक रहेगी और यहां से हरियाणा जाएगी। यात्रा की राजस्थान में तैयारियों को लेकर समन्वय समिति की पहली मीटिंग कांग्रेस वॉर रूम में हुई। इसमें समिति के 33 सदस्य शामिल हैं।

मीटिंग खत्म होने से 30 मिनट पहले निकल गए सचिन

कांग्रेस की बैठक में गहलोत और पायलट की कुर्सी दूर-दूर थीं। पायलट हरीश चौधरी के बगल में बैठे। वहीं, अशोक गहलोत के एक

ओर जितेंद्र सिंह और दूसरी ओर प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा बैठे थे। करीब 12 बजे शुरू हुई मीटिंग में अशोक गहलोत देरी से पहुंचे और सचिन पायलट मीटिंग खत्म होने से करीब आधा घंटे पहले निकल गए।

भारत जोड़ो यात्रा के रूट का जायजा लेगी समिति

भारत जोड़ो यात्रा में बुधवार को मध्य प्रदेश के बुरहानपुर में है। बैठक में तय किया गया कि समन्वय समिति के सदस्य 25 नवंबर को राजस्थान में मध्य प्रदेश बॉर्डर से लेकर हरियाणा बॉर्डर तक के 527 किलोमीटर रूट का जायजा लेंगे।

विजय बैंसला को पायलट का जवाब

गुर्जर नेता विजय बैसला की धमकी और गुर्जर सीएम से जुड़े सवाल पर सचिन पायलट ने कहा& कांग्रेस पार्टी जब 21 सीट पर सिमट गई थी, हमें उस समय सब वर्गों से सहयोग मिला। हमें बहुमत सब वर्गों के सहयोग से मिला। उस बहुमत पर हम कारगर उतर सके उसकी कोशिश है।

भाजपा की नीति तोड़ने की है, यात्रा का मकसद जोड़ना है। राहुल गांधी की यात्रा से भाजपा के लोग विचलित हैं। वह यात्रा में बाधा डालना चाहते हैं। यह कोई राजनीतिक यात्रा नहीं है, इसके जरिए राहुल गांधी लोगों की बात सुन रहे हैं। राजस्थान में यात्रा भी सफल होगी।

अजय माकन नाराज होकर इस्तीफा दे चुके, नहीं पहुंचे

भारत जोड़ो यात्रा की समन्वय समिति में प्रदेश प्रभारी अजय माकन मेंबर हैं, लेकिन वह इस्तीफा दे चुके हैं, ऐसे में बैठक में शामिल नहीं हुए। माकन ने 8 नवंबर को ही कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को चिट्ठी भेजकर राजस्थान प्रभारी के पद से इस्तीफा दे दिया था। माकन का इस्तीफा अभी मंजूर नहीं हुआ है, लेकिन उन्होंने राजस्थान को लेकर कोई बैठक या फैसला भी नहीं किया है।

इस वजह से नाराज हैं माकन

माकन ने 25 सितंबर को कांग्रेस विधायक दल की बैठक का बहिष्कार करने के मामले में जिम्मेदार ठहराए गए तीन नेताओं शांति धारीवाल, महेश जोशी और धर्मेंद्र राठौड़ के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने पर नाराजगी जताते हुए इस्तीफा दिया है।

माकन ने खड़गे को लिखी चिट्ठी में इस बात पर नाराजगी जताते हुए पद छोड़ने की पेशकश की थी। 25 सितंबर को विधायक दल की बैठक के लिए खड़गे और माकन पर्यवेक्षक थे, दोनों की रिपोर्ट के आधार पर ही तीनों नेताओं को नोटिस जारी किए गए थे।

6 जिलों में 521 किलोमीटर का होगा राहुल की यात्रा का रूट

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा राजस्थान के छह जिलों से होकर गुजरेगी। यह यात्रा झालावाड़ जिले से मध्यप्रदेश से राजस्थान में एंटर करेगी। झालावाड़, कोटा, बूंदी, सवाईमाधोपुर, दौसा, अलवर जिले से होकर गुजरेगी। इन छह जिलों में यात्रा 521 किलोमीटर का सफर तय करेगी। करीब 3 दिसंबर को यात्रा राजस्थान में आएगी, 17 दिन तक राहुल की यात्रा राजस्थान में रहेगी।

जिला स्तर पर भी यात्रा के लिए बनाई कमेटियां

राज्य स्तर पर समन्वय समिति के अलावा जिला स्तर पर यात्रा के लिए कॉर्डिनेटर समिति बनाई है। जिले की समिति में प्रभारी मंत्री, संगठन के जिला और संभाग प्रभारी, जिले के सांसद उम्मीदवार,विधायक और विधायक उम्मीदवार और बोर्ड निगमों के अध्यक्ष समिति के सदस्य बनाए गए हैं ।

बैठक के बाद पायलट आज यात्रा में शामिल होने बुरहानपुर जाएंगे

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा आज से मध्यप्रदेश में प्रवेश कर रही है। महाराष्ट्र का सफर खत्म करके से राहुल की यात्रा बुरहानपुर से मध्यप्रदेश में प्रवेश करेगी। बुरहानपुर से यात्रा में प्रियंका गांधी शामिल होंगी। प्रियंका गांधी का चार दिन तक यात्रा में रहने का कार्यक्रम है। कांग्रेस वॉर रूम में बैठक के बाद सचिन पायलट राहुल की यात्रा में शामिल होने बुरहानपुर गए हैं। पायलट राहुल गांधी और प्रियंका गांधी से राजस्थान के सियासी हालात को लेकर चर्चा करेंगे।

सरदार शहर उपचुनाव से ज्यादा ताकत राहुल की यात्रा पर

कांग्रेस ने राहुल गांधी की यात्रा की तैयारियों पर पूरी ताकत लगा रखी है, पार्टी का फोकस सरदार शहर (चूरू) के उपचुनाव से ज्यादा यात्रा पर है। सरदार शहर सीट पर उपचुनाव के लिए 5 दिसंबर को वोटिंग है, जिस दिन वोटिंग है, उस समय राहुल की यात्रा राजस्थान में होगी।

गुजरात चुनाव में बीजेपी की वसुंधरा राजे से दूरी

कैंपेनिंग की किसी भी टीम में नाम नहीं, बाकी सीनियर नेताओं को मिली जिम्मेदारी

जयपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात विधानसभा चुनाव प्रचार अब अंतिम फेज की ओर बढ़ रहा है। चुनाव के लिए बीजेपी ने अपनी सभी टीमों को गुजरात भेज दिया। पड़ौसी राज्य होने के नाते राजस्थान से पार्टी ने हर प्रमुख नेता को गुजरात में जिम्मेदारी दी है। मगर चौंकाने वाली बात ये है कि पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे को कोई भी जिम्मेदारी नहीं दी गई है। वसुंधरा राजे का नाम गुजरात चुनाव में कहीं भी नहीं होना बीजेपी में चर्चा का विषय बना हुआ है। हाल ही में बीजेपी सेंट्रल लीडरशिप की ओर से कारपेट बॉम्बिंग रणनीति के तहत राजस्थान से 6 नेताओं को चुना गया। इन्हें अलग-अलग विधानसभाओं की जिम्मेदारी दी गई। मगर इसमें भी राजे को शामिल नहीं किया गया। कारपेट बाम्बिंग के लिए राजस्थान से केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, कैलाश चौधरी, गजेंद्र सिंह शेखावत पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी, राज्यसभा सांसद किरोड़ीलाल मीणा, उप नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ को अलग-अलग विधानसभाओं में भेजा गया है।

इस रणनीति के तहत नेता 22 से 24 नवम्बर तीन दिन तक अपनी विधानसभा में रुककर प्रचार कर माहौल बनाएंगे। अरुण चतुर्वेदी को हिम्मतनगर, राजेंद्र राठौड़ को थराद और किरोड़ीलाल मीणा को संतरामपुर विधानसभा में लगाया गया है। देशभर से 93 सीनियर नेताओं को इसमें शामिल किया गया है। मगर वसुंधरा राजे का नाम इसमें

नहीं है।

इस बार स्टार प्रचारकों में नहीं, पिछले चुनाव में थीं

बीजेपी ने इससे पहले स्टार प्रचारकों की लिस्ट बनाई थी। 40 स्टार प्रचारकों की सूची में देशभर के नेता थे। मगर इसमें वसुंधरा राजे समेत किसी भी राजस्थानी नेता को जगह नहीं दी गई। जबकि 2017 के चुनाव में सीएम रहते राजे स्टार प्रचारकों में शामिल थीं। इसके बाद हाल ही में राजस्थान के 38 सीनियर नेताओं को 30 विधानसभा सीटों पर भेजा जा रहा है। इस सूची में कई प्रमुख नेता शामिल हैं। इसमें कई विधायक, सांसद, जिलाध्यक्ष सहित कई महत्वपूर्ण चेहरे हैं। मगर इसमें भी राजे का नाम नहीं है।

प्रदेश के हर महत्वपूर्ण नेता को गुजरात में जिम्मेदारी

बीजेपी ने चुनाव से काफी समय पहले अपने कई नेता और उनके साथ पदाधिकारी गुजरात लगाए हुए थे। इसकी जिम्मेदारी सुशील कटारा, प्रमोद सामर और नारायण सिंह देवल पर थी। इसके अलावा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया को भी राजस्थानी प्रभाव वाली सीटों को देखने और उसे लेकर राजस्थान से मैनेजमेंट की जिम्मेदारी दी हुई थी। इसके अलावा नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया सहित अन्य नेताओं को भी प्रदेश या केंद्रीय स्तर से अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

उपचुनाव में स्टार प्रचारक, अभी तक दौरा नहीं

बीजेपी ने सरदारशहर उपचुनाव के स्टार प्रचारकों में वसुंधरा राजे को प्रचारक बनाया है। मगर राजे वर्तमान सरकार में उपचुनाव में प्रचार करते हुए ज्यादा देखी नहीं गई हैं। धरियावद और वल्लभनगर में हुए पिछले दो उपचुनाव में भी राजे प्रचार के लिए नहीं आई थी। अबतक सरदारशहर उपचुनाव को लेकर भी राजे का दौरा नहीं हुआ है। राजे के विरोधी खेमे का कहना है कि वर्तमान सरकार के ज्यादातर उपचुनावों के प्रचार से राजे ने दूरी बनाई है।

क्या बीजेपी के एजेंडे में फिट नहीं बैठती राजे?

गुजरात चुनाव से राजे को दूर रखने के पीछे केंद्रीय नेतृत्व की सोची-समझी रणनीति को माना जा रहा है। बीजेपी के विश्वस्त लोगों और जानकारों का मानना है कि राजे बीजेपी की ध्रुवीकरण और आक्रामक हिंदुत्व पॉलिटिक्स के एजेंडे पर फिट नहीं बैठती हैं। जानकारों का मानना है कि राजे अपनी अलग तरह की राजनीति करती हैं जो शायद हाईकमान के गले नहीं उतरती। वहीं कई लोगों का कहना है कि चुनाव प्रचार को लेकर राजे ने ज्यादा रुचि नहीं दिखाई होगी। इसी वजह से उन्हें जिम्मेदारी नहीं दी गई हो।

उदयपुर में इनकम टैक्स की रेड

2 रियल एस्टेट ग्रुप पर चल रही कार्रवाई, उदयपुर में 35 और मुम्बई के 2 ठिकानों पर सर्चिंग

उदयपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। उदयपुर में इनकम टैक्स की एक दर्जन से ज्यादा टीमों ने दो रियल इस्टेट कारोबारियों के यहां छापेमारी की है। अल सबह से टीमें सर्च कर रही है। ये ग्रुप एक्मे और अरिहंत ग्रुप है। जो दोनों उदयपुर के सवीना क्षेत्र में जमीनों के कारोबार से जुडे. है। एक्मे ग्रुप के निर्मल जैन और रमेश जैन मालिक है। अरिहंत ग्रुप के कालूलाल जैन मालिक है। उदयपुर में 35 और मुम्बई के 2 ठिकानों पर एक साथ दबिश दी गई। इस ग्रुप से जुडे.कई पार्टनर घरों पर भी टीमें सुबह पहुंच गई। सभी जगह टीमें डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के साथ ही बड़ी प्रॉपटी के दस्तावेज कर रही है। जयपुर इनकम टैक्स की यह टीम बताई गई है।

तीनों ही कारोबारियों के घरों पर उनके ग्रुप के कर्मचारियों से पूछताछ की जा रही है। टीम लंबी पूछताछ के जरिए हवाला के पैसों से खरीदी गई जमीनों के दस्तावेजों की जांच कर रही है। यही नहीं टीम आय के बारे में विस्तार से जानकारी ले रही हैं। उदयपुर में इन ग्रुप के पास एक हजार करोड़ से ज्यादा की प्रॉपर्टी हैं।

उदयपुर में कालूलाल जैन की करीब 500 करोड़ से ज्यादा जमीनें है। उनकी काया, बलीचा, तितरडी, नेला में प्रॉपर्टी है। उनकी ऋषभदेव में 2 मार्बल माइंस है। क्रेशर प्लांट भी है। निर्मल जैन का उदयपुर में हाउसिंग फाइनेंस का काम ज्यादा है। निर्मल की सवीना में एकमे रियल एस्टेट का कारोबार है। नेला में उनकी सर्वाधिक जमीनें है। हालांकि लंबे समय से उनका ये पार्टनर्स से विवाद चल रहा है।

गहलोत से बोले बाबा- किसी के चक्कर में मत पड़ना

वापस मुख्यमंत्री बनना, दिल्ली पर सीएम को मिला ये जवाब

जयपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। सीएम अशोक गहलोत ने चित्तौड़गढ़ के जालमपुरा के रहने वाले 96 साल के नगजीराम जाट से मुलाकात की। इस दौरान नगजीराम ने सीएम गहलोत से कहा कि किसी के चक्कर में मत पड़ना। वापस मुख्यमंत्री बनना।

राजस्थान में मुख्यमंत्री पद को लेकर घमासान जारी है। अशोक गहलोत मुख्यमंत्री पद छोड़ना नहीं चाहते हैं, वहीं सचिन पायलट बीते चार साल से सीएम पद का इंतजार कर रहे हैं। बीते मंगलवार को गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के अध्यक्ष विजय बैंसला ने राहुल गांधी से पायलट को सीएम बनाने की मांग कर दी। इधर, चित्तौड़गढ़ दौरे पर पहुंचे अशोक गहलोत ने एक वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है। जिसमें 96 साल के बाबा कह रहे हैं कि

किसी के किसी के चक्कर में मत पड़ना, वापस मुख्यमंत्री बनना। सीएम गहलोत के इस वीडियो को जमकर देखा जा रहा है।

दरअसल, मंगलवार को सीएम अशोक गहलोत चित्तौड़गढ़ दौरे पर थे। जहां उन्होंने इंदिरा गांधी स्टेडियम में पूर्व पीएम इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की आदमकद प्रतिमाओं का अनावरण किया। इसके अलावा विभिन्न कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया। सीएम अशोक गहलोत ने एक सभा को भी संबोधित किया। जिसमें उन्होंने कहा कि बार सरकार बदलने से नुकसान होता है। हमारी सरकार ने प्रदेश के विकास और लोगों को उनके हित की योजनाओं का लाभ देने में कोई कमी नहीं रखी है। 2023 के विधानसभा चुनाव में एक बार फिर कांग्रेस की सरकार इसके लिए जनता आशीर्वाद दे।

उन्होंने कहा कि आने वाली सरकार इससे और बेहतर काम करेगी।

सभा के बाद सीएम अशोक गहलोत ने चित्तौड़गढ़ के जालमपुरा के रहने वाले 96 साल के नगजीराम जाट से मुलाकात की। गहलोत ने उनसे पूछा कि आपका स्वास्थ्य अच्छा है, आपको 100 साल पूरे करने हैं। इस पर नगजीराम ने कहा कि कलेक्टर गठाला साहब तो 121 साल का कहकर गए थे। इस दौरान नगजीराम ने सीएम गहलोत से कहा कि किसी के चक्कर में मत पड़ना। वापस मुख्यमंत्री बनना। कोई कहीं पर भेज रहा है, किसी की नहीं सुनना। इसके बाद मुख्यमंत्री ने पूछा कि दिल्ली नहीं जाना क्या? तो नगजीराम ने कहा कि दिल्ली आपके पास आएगी। इसका वीडियो अशोक गहलोत ने अपने ट्विटर अकांउट से शेयर किया है।

दूसरे धर्म में शादी करने पर युवती को गोली मारी

जयपुर की घटना; पति लतीफ का अपने बड़े भाई पर आरोप

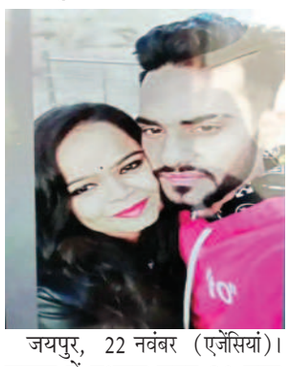

जयपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। जयपुर में बुधवार सुबह 26 साल की युवती को बाइक सवार दो युवकों ने पीछे से गोली मार दी। उसकी हालत गंभीर है। पति का आरोप है कि वारदात में उसके बड़े भाई शामिल हैं। उसका यह भी कहना है कि हमने करीब एक साल पहले कोर्ट मैरिज की थी। परिवार इससे नाखुश था। मेरे बड़े भाई हमें लगातार परेशान कर रहे थे, जिसकी मैंने सदर थाने में शिकायत भी की थी। युवती का नाम अंजलि है, पति का नाम अब्दुल लतीफ है। लतीफ का आरोप है कि उसके बड़े भाई अब्दुल अजीज का दोस्त रियाज हमला करने आया था और उसी ने गोली मारी है।

लतीफ का यह भी कहना है कि घटना के समय वह ऑफिस में था। अचानक फोन आया कि अंजलि को किसी ने गोली मार दी है। मैं सीधा अस्पताल पहुंचा। अंजलि ने मुझे बताया कि स्कूटी सवार फोन पर बात करते हुए आ रहे थे। रियाज की आवाज लग रही थी। वो किसी से पूछ रहा था, कहां गोली मारनी है।

अंजलि पीठ में गोली लगने के बाद बेहोश होकर सड़क पर ही गिर गई। उसे कांवटिया अस्पताल ले जाया गया, जहां से एसएमएस अस्पताल रेफर कर दिया गया। यहां ट्रॉमा सेंटर में उसका इलाज चल रहा है।

'ओबीसी युवाओं की मांग वाजिब, अन्याय नहीं करेंगे'

गहलोत बोले- पूर्व सैनिकों का भी पक्ष सुनेंगे

जयपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में ओबीसी आरक्षण में विसंगति के मामले मर अशोक गहलोत ने कहा कि नौजवानों की मांग जायज है और सरकार उनकी मांगों को लेकर गंभीर है. सीएम ने बताया कि पिछली सरकार की इस गलती पर हम हर पक्ष की बात सुन रहे हैं और न्याय करेंगे.

राजस्थान में ओबीसी आरक्षण में विसंगति के मसले पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का बड़ा बयान सामने आया है. जयपुर में भारत जोड़ो यात्रा को लेकर हुई एक बैठक के बाद सीएम गहलोत ने कहा कि ओबीसी के नौजवानों की मांग जायज है और सरकार उनकी मांगों को लेकर गंभीर है.

गहलोत ने कहा कि हमारी सरकार किसी के साथ भी अन्याय नहीं होने देगी. बता दें कि गहलोत कैबिनेट की बैठक बुधवार शाम 5 बजे होनी थी जिसको लेकर माना जा रहा था कि इस मसले पर कुछ फैसला आ सकता है लेकिन अब कैबिनेट मीटिंग स्थगित कर दी गई है जिसके बाद 24 नवंबर को शाम 5 बजे बैठक होना प्रस्तावित है. मालूम हो कि गहलोत सरकार में रहे पूर्व मंत्री हरीश चौधरी और अन्य कई विधायक ओबीसी आरक्षण की विसंगतियों को दूर करने की लंबे समय से सीएम गहलोत से मांग कर रहे हैं. वहीं राजस्थान कांग्रेस के मुखिया गोविंद सिंह डोटासरा ने ओबीसी आरक्षण आंदोलन के युवाओं से मुलाकात कर जल्द मामले में समाधान निकालने का आश्वासन दिया है.

वहीं ओबीसी आरक्षण के साथ पूर्व सैनिकों के नियमों में छेड़छाड़ का मसला भी उठ रहा है. हाल में पूर्व सैनिकों ने जयपुर में प्रदर्शन कर नियमों से छेड़छाड़ नहीं करने की मांग की.

सीएम गहलोत ने बुधवार को कहा कि हम सैनिकों का सम्मान करते हैं और सरकार उनके हितों का ध्यान रखते हुए फैसला करेगी.

पूर्व सैनिकों का करते हैं सम्मान : गहलोत

गहलोत ने कहा कि ओबीसी आरक्षण के मामले में किसी के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए इसलिए हम कैबिनेट बैठक में हर पक्ष की बात सुनना चाहते हैं. उन्होंने कहा कि ओबीसी युवाओं की मांग वाजिब है और 2018 में पिछली सरकार की एक तकनीकी खामी का उनको नुकसान उठाना पड़ रहा है.

गहलोत ने कहा कि पूर्व सैनिकों का हम सम्मान करते हैं, हम इस मामले में उनके हितों का भी ध्यान रखेंगे. गहलोत ने कहा कि हमनें 16 राज्यों में इस मसले पर सर्वे करवाया है जिसके बाद हम कैबिनेट में मंत्रणा कर राज्य में जल्द ही वही फॉर्मूला लागू करेंगे.

गहलोत ने कहा कि ओबीसी आरक्षण के मामले में कुछ लोग भ्रम फैला रहे हैं और इसे जातिगत मुद्दा बनाने की कोशिश कर रहे हैं. सीएम ने कहा कि यह जाटों और राजपूतों का मुद्दा नहीं है, यह एक बेहद संवेदनशील मसला है जिस पर सरकार गंभीर है.

प्रदेश में कानून-व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं

बलवीर बिश्नोई:बोले- कांग्रेस सरकार के खिलाफ 2 दिसंबर से शुरू होगी जनआक्रोश यात्रा

हनुमानगढ़, 22 नवंबर (एजेंसियां)। नगर मंडल की कार्यसमिति की बैठक में 2 दिसंबर से शुरू होने वाली जन आक्रोश यात्रा की तैयारियों पर चर्चा हुई।

हनुमानगढ़ में बीजेपी के जंक्शन नगर मंडल की कार्यसमिति की बैठक बुधवार को पार्टी ऑफिस में हुई। बैठक में 2 दिसंबर से जिले में निकाली जाने वाली जन आक्रोश यात्रा की तैयारियों पर चर्चा हुई। बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए बीजेपी जिलाध्यक्ष बलवीर बिश्नोई ने बताया ो बीजेपी की कार्य पद्धति के अनुसार पहले 12-13 नवंबर को झुंझुनूं में प्रदेश स्तरीय बैठक के बाद जिले में बैठक हुई। इस बैठक में पार्टी की ओर से किए गए कामों की समीक्षा के साथ आगामी कार्यक्रमों पर विचार-विमर्श किया गया। 19 नवंबर को जिला कार्य समिति की बैठक पीलीबंगा में हुई, जिसके बाद अब सभी मंडलों पर बैठकें हो रही हैं।

बिश्नोई ने बताया कि प्रदेश की भ्रष्ट सरकार व कुशासन राज के खिलाफ बीजेपी की ओर से जनआक्रोश यात्रा निकाली जाएगी। यह जनआक्रोश यात्रा प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में जाएगी। 29-30 नवंबर को 5 रथ जिला मुख्यालय पहुंच जाएंगे। इसके बाद 2 दिसंबर से जिले के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्रों के लिए पांचों रथों को एकसाथ रवाना किया जाएगा। यह जनआक्रोश यात्रा जनता के बीच पहुंचकर उनका समर्थन हासिल करने के साथ प्रदेश सरकार की नाकामियां बताएगी। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा के सवाल के जवाब में बिश्नोई ने कहा कि कांग्रेस अगर भारत को जोड़ने वाली होती तो 1947 में अखंड भारत क्यों टूटता। उस समय बीजेपी तो थी नहीं और न ही कोई अन्य दल था। तोड़ने वाले भारत को कभी जोड़ नहीं सकते।

रेल मंत्री बोले- वंदे भारत ट्रेन अजमेर भी रुकेगी

कहा- इस रूट से निकलने वाली एक ट्रेन का नाम सम्राट पृथ्वीराज चौहान होगा

अजमेर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव मंगलवार की शाम करीब छह बजे दिल्ली लौटे। इससे पहले उन्होंने अजमेर स्टेशन पर चाय पी।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा- सात-आठ महीने में वंदे भारत ट्रेन की मरम्मत शुरू होगी। अगले साल अप्रैल-मई तक इस ट्रेन को अजमेर से भी जोड़ दिया जाएगा। मतलब यहां स्टॉपेज कर दिया जाएगा। इसके बाद इसकी सुविधा अजमेर को भी मिलने लगेगी। अजमेर से निकलने वाली एक ट्रेन का नाम सम्राट पृथ्वीराज चौहान किया जाएगा। इसके लिए जल्द ही निर्णय लिया जाएगा।

मंगलवार सुबह करीब 6 बजे रेल मंत्री वैष्णव अजमेर पहुंचे। यहां उन्होंने रेल कारखाना भी देखा। उन्होंने कहा- दस लाख लोगों को केन्द्र सरकार ने नौकरी देने का लक्ष्य रखा है। पहला व दूसरा चरण पूरा कर लिया गया है। यह बहुत बड़ी मुहिम है। इससे युवाओं को रोजगार का अवसर मिलेगा। पुष्कर से मेड़ता रोड लाइन के सर्वे व डीपीआर का काम पूरा हो गया है। प्रपोजल सैंक्शन के लिए प्रधानमंत्री के सामने रखा जाएगा। अप्रूवल मिलते ही काम शुरू करा दिया

जाएगा। यह बहुत पुरानी मांग है।

वर्ल्ड क्लास स्टेशन होगा अजमेर

रेल मंत्री ने कहा- देश में 200 वर्ल्ड क्लास स्टेशन बनाए जाएंगे। इसमें अजमेर को भी शामिल किया गया है। उन्होंने कहा- राजस्थान में युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ किया जा रहा है। मोदी ने रेलवे के एग्जाम करवाए। 87 लाख युवा शामिल हुए। सिंगल कंपलेंट नहीं है। राजस्थान की जनता भी यही चाहती है। इसी तर्ज पर परीक्षा यहां भी होनी चाहिए।

अश्विनी वैष्णव ने कहा- आज भी हर रेल यात्री को 55 प्रतिशत की रियायत दी जा रही है। इतना बड़ा सिस्टम चलाना, कोई छोटी बात नहीं है। हर माह डेढ़ लाख करोड़ वेतन व पेंशन पर खर्च हो रहा है। केवल प्रलोभन देकर देश चलाने से देश का भला नहीं हो सकता। बहुत कुछ सोचना पड़ता है।

अश्विनी वैष्णव सबसे पहले सुबह 10 बजे रोजगार मेले में पहुंचे। यहां युवाओं से कहा- जिंदगी की एक नई जर्नी शुरू हो गई है। बहुत उतार-चढ़ाव आएंगे, क्या सही, क्या गलत। आंकलन करना पडेगा। रिस्क लें या नहीं, सोचना पडेगा। प्रलोभन भी मिलेंगे। एक मंत्र याद रखें। राष्ट्र प्रथम-सदैव प्रथम। वही लोग आगे गए, उन्हीं लोगों ने संतुष्टि हासिल की, जिन्होंने राष्ट्र को प्राथमिकता दी।

वैष्णव ने कहा- कई लोग आरोप लगाते हैं कि रोजगार कम है। उन लोगों को समझना चाहिए कि जब 2014 में मोदी सत्ता में आए। तब देश की परिस्थितियां कैसी थीं। देश अर्थ नीति से चलता है। बैंकिंग सिस्टम को खोखला कर रखा था। कैसे-कैसे स्कैम हुए। यह सबको पता है। उसे ठीक करने में समय लगा। रोजगार मेले में शामिल होने के बाद पत्रकारों से रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा- दस लाख लोगों को रोजगार दिया जाएगा। इतना बड़ा अभियान पूरी पारदर्शिता के साथ चलाया जा रहा है।

देश के लिए खतरा पैदा करने वाली नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को तत्काल वापस लें : शांतिकुमारी

आसिफाबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एसएफआई की 17वीं अखिल भारतीय कांग्रेस के अवसर पर एसएफआई कुमरम भीम जिला कमेटी ऑफ इंडिया स्टूडेंट फेडरेशन के तत्वावधान में राजकीय आदिवासी कन्या डिग्री कॉलेज आसिफाबाद में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया।टीएस यूटीएफ राज्य सचिव वी.शांति कुमारी इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे।उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लाई गई नई राष्ट्रीय शिक्षा व्यवस्था से शिक्षा के क्षेत्र में असमानता बढ़ेगी। उन्होंने आलोचना की कि वे शिक्षा क्षेत्र में 5+3+3+4 प्रणाली लाकर गरीबों को ड्रॉपआउट में बदलने की साजिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस एनईपी के जरिए आईसीडीएस को निष्क्रिय कर दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि यह शिक्षा व्यवस्था गरीबों को शिक्षा से दूर रखने का हिस्सा है। उनका कहना है कि शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह से कारपोरेट से बंधी हुई है और गरीबों को शिक्षा से वंचित किया जा रहा है।देश के लिए खतरा पैदा करने वाली इस नई राष्ट्रीय शिक्षा व्यवस्था को तत्काल वापस लिया जाना चाहिए।इस कार्यक्रम में बोले एसएफआई के जिला सचिव चापिले साईकृष्णा कुमरम भीम ने कहा कि एसएफआई की 17वीं अखिल भारतीय कांग्रेस हैदराबाद में 13 से 16 दिसंबर तक होने जा रही है और देश भर से एसएफआई के प्रतिनिधि इस कांग्रेस में शामिल होने की बात कही।भविष्य में एक राष्ट्रव्यापी एसएफआई छात्र आंदोलन के गठन के लिए गतिविधियों की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

उन्होंने आलोचना की कि एनईपी पूरी तरह से आरएसएस और बीजेपी के लाभ के लिए और शिक्षा के भगवाकरण के लिए लाया गया था। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को रद्द करने की मांग की, जो भारत के शिक्षा क्षेत्र को विदेशी और कॉरपोरेट जगत से जोड़ती है।एसएफआई ने छात्रों से राष्ट्रीय कांग्रेस जीतने का आह्वान किया।इस कार्यक्रम में एसएफआई जिला उपाध्यक्ष सतीश, कॉलेज प्राचार्य दिव्यरानी व छात्र-छात्राएं शामिल हुए।

कादंबिनी क्लब की 364वीं मासिक गोष्ठी आयोजित

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कादम्बिनी क्लब हैदराबाद के तत्वावधान में क्लब की 364वीं मासिक गोष्ठी का आयोजन प्रो. ऋषभदेव शर्मा की अध्यक्षता में गूगल मीट पर किया गया। प्रथम सत्र का आरंभ डॉ रमा द्विवेदी द्वारा सुमधुर स्वर में सरस्वती वंदना से हुआ। प्रथम सत्र में देशभक्त सुभद्रा कुमारी चौहान के काव्य सिद्धांत और उनका कवयित्री रूप विषय पर प्रमुख वक्ता डॉ. उषा दुबे (पूर्व प्राचार्या व एजीआई जबलपुर चैप्टर की संयोजिका) ने अपनी बात में कहा कि खूब लड़ी मर्दानी वो तो झांसी वाली रानी थी, कविता के रचयिता को कौन नहीं जानता। स्वदेश गौरव और स्वतंत्रता प्राप्ति के प्रयास में वह निरंतर आंदोलनों में सहभागी रहीं और कई बार जेल की यात्रा भी कीं। अवसर पर डॉ अहिल्या मिश्र ने कहा कि डॉ उषा तनमन से साहित्य के प्रति समर्पित रही हैं और आज बहुत ही सार्थक संगोष्ठी सत्र रहा। इसी क्रम में निशी मोहन, डॉ रमा द्विवेदी एवं डॉ आशा मिश्रा 'मुक्ता' ने भी सुभद्रा कुमारी चौहान के जीवन से जुड़ी संस्मरण साझा किए। प्रो. ऋषभ देव शर्मा ने अध्यक्षीय टिप्पणी में कहा कि डॉ उषा दुबे साहित्य की विशेषता हैं। सुभद्रा कुमारी चौहान के स्वर में राष्ट्रीय जागरण का स्वर है। अपने वचन को जीने वाली स्वतंत्रता आंदोलनकारी और स्त्री शक्ति तथा भारतीय नारी का पारंपरिक रूप उनमें देखने को मिलता है। उनके काव्य के कुछ अंश का पाठ प्रोफेसर ऋषभदेव ने किया। संगोष्ठी सत्र के संयोजक अवधेश कुमार सिन्हा व प्रवीण प्रणव ने भी अपनी बात रखी। दूसरे सत्र में प्रो शर्मा की अध्यक्षता एवं प्रवीण प्रणव की कुशल संचालन में कवि गोष्ठी आयोजित की गई। मीना मुथा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ गोष्ठी का समापन हुआ।

समस्याग्रस्त क्षेत्रों में ग्राम सभाओं में पुलिस की तैनाती : जिलाधीश

आसिफाबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर राहुल राज ने वन अधिकारियों को आश्वासन दिया है कि जिले में बंजर भूमि को लेकर समस्या वाले क्षेत्रों में ग्राम सभाओं के प्रबंधन के लिए पुलिस की स्थापना की जाएगी। वन परिक्षेत्र अधिकारी श्रीनिवास राव की हत्या का विरोध करते हुए वन अधिकारियों ने समाहरणालय कार्यालय के सामने धरना दिया और कलेक्टर को एक याचिका सौंपी। इस अवसर पर वन अधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि समस्याग्रस्त क्षेत्रों में गरीब भूमि की ग्राम पंचायतों के लिए पुलिस की व्यवस्था की जाएगी. उन्होंने बताया कि इसके लिए जिला एसपी और अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की गई। वन परिक्षेत्र अधिकारी श्रीनिवास राव ने कहा कि मारा जाना दर्दनाक है।उन्होंने कहा कि जिले में बंजर भूमि से संबंधित मामलों को ग्राम सभा में प्रकट नहीं किया जाना चाहिए और ग्राम सभा अंतिम निर्णय नहीं देती है। अधिकारियों की आपत्तियों को अनुमंडल स्तरीय समिति को लिखित रूप में प्रस्तुत किया जाना चाहिए। उन्होंने जिले में अधिकारियों द्वारा अब तक किए गए सर्वे की सराहना की। इस मामले में, वन अधिकारियों ने सुझाव दिया कि उन्हें लोगों की नज़रों में खुद को अपराधी नहीं बनाना चाहिए, और बंजर भूमि का शीर्षक देना वन अधिकारियों का काम नहीं है, उन्होंने कहा, और शीर्षक पर दिया जाना चाहिए कलेक्टर स्तर। उन्होंने कहा कि ग्राम सभा में भी सुझाव दिया जाना चाहिए। वन अधिकारियों ने तेलुपागा अनुमंडल स्तरीय समिति को एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का सुझाव दिया कि वे ग्राम सभा का बहिष्कार करेंगे। इस कार्यक्रम में जिला वन पदाधिकारी दिनेश कुमार, टीएनजीओ जिला अध्यक्ष महासचिव पोचैय्या, राजशेखर, वन विभाग के रेंज अधिकारी, संघ के सदस्य और वन कर्मचारियों ने भाग लिया।

अमावस पर मेडचल स्थित कालाकल या देवी श्री आइजी एसवीएसटी गौशाला में गौ सेवा करते हुए गौशाला के संस्थापक सीरवी ताराराम पवाँर, खिवराज बागरी, सुरेश देवासी, बगदाराम देवासी, खिवाराम, हनुमानलाल, मोहनलाल, आशाराम, धागलाराम, कालूराम, रुपाराम बर्फ़, सुरेश बर्फ़ा, कनाराम काग, बालाराम बर्फ़ा, अशोक हांबड़, सोहन सिंदडा, द्वारिका, प्यारीबाई, मंजु, सायरीबाई, विमला देवी एवं अन्य।

शामीर मंडल स्थित श्री आईजी गौशाला में अमावस्या पर दान-पुण्य व गायों को हरा चारा खिलाकर, भोजन-प्रसादी का लाभ लेते हुए अध्यक्ष जे.सी. चोलाराम हाम्बड़, लाभार्थी परिवार मल्लाराम, अरविन्द, आकाश काग व गौभक्त।

मारवाड़ी समाज एवं मारवाड़ी युवा मंच शाखा गंदीमैसामा द्वारा अमावस पर बीरमगुड़ा गौशाला में एक टोली घास गौ माता के लिए डाला गया। इस मौके पर उपस्थित मारवाड़ी युवा मंच शाखा अध्यक्ष राजूराम कुमावत, मंत्री मंगल मुलेवा, सहमंत्री कैलाश सोलंकी, केसाराम चौधरी, भरतभाई चौधरी नेमाराम राठौड़, बगदाराम सीरवी, हीरालाल, सुरेश बर्फा किशोर बर्फा और अन्य।

बिहार एसोसिएशन ने किया सम्मान समारोह का आयोजन

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हाल ही में महानगर में 25 से ज्यादा जगहों पर बिहार एसोसिएशन द्वारा आयोजित छठ महापर्व में पूरा सहयोग देने वाले एसोसिएशन के कर्मठ कार्यकर्ताओं के सम्मान में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

महासचिव प्रभास कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति से बताया गया कि बिहार एसोसिएशन हैदराबाद इस बार शहर के प्रायः सभी बतुकम्मा घाट पर पूजा का चाक-चौबंद व्यवस्था कराया था, जिसका संचालन केंद्रीय कार्यकारी पदाधिकारी के द्वारा संचालित किया जा रहा था। एसोसिएशन अध्यक्ष हरेराम सिंह, उपाध्यक्ष उत्तम यादव, बिहार फाउंडेशन चैप्टर हैदराबाद के अध्यक्ष मानवेन्द्र मिश्रा एवं उनके कार्यकारिणी टीम के माध्यम से शहर के सभी घाटों पर श्रद्धालुओं हेतु संसाधन जूटा कर अधिक से अधिक सुविधा जुटाने का प्रयास किया गया, जो सराहनीय था। क्षेत्रिय-वार एसोसिएशन के सदस्य जिनके अथक परिश्रम से इतना बड़ा यज्ञ पूरा हुआ उन सभी कर्मठ सहयोगियों को संस्था के द्वारा सम्मान समारोह आयोजित कर शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया, उसमें भरत सिंह, रविशंकर सिंह, दिलीप कुमार, एवं पीके सिंह, एके मौर्य एवं राम विनोद झा, मनोज कुमार, दीपक पांडा एवं चौधरी पंडित, उत्तम यादव, किशन प्रसाद, मनोज शाही व राहुल शाही, नंदलाल चौहान एवं संजय कुमार यादव, प्रेम शंकर सिंह, दिनेश सिंह, सौरव सिंह, राजीव रंजन, अतुल कुमार एवं सुमन प्रकाश, अखिलेश सिंह, गोपाल शाह, धर्मेंद्र सिंह, एनके सिंह, नागेंद्र राय एवं विनोद राय, चंद्रशेखर व विक्की एवं अखिलेश सिंह को सम्मानित किया गया। इन सभी ने छठ महापर्व का सुंदर एवं भव्यता से आयोजन कराया, जहां श्रद्धालुओं ने अपने आराध्य सूर्य देव के अस्ताचल एवं उदयाचल रूप को अर्घ्य देकर छठ महापर्व हर्षोल्लास के साथ भव्य रूप में समापन किया।

मां सुसवाणी के निर्माणाधीन मन्दिर का शिला पूजन संपन्न

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाग्यनगर में मां सुसवाणी के भव्य मन्दिर निर्माण का माता के भक्तों का सुनहरा सपना अतिशीघ्र साकार होने की ओर अग्रसर है। मां के मन्दिर निर्माण का कार्य तीव्रता से गतिमान है, इसी क्रम में मन्दिर के गर्भ गृह तथा चार दिशाओं के शीला पूजन का कार्य संपन्न हुवा। चारों दिशाओं की शिला पूजन का शुभ कार्य उनके लाभार्थी परिवार महावीर सांखला, विकास सुराणा, विनय सुराणा तथा संजय जी, दिनेश, विजय सुराणा के कर कमलों से संपन्न हुवा। इस विशेष अवसर पर मन्दिर के ऑफिस निर्माण हेतु राजकुमार सुराणा, त्रीचौकी निर्माण हेतु विनय सुराणा ने अपने अनुदान की घोषणा की।

श्री संजय, दिनेश, विजय सुराणा तथा विकाश सुराणा ने मन्दिर में कमरों के निर्माण में अपना आर्थिक योगदान देने की सहमति प्रदान की। इस अवसर पर आयोजित भजन कार्यक्रम में गायक रोहित शाह ने सुमधुर भजनों से बड़ी संख्या में उपस्थित माता के भक्तों को आनंदित किया। इस अवसर पर मां सुसवाणी ट्रस्ट बोर्ड से अध्यक्ष उगमराज सुराणा, मंत्री विनय सुराणा, कोषाध्यक्ष पारस सुराणा, मुकेश सुराणा(लाडनूँ),राजकुमार सुराणा,सज्जन सुराणा,उमेद दुगड़, जयसिंह सुराणा,मुकेश सुराणा आदि उपस्थित थे।

अमावस्या पर मंदिरों में अन्नदान कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अमावस्या पर छावनी परिषद स्थित बोइनपल्ली बापूजी नगर के कई मंदिरों में अन्नदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जम्पन्ना प्रताप ने मुख्य अतिथि के रूप में अन्नदान कार्यक्रमों में भाग लिया और भोजन दान कार्यक्रमों की शुरुआत की। अन्नादानम की शुरुआत बापूजी नगर नाला पोचम्मा मंदिर, जयनगर में मंदिर समिति के सदस्यों के साथ हुई। इस अवसर पर चिन्ना तिनाटा, एरोला श्रीनिवास, बोर्ड के पूर्व सदस्य पांडु यादव और रविंदर गुप्ता ने अन्नदान कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम में मंदिर समिति के सदस्य दुर्गाय प्रेम कुमार, अजित कल्याण नरसिम्हा श्रीकांत पवन, रामू गौड़ शशिधर गौड़ सहित अन्य ने भाग लिया।

इमलीबन गौशाला में अमावस्या पर गोसेवा करते हुए एनआर लक्ष्मण राव, परमेश्वरी शर्मा, सूर्य शुक्ला, श्रीनिवास, राजेंद्र मुधिराज, अरुण सिंह, अनिरुद्ध अग्रवाल, शक्ति सिंह, आशीष वाघमारे व अन्य।

अमावस्या पर रिकाबगंज में भंडारा कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुंभ मेला अग्रवाल बंधु, अशोक फाउंडेशन के तत्वावधान में अमावस्या पर अशोक फाउंडेशन अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल के नेतृत्व में भण्डारा चौक-रिकाब गंज में भंडारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भंडारा कार्यक्रम का शुभारंभ मां भगवती, देवी अन्नपूर्णा की पूजा अर्चना के साथ पंकज कुमार अग्रवाल, पवन भट्टड, सुनील, श्रीनिवास व अन्य कार्यकर्त्ता गणो की उपस्तिथ मे धूमधाम से धर्म की जय घोष के साथ आयोजित किया गया।

अमावस्या पर गौलीगुडा इमलीबन गौशाला में गायों को घास खिलाकर गोसेवा करते हुए पार्षद राकेश जायसवाल, गणेश लाल, रामकृष्ण, राजू व अन्य।

सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शारदा नगर, वनस्थलीपुरम में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पंडित सुखेंकर महाराज शास्त्री और उनके टीम द्वारा सुंदरकांड पाठ किया गया। इस दौरान महा आरती के बाद महा प्रसाद का आयोजन किया गया। जिसमें सभी भक्तों ने प्रसाद का लाभ उठाया। उत्तर भारती नागरिक संघ के चेयरमैन एनके सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में के. सत्यनारायण, सीआई वनस्थलीपुरम पुलिस स्टेशन और एसआई वनस्थलीपुरम मुख अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इनके अलावा मनोहर सिंह, नंदकिशोर सिंह, तुलसीराम बंसल, श्रवण दीपावली, संदीप दीपावली, सुरेश गोयल, विनोद गर्ग, वीसी दुबे, एसएस यादव, सुरेंद्र यादव, राजकुमार पांडे, संतोष दुबे, रमेश काबरा, डीआर अप्पा राव और अन्य भक्त गण उपस्थित रहे।

हंगर रिलीफ के तहत लायंस क्लब ऑफ बालानगर एलीट ने ईएसआई अस्पताल, एर्रागड्डा में जरूरतमंदों में भोजन वितरित किया गया। इस अवसर पर सेवा देते हुए लायन कमलकिशोर अग्रवाल, डिस्ट्रीक्ट गवर्नर 320 बी, मुख्य अतिथि कल्ब के अध्यक्ष लायन डॉ. सुब्रमण्यम व सभभ लायन सदस्य।

श्री आईजी गौशाला, मल्काराम, जवाहरनगर, खापरा मंडल में अमावस्या पर प्रसाद ग्रहण करते हुए भक्तगण। उपस्थित हैं अध्यक्ष चोलाराम हांबड, सचिव मंगलाराम पंवार, कोषाध्यक्ष नारायणलाल सीरवी, किशनसिंह राठौड, कालुराम काग, भंवरलाल बरफा व अन्य।

टी-20 रैंकिंग में सूर्या नंबर-1 पर कायम

ताजा रैंकिंग में करियर बेस्ट 890 पॉइंट्स

विराट को दो स्थान का नुकसान

दुबई, 23 नवंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया के स्टार सूर्यकुमार यादव ताजा आईसीसी रैंकिंग में दुनिया के नंबर-1 टी-20 बल्लेबाज बने हुए हैं। वे पिछले हफ्ते भी टॉप पर थे। इस बार उनके रेटिंग अंकों में इजाफा हुआ है। सूर्या के 890 रेटिंग पॉइंट्स हैं। पिछले सप्ताह उनके 859 पॉइंट्स थे। विराट कोहली को दो स्थान का नुकसान हुआ है। उनकी रैंकिंग के बारे में आगे जानेंगे।

पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान 836 रेटिंग पॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर हैं। गेंदबाजी रैंकिंग श्रीलंका के वानिंदु हसारंगा नंबर-1 पर हैं। बांग्लादेश के शाकिब अल हसन दुनिया के नंबर-1 ऑलराउंडर हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टी-20 में जमाया था शतक

सूर्यकुमार यादव ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाए। 2 मुकाबलों में उनके बल्ले से 124 रन निकले हैं। इसमें एक शतक शामिल है। सर्या ने दूसरे टी-20 मुकाबले में शतकीय पारी खेली थी। यह उनके करियर का दूसरा शतक था।

विराट कोहली को दो स्थान का नुकसान

टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज विराट कोहली को दो स्थान का नुकसान हुआ है। कोहली अब 650 पॉइंट्स के साथ 13वें नंबर पर हैं। केएल राहुल 582 अंकों के साथ 19वें स्थान पर हैं। इस तरह भारत के तीन बल्लेबाज टॉप 20 में हैं।

गेंदबाजी में भुवी सबसे ऊंची रैंकिंग वाले भारतीय

गेंदबाजी में भुवनेश्वर कुमार 647 पॉइंट्स के साथ 13वें स्थान पर हैं। वे सबसे ऊंची रैंकिंग वाले भारतीय गेंदबाज हैं। अर्शदीप सिंह 616 अंकों के साथ 21वें और रविचंद्रन अश्विन 606 अंकों के साथ 21वें नंबर पर हैं। युजवेंद्र चहल 532 पॉइंट्स के साथ 43वें स्थान पर हैं।

क्या टी-20 पंत के बस की बात नहीं

न्यूजीलैंड में भी फ्लॉप, 66 मैचों में सिर्फ 3 फिफ्टी

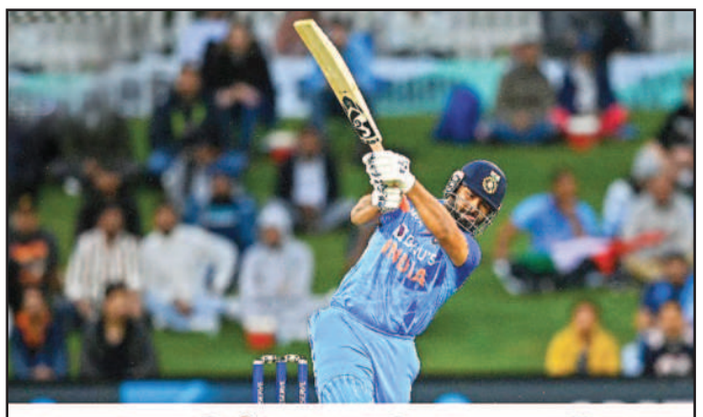

खेल डेस्क, 23 नवंबर (एजेंसियां)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच मंगलवार को नेपियर में खेला गया तीसरा टी-20 मैच टाई रहा। इस नतीजे के साथ ही भारत ने तीन मुकाबलों की सीरीज को 1-0 से अपने नाम कर लिया। 3 मैचों की इस सीरीज का पहला मैच बारिश के चलते रद्द हो गया था। दूसरा मैच भारत ने जीता और तीसरा टाई रहा।

वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में इंग्लैंड के हाथों 10 विकेट से मिली करारी हार के बाद यह जीत सुकून देने वाली है। हालांकि, एक समस्या ऐसी है जो वर्ल्ड कप में भी हमारा सिरदर्द थी और न्यूजीलैंड के खिलाफ हुई सीरीज में भी इसका कोई समाधान नहीं हुआ।

वास्तव में यह समस्या वर्ल्ड कप से भी पुरानी है और लंबे समय से यह भारतीय क्रिकेट फैंस को फ्रस्ट्रेट कर रही है। इस समस्या का नाम है ऋषभ पंत।

टेस्ट क्रिकेट के मैच विनर पंत टी-20 फॉर्मेट में बिल्कुल भी परफॉर्म नहीं कर पा रहे। इस स्टोरी में हम पंत के अब तक के टी-20 करियर को देखेंगे और यह जानने की कोशिश करेंगे उन्होंने अब तक कैसा परफॉर्मेंस दिया है।

सबसे पहले देखें 2022 में खेले टी-20 इंटरनेशनल में ऋषभ पंत का प्रदर्शन...

जहां भी खेले फिसड्डी साबित हुए

ऋषभ पंत टी-20 इंटरनेशनल में अब तक 8 देशों में मुकाबले खेल चुके हैं। इनमें से वेस्टइंडीज के अलावा किसी भी देश में औसत प्रभावशाली नहीं है। वेस्टइंडीज में उन्होंने 58 की औसत से 174 रन बनाए हैं। ऑस्ट्रेलिया में उन्होंने 7.25, इंग्लैंड में 13.50, श्रीलंका में 15 और भारत में 20 की औसत से रन बनाए हैं। पंत ने अमेरिका में 16, न्यूजीलैंड में 22 और UAE में 32 की औसत से रन बनाए।

66 मैचों में सिर्फ 3 हाफ सेंचुरी

पंत ने अब तक 66 टी-20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले हैं और सिर्फ तीन बार 50 रन का आंकड़ा पार कर पाए हैं। ऐसा नहीं है कि बल्लेबाजी ऑर्डर में काफी नीचे मौका मिलने के कारण ऐसा हो रहा है। 66 में से 38 मैचों में उन्हें टॉप-4 में बैटिंग करने का मौका मिला है, लेकिन वे कामयाब नहीं हो पाए।

बतौर ओपनर और भी बेकार प्रदर्शन

मिडिल ऑर्डर में लगातार नाकामी के बाद पंत को बतौर ओपनर भी कई मौके मिले, लेकिन वे इस भूमिका में और भी फिसड्डी साबित हुए हैं। पंत ने अब तक 5 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में ओपनिंग की है और 14.20 की औसत से सिर्फ 71 रन बनाए हैं। इसी तरह नंबर-3 पर भी वे कोई कमाल नहीं कर पाए। उन्हें 6 बार तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा गया। इनमें वे 29.25 की औसत से सिर्फ 117 रन ही बना पाए।

पंत के कारण नहीं मिल रहा सैमसन को मौका

एक ओर लगातार फ्लॉप होने के बावजूद ऋषभ पंत को मौके मिल रहे हैं, वहीं दूसरी ओर संजू सैमसन बेंच पर बैठने को मजबूर हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए भी सैमसन को स्क्वॉड में रखा गया था, लेकिन उन्हें एक मैच में भी मौका नहीं मिला।

IPL में खूब चलता है बल्ला

पंत जब भी भारत के लिए मैदान में खेलने उतरते हैं वह ज्यादातर बार फ्लॉप ही रहते हैं। लेकिन, इंडियन प्रीमियर लीग में फ्रेंचाइजी टीम से खेलते हुए उनके बल्ले से खूब रन निकलते हैं।

आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स से खेलते हुए पंत ने अब तक 98 मैचों में 147.97 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। उन्होंने इस दौरान 34.61 के औसत से 2,838 रन बनाए।

टी-20 वर्ल्ड कप का फॉर्मेट बदलेगा

पहले राउंड में 4, फिर सुपर-8 में 2 ग्रुप बनेंगे

दुबई, 23 नवंबर (एजेंसियां)। अगला टी-20 वर्ल्ड कप नए फॉर्मेट के साथ खेला जाएगा। दुनिया में क्रिकेट को संचालित करने वाली संस्था इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने 2024 में होने वाले इस टूर्नामेंट के फॉर्मेट में बदलाव किया है। अहम बात यह है कि वेस्टइंडीज की मेजबानी में खेले जाने वाले टी-20 के सबसे बड़े टूर्नामेंट में 20 देशों की टीमें हिस्सा लेंगी। इसके मैच अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेले जाएंगे। चलिए जानते हैं कि नया फॉर्मेट कैसा होगा...

पहले बात कर लेते हैं मौजूदा फॉर्मेट की...

कुछ दिन पहले ऑस्ट्रेलिया में खेला गया टी-20 वर्ल्ड कप लीग कम नॉकआउट फॉर्मेट में खेला गया था। इसमें सबसे पहले क्वालिफाइंग राउंड खेला गया था। दो ग्रुप के क्वालिफाइंग राउंड से चार टीमों ने सुपर-12 के लिए क्वालिफाई किया, जहां 8 टीमें पहले से मौजूद थीं। सुपर-12 में 6-6 टीमों के दो ग्रुप थे। दोनों ग्रुप

से दो-दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंची और इन मैचों की विजेता टीमों ने फाइनल मैच खेला।

क्या टीमें की संख्या बढ़ी है?

हां, अगले वर्ल्ड कप में 20 टीमें हिस्सा लेने जा रही है। अब तक 16 टीमें ही वर्ल्ड कप खेलती थीं। इनमें से 8 सीधे सुपर लीग राउंड में प्रवेश करती थीं। शेष 4 टीमें पहले राउंड से क्वालिफाई करके आती थीं।

नया फॉर्मेट क्या होगा?

अब 20 टीमों को चार ग्रुप में बांटा जाएगा। यानी कि हर ग्रुप में 5 टीमें। हर ग्रुप से टॉप-2 टीमें सुपर-8 राउंड में प्रवेश करेंगी। इन आठ टीमों को दो सुपर लीग डिवीजन में बांटा जाएगा। हर डिवीजन में चार टीमें। ये सभी आपस में तीन-तीन लीग मैच खेलेंगी। यहां से हर डिवीजन की टॉप-2 टीमें सेमीफाइनल राउंड में जाएंगी और सेमीफाइनल जीतने वाली टीम फाइनल खेलेगी।

अब तक कौन-कौन सी टीमें क्वालिफाई हुई हैं?

अब तक 12 टीमें क्वालिफाई कर चुकी हैं। इनमें बीते दिनों खेले गए टी-20 वर्ल्ड कप की टॉप-8 टीमें सीधे क्वालिफाई कर गई हैं। वेस्टइंडीज और अमेरिका को बतौर मेजबान डायरेक्ट एंट्री मिली है। इसके अलावा दो अन्य टीमें रैंकिंग के आधार पर आई हैं। शेष 8 टीमें क्वालिफायर टूर्नामेंट के जरिए आएंगी। अगले ग्राफिक में देखिए कौन-कौन सी टीमें कैसे क्वालिफाई हुई हैं।

शेष-8 स्पॉट का क्वालिफिकेशन कैसे होगा?

बचे हुए आठ कोटे के लिए क्वालिफिकेशन रीजनल प्ले से होगा। आईसीसी ने कहा- 'साउथ अफ्रीका ने कोटा हासिल करने की मजबूत दावेदारी पेश की है। जबकि जिम्बाब्वे दावेदारी में कमजोर रहा है। ऐसे में दोनों को रीजनल क्वालिफिकेशन के लिए भेजे गए हैं।' साउथ अफ्रीका और जिम्बाब्वे सुपर-12 के नीचले पायदान पर रहे थे।

आईसीसी के अनुसार अफ्रीका, एशिया और यूरोप रीजन में 2 कोट और अमेरिका और ईस्ट एशिया पैसेफिक रीजन में एक-एक कोटा है।

वर्ल्ड चैंपियन फ्रांस का विजयी आगाज

ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से हराया, ओलिवर गिरौड ने डबल गोल किए

दोहा, 23 नवंबर (एजेंसियां)। कतर में चल रहे फुटबॉल वर्ल्ड कप में अपना खिताब बचाने उतरी फ्रांस की टीम ने धमाकेदार आगाज किया है। उसने ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से हराते हुए अपने इरादे जाहिर कर दिए हैं। सेंटर फारवर्ड ओलिवर गिरौड जीत के हीरो रहे। गिरौड ने डबल गोल दागे।

मंगलवार-बुधवार रात को अल जनुब स्टेडियम में फ्रांसीसी हॉवी रहे। स्टार फारवर्ड करीम बेंजेमा के बिना उतरी टीम ने चार गोल दागे। जबकि कंगारु एक गोल ही कर सके। इस मुकाबले की मैच रिपोर्ट पढ़ने से पहले जानिए कौन सा गोल कब और कैसे हुआ...

पहला : 9वें मिनट में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी क्रेग गुडविन ने मैथ्यू लेकी के क्रॉस पर किया। यहां ऑस्ट्रेलियन 1-0 से आगे हो गए।

दूसरा : 27वें मिनट में यह गोल एड्रियन रेबियोट ने सबस्टीट्यूट खिलाड़ी थियो हर्नांडेज के शानदार क्रांस पर

हेडर के जरिए किया।

तीसरा : सेंट्रल फारवर्ड गिरौड ने 32वें मिनट में रेबियोट के पास पर किया। यहां फ्रांस ने 2-1 की बढ़ हासिल कर ली थी। पहले हॉफ तक यही स्कोर रहा।

चौथा : 68वें मिनट किलियन एमबाप्पे ने डेम्बेले के क्रॉस पर शानदार हेडर के जरिए गोल दागा।

पांचवां : 71वें मिनट में ओलिवर गिरौड ने एमबाप्पे के क्रॉस पर कमाल का हेडर लिया और बॉल को जाली में उलझाया।

कंगारुओं की आक्रामक शुरुआत

ग्रुप डी के इस मुकाबले में कंगारुओं ने एग्रेसिव स्टार्ड किया। उसके क्रेग गुडविन ने मैथ्यू लेकी के क्रॉस पर गोल दागा। यहां कंगारुओं ने मुकाबले में इकलौती बढ़त हासिल की। हालांकि, वे उसका फायदा नहीं उठा सके। कुछ देर के खेल के बाद ऑस्ट्रेलियन ने केवल बढ़त गंवाई। बल्कि एक गोल से पिछड़ भी गए। हॉफ टाइम तक स्कोर 2-1 रहा।

फ्रांसिसियों के नाम रहा दूसरा हॉफ

मुकाबले के दूसरे हॉफ में डिफेंडिंग चैंपियंस फ्रांस का दबदबा रहा। ऐसा लगा था कंगारू वापसी करेंगे। लेकिन, एमबाप्पे, ग्रीजमैन, डेम्बेले और गिरौड ने ऐसा नहीं होने दिया। आखिरी हॉफ में दो गोल आए। दोनों की फ्रांसीसी खिलाड़ियों के बूट से निकले। गिरौड ने दूसरा गोल भी दागा।

गिरौड ने फ्रांस के लिए सबसे ज्याद गोल दागने के मामले में थिएरी हेनरी की बराबरी कर ली। दोनों ने 51-51 गोल किए हैं। वे (36) वर्ल्ड कप के इतिहास में किसी एक मुकाबले में डबल गोल करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने। उनसे पहले कैमरून के रोजर मिल्ला ने 1990 के सीजन में ऐसा किया था। मिल्ला ने कोलंबिया के खिलाफ दो गोल दागे थे।

वनडे सीरीज से पहले बोले धवन

टीम लीडर के तौर पर मैच्योर हो गया हूं, कड़े फैसले लेने से हिचकिचाता नहीं

नई दिल्ली, 23 नवंबर (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से पहले भारतीय कप्तान शिखर धवन ने कहा है- 'मैं कप्तान के तौर पर मैच्योर हो गया हूं और कड़े फैसले ले सकता हूं। वो दिन गए जब मैं बड़े फैसले लेने से हिचकिचाता था। अब मैं ऐसे फैसले लेने से नहीं हिचकिचाता, जो किसी खिलाड़ी को अच्छे न लगे और टीम के हित में हों।'

36 साल के शिखर धवन शुक्रवार से शुरू होने वाली 3 मुकाबलों की वनडे सीरीज में टीम इंडिया की कमान संभालेंगे। पंड्या को इस सीरीज से आराम दिया गया है। टीम अपने सीनियर प्लेयर्स के बिना उतर रही है।

यह पहला मौका नहीं है जब धवन टीम की कप्तानी कर रहे हैं। इससे पहले वे पिछली कुछ

सीरीज में टीम के कप्तान रहे हैं। उनकी कप्तानी में टीम ने श्रीलंका के खिलाफ 3-2 से और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2-1 से जीत दर्ज की थी। टीम को उनके कप्तान रहते हुए वेस्टइंडीज से 1-4 से हार का सामना करना पड़ा था।

टीम इंडिया इस समय न्यूजीलैंड दौरे पर है। उसने 3 मैचों की टी-20 सीरीज 3-1 से जीत ली है। उसे 25 नवंबर को ऑकलैंड में पहला वनडे खेलना है।

निर्णय लेने की क्षमता सुधरी

धवन ने कहा- 'समय के साथ मेरी निर्णय लेने की क्षमता में सुधार हुआ है। पहले ऐसे भी मौके आते थे।

जब मैं किसी गेंदबाज के प्रति सम्मान दिखाते हुए उसे अधिक ओवर दे देता था, लेकिन अब मैं परिपक्व हो गया हूं और अगर किसी को बुरा भी लगे तब भी मैं वह फैसला करूंगा। जिससे टीम को फायदा पहुंचे।

लीडरशिप पर धवन बोले- बैलेंस बनाए रखना और खिलाड़ियों का भरोसा जीतना अहम है। मैं बहुत कम दबाव महसूस करता हूं और अपने आसपास का माहौल खुशनुमा रखता हूं।

पंजाब ने भी कप्तान बनाया

कुछ दिनों पहले धवन IPL फ्रेंचाइजी पंजाब किंग्स ने पंजाब को अपना नया कप्तान बनाया है। धवन ने मयंक अग्रवाल की जगह ली है।

रोनाल्डो ने छोड़ा मैनचेस्टर यूनाइटेड

क्लब भी बिक सकता है, मालिकों ने कहा- हम तैयार

मैनचेस्टर, 23 नवंबर (एजेंसियां)। दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने मैनचेस्टर यूनाइटेड छोड़ दिया है। उनका क्लब के साथ करार खत्म हो चुका है। क्लब के एक मालिक ने खुलासा किया करते हुए कहा- 'स्टार खिलाड़ी ने तत्काल प्रभाव के साथ इंग्लिश क्लब छोड़ दिया है।'

उसने क्लब बेंचने की बात भी कही। क्लब के अमेरिकी मालिकों का कहना है कि वे क्लब बेंचने के लिए तैयार हैं। रोनाल्डो पिछले साल मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ जुड़े थे। दोनों के बीच 216 करोड़ रुपए का एग्रीमेंट हुआ था। पहले वे यूवेंट्स की ओर से खेलते थे।

दरअसल, पिछले कुछ दिनों से पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर रोनाल्डो और इंग्लिश क्लब के बीच सब ठीक नहीं चल रहा था। 37 साल के फुटबॉलर ने पिछले हफ्ते एक इंटरव्यू में क्लब के मैनेजमेंट और मैनेजर एरिक टेन हैग पर कई आरोप लगाए थे।

स्टार फुटबॉलर ने कहा था- 'क्लब के कुछ लोग मुझे हटाना चाहते हैं।' रोनाल्डो यहीं नहीं रुके उन्होंने मैनेजर हैग पर एक मैच के दौरान खुद को भड़काने के आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा- 'हाग ने पिछले महीने टॉटनहम के खिलाफ ओल्ड ट्रैफर्ड में 19 अक्टूबर को खेले गए मुकाबले में मुझे भड़काया था।' वे यहीं नहीं रुके...और कहा- 'मुझे लगता है कि यह उसने जानबूझकर किया है। मैं भड़काया हुआ महसूस कर रहा था। मैं उनका सम्मान नहीं करता, क्योंकि वो मेरा सम्मान नहीं करता है।'

स्टार फुटबॉलर ने पोस्ट में लिखा- आई लव मैनचेस्टर

स्टार फुटबॉलर ने लिखा- 'मैनचेस्टर यूनाइटेड से बात करने के बाद हमने कॉन्ट्रैक्ट खत्म करने का फैसला किया है। मैं मैनचेस्टर यूनाइटेड से प्यार करता हूं। मैं उन फैंस से भी प्यार करता हूं, जो कभी चेंज नहीं होते हैं। मुझे लगता है कि नई बदलाव की तलाश के लिए यह सही समय है। मैं उम्मीद करता हूं कि टीम भविष्य के संस्करण में सफलता अर्जित करे।'

अब 4 क्लबों की जर्सी में नजर आए रोनाल्डो

क्रिस्टियानो रोनाल्डो अब तक चार क्लबों से खेल चुके हैं। उन्होंने 701 क्लब गोल दागे हैं। सबसे ज्यादा गोल उन्होंने रियल मैड्रिड की ओर से दागे हैं। अगले ग्राफिक में देखिए रोनाल्डो के क्लब गोल।

818 गोल दागे हैं अब तक

ओवरऑल करियर की बात करें तो रोनाल्डो ने अब तक 818 गोल दागे हैं। इसमें 701 क्लब और 117 इंटरनेशनल गोल शामिल हैं।

16 मैचों में 3 गोल ही कर सके हैं रोनाल्डो

मौजूदा सीजन की बात करें तो रोनाल्डो मैनचेस्टर यूनाइटेड की जर्सी में 16 मुकाबले खेले हैं। लेकिन, उनके बूट से तीन ही गोल आए हैं। इनमें एक प्रीमियर लीग में और दो यूरोपा लीग के गोल शामिल हैं।

ट्यूनीशिया - डेनमार्क का मैच ड्रा

फीफा वर्ल्ड कप 2022 में ग्रुप डी की दोनों टीमों को 1-1 पॉइंट

खेल डेस्क, 23 नवंबर (एजेंसियां)। फीफा वर्ल्ड कप 2022 में ट्यूनीशिया और डेनमार्क के बीच मैच ड्रा रहा। मंगलवार को खेले गए इस मैच में दोनों ही टीम गोल स्कोर करने में नाकाम रहीं। इस मैच में डेनमार्क के स्टार प्लेयर क्रिश्चियन एरिक्सन ने वापसी की। पिछले साल यूरो कप के दौरान उन्हें फील्ड मे कार्डियक अरेस्ट आ गया था। ट्यूनीशिया ने हाफ टाइम तक गेम अपने पाले में रखा। उन्होंने डेनमार्क के सभी प्लेयर्स से बॉल छीनने की कोशिश की और गोलकीपर ने भी गोल की तरफ आती गेंद को अच्छी तरह काबू में किया। दोनों ही टीम किक और कार्नर को गोल में तब्दील करने में नाकाम रहीं। डेनमार्क को 11 जबकि ट्यूनीशिया को 9 कार्नर मिले। इसके बावजूद भी दोनों में से कोई टीम गोल नहीं कर सकी। ट्यूनिशिया ने डेनमार्क के खिलाफ 13 शॉट गोल की तरफ लगाए, लेकिन इनमें से सिर्फ 1 शॉट टारगेट पर गया। दूसरे शब्दों में कहें तो ट्यूनिशिया के 12 शॉट गोल पोस्ट के पास से निकले। इसके साथ ही ट्यूनिशिया को 9 कार्नर चांस मिले जिसे वे गोल में तब्दील नहीं कर सके।

पेनाल्टी मिस कर गए लेवानडॉस्की : पोलैंड-मेक्सिको के बीच मैच ड्रॉ

खेल डेस्क, 23 नवंबर (एजेंसियां)। फीफा वर्ल्ड कप में मैक्सिको और पोलैंड के बीच ग्रुप सी का मुकाबला ड्रॉ रहा। दोनों ही टीमें गेम में कोई स्कोर नहीं कर सकीं। सेकेंड हाफ के 58वें मिनट में पोलैंड के स्ट्राइकर रॉबर्ट लेवानडॉस्की पेनाल्टी किक मिस कर गए। यही मोमेंट ऑफ द मैच रहा। दोनों ही टीमों ने सेकेंड हाफ में अटैकिंग गेम खेला। लेकिन, दोनों ही तरफ से कोई गोल नहीं लगा। ड्रॉ रहे मैच के बाद दोनों टीमों को एक-एक पॉइंट मिले। ग्रुप सी में दिन के पहले मैच में सऊदी अरब ने अर्जेंटीना को 2-1 से हरा दिया था। इस तरह ग्रुप-सी की पॉइंट्स टेबल में अर्जेंटीना आखिरी स्थान पर पहुंच गया। सऊदी अरब पहले, वहीं पोलैंड दूसरे और मैक्सिको तीसरे स्थान पर है। पहले हाफ में मैक्सिको के

जॉर्ज सांचेज ने गोल मारने का शानदार प्रयास किया, लेकिन बॉल गोलकीपर ने डाइवर्ट कर दी और गोल नहीं हो सका। मैक्सिको बॉल को पेनाल्टी बॉक्स तक कई बार ले जाने में सफल रही, लेकिन पोलैंड के डिफेंस को भेद नहीं पाई।

मैच में दोनों ही टीमें गोल नहीं कर सकीं। लेकिन, मैक्सिको ने अटैकिंग अप्रोच दिखाते हुए पूरे गेम पर दबदबा बनाए रखा। मैच में मैक्सिको ने 11 शॉट मारे, जिसमें से 4 टारगेट पर रहे। पोजीशन के मामले में भी मैक्सिको आगे रहा, उसने 61% समय बॉल अपने पास रखी। वहीं, पोलैंड के पास 39% बॉल रही।

सेकेंड हाफ की शुरुआत से ही पोलैंड की टीम मैच में हावी नजर आई। उन्होंने अटैकिंग खेल दिखाया। जिसकी बदौलत 54वें मिनट में ही उन्हें पेनल्टी कॉर्नर भी मिला। रॉबर्ट लेवानडॉस्की ने लेफ्ट फुट से मैक्सिको के बॉटम राइट कॉर्नर में शॉट मारा।

शहीद एफआरओ का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

मंत्री पुव्वाड़ा और इंद्रकरण रेड्डी ने पार्थिव शरीर को दी श्रद्धांजलि

खम्मम, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मारे गए वन रेंज अधिकारी (एफआरओ) सीएच श्रीनिवास राव को भावभीनी अंतिम विदाई दी गई, जिनका अंतिम संस्कार बुधवार को जिले के रघुनाथपलेम मंडल के अर्लापुडी गांव में किया गया। मंगलवार को जिले के चंद्रगोंडा मंडल में बेंडालपाडु ग्राम पंचायत के एर्राबोडु बागान क्षेत्र में कथित तौर पर गुथिकोया आदिवासियों द्वारा किए गए हिंसक हमले में एफआरओ की मौत हो गई थी। वन मंत्री ए. इंद्रकरण रेड्डी, परिवहन मंत्री पुव्वाड़ा अजय कुमार, सांसद वद्दीराजू रविचंद्र, सरकारी सचेतक रेगा कांताराव, खम्मम टीआरएस जिलाध्यक्ष, एमएलसी टाटा मधुसूदन, कई विधायकों और अधिकारियों ने उनके पैतृक गांव में किए गए अधिकारी के अंतिम संस्कार में भाग लिया। मंत्री अजय कुमार और इंद्रकरण रेड्डी ने श्रीनिवास राव के पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि दी और अंतिम संस्कार में शामिल हुए। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के सदस्यों को सांत्वना दी और उन्हें आश्वासन दिया कि राज्य सरकार उन्हें हरसंभव मदद करेगी। राजकीय सम्मान के साथ हुए अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या

शहीद एफआरओ श्रीनिवास राव की अंतिम यात्रा में भाग लेते हुए मंत्री पुव्वाडा, इंद्रकरण रेड्डी व अन्य।

में वन एवं अन्य विभागों के अधिकारी, स्थानीय लोग शामिल हुए।

मीडिया से बात करते हुए मंत्रियों ने चेतावनी दी कि एफआरओ की मौत के लिए जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा और कानून के अनुसार दंडित किया जाएगा। राज्य सरकार ने घटना को बहुत गंभीरता से लिया है और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी।

स्थानीय आदिवासियों को कोई परेशानी नहीं हुई, लेकिन प्रवासी आदिवासी अंधाधुंध जंगलों को काट रहे थे। इंद्रकरन रेड्डी ने चेतावनी दी कि अगर वे वन अधिकारियों पर हमला करते हैं तो सरकार बर्दाश्त नहीं करेगी जैसे वे जंगलों में पेड़ काट रहे थे। मंत्रियों ने वन अधिकारियों और कर्मियों से उनकी समस्याओं के बारे में जानने के लिए बातचीत की और उन्हें आश्वासन दिया कि उनके द्वारा उठाए गए मुद्दों को मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के संज्ञान में लिया जाएगा। इसमें विधायक रामुलु नाइक और एम नागेश्वर राव, सीएमओ सचिव स्मिता सभरवाल, हरिथा हराम ओएसडी प्रियंका वर्गीस, वन विभाग के विशेष सीएस शांतिकुमारी, पीसीसीएफ (एचओएफएफ) आरएम डोबरियाल, पीसीसीएफ लोकेश जायसवाल, खम्मम जिला कलेक्टर वीपी गौतम, कोठागुडेम एसपी डॉ. विनीत और अन्य भी अंतिम संस्कार में शामिल हुए। इस बीच, कोत्तागुडेम में, जिला पुलिस ने कथित तौर पर कुछ लोगों को हिरासत में लिया है और हमले में इस्तेमाल किए गए चाकू और हंसिया बरामद किए हैं।

विधायक रघुनंदन राव ने मंत्री मल्लारेड्डी पर साधा निशाना

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा विधायक एम. रघुनंदन राव ने आज राज्य मंत्री मल्ला रेड्डी से मुलाकात की और मंत्री से पूछा कि उन्होंने अपना मोबाइल फोन कूड़ेदान में क्यों छिपाया, जब उनके पास आयकर विभाग के अधिकारियों से छिपाने के लिए कुछ नहीं है? मंत्री की टिप्पणियों का उल्लेख करते हुए कि आईटी अधिकारी जो उनके खिलाफ डायन-शिकार अभियान चला रहे हैं, उन्होंने स्पष्ट किया कि आईटी अधिकारियों के काम में डायन हंटिंग कुछ भी नहीं होगा।

उन्होंने स्पष्ट किया कि देश के कानून के समक्ष सभी समान हैं और कहा कि अगर उन्हें कल एक नोटिस मिला तो वह आईटी अधिकारियों के नोटिस का भी जवाब देंगे।

मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, राव ने कहा कि आईटी विंग के अधिकारी उनके द्वारा प्राप्त शिकायत के आधार पर छापेमारी करेंगे।

पोडु भूमि पर वन अधिकारियों और आदिवासियों के बीच दरार पैदा कर रहे हैं सीएम : रामुलू नाइक

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व एमएलसी और कांग्रेस नेता रामुलू नाइक ने आज मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि उन्होंने विवादास्पद पोडु भूमि को लेकर वन विभाग के अधिकारियों और आदिवासी आबादी के बीच दरार पैदा कर दी है। आज यहां मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, रामुलू नाइक ने कहा कि आदिवासियों का सपना था कि अलग तेलंगाना राज्य के गठन के बाद उन्हें पोडु भूमि पर मालिकाना हक मिलेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने अपने पिछले आठ साल के शासन में पोडु भूमि पर जमीन के पट्टे नहीं दिए हैं। उन्होंने कहा कि सीएम वन विभाग के अधिकारियों से पोडु भूमि पर तेलंगाना कू हरिताहरम योजना के तहत पेड़ लगाने के लिए कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे खम्मम जिले के आदिवासियों द्वारा किए गए हमले के दौरान एक एफआरओ की मौत

पर संवेदना व्यक्त कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि वन अधिकारियों ने यह कहकर आदिवासियों पर हमला करने की कोशिश की कि उनके द्वारा लगाए गए पेड़ मवेशियों द्वारा चराए गए थे और कहा कि राज्य सरकार को एफआरओ की मौत की जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

रेवंत ने सीएम से पोडु भूमि पट्टों के आवंटन के लिए मानदंड जारी करने की मांग की

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी प्रमुख और सांसद ए. रेवंत रेड्डी ने आज मांग की कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव पोडु भूमि पट्टे के आवंटन के लिए दिशा-निर्देश जारी करने के लिए तत्काल कदम उठाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सीएम ने अपनी पार्टी की मांग पूरी नहीं की तो उनकी पार्टी बड़े पैमाने पर विरोध कार्यक्रम आयोजित करेगी। इस मुद्दे पर सीएम को लिखे खुले पत्र में, टीपीसीसी प्रमुख ने सीएम को बताया कि पोडु भूमि के विवादास्पद मुद्दे और आदिवासी लोगों को उनका आवंटन न करने के कारण राज्य के हरे भरे खेत लोगों की बाढ़ से भर रहे थे। यह आरोप लगाते हुए कि केसीआर सरकार समस्याओं को हल करने में विफल रही है, उन्होंने कहा कि पात्र आदिवासी लोगों को पोडु भूमि के आवंटन में राज्य सरकार की विफलता वन विभाग के अधिकारियों और आदिवासियों के बीच लगातार दरार पैदा कर रही है।

सांसद वद्दीराजू ने एफआरओ के परिवार को दी 2 लाख की आर्थिक सहायता

खम्मम, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यसभा सदस्य वद्दीराजू रविचंद्र ने मारे गए एफआरओ सी श्रीनिवास राव के परिवार को दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी है। रघुनाथपलेम के एर्लापुडी गांव में एफआरओ के अंतिम संस्कार में शामिल हुए सांसद ने एफआरओ को श्रद्धांजलि दी और परिवार के सदस्यों को सांत्वना दी। उन्होंने मंत्री पुववाड़ा अजय कुमार और ए इंद्रकरण रेड्डी के हाथों पैसे सौंपे। मंत्रियों ने रविचंद्र के हावभाव की सराहना की।

बैंक धोखाधड़ी मामले में पूर्व बैंक अधिकारियों समेत दस को जेल

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय जांच ब्यूरो के मामलों की एक विशेष अदालत ने बुधवार को 2013 में दर्ज एक बैंक धोखाधड़ी मामले में 10 लोगों को एक से सात साल तक के कठोर कारावास की सजा सुनाई। इनमें से पांच को बैंक ऑफ महाराष्ट्र को 4.57 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाने के आरोप में सात साल, चार से तीन साल और शेष को एक से एक साल की कैद के अलावा छह निजी कंपनियों को जुर्माने की सजा सुनाई गई है। दोषी व्यक्तियों में डी. श्रीधर, डी.पूर्णा श्री, एम. श्रीनिवास रेड्डी, एम.लक्ष्मा रेड्डी, वी के अलावा बैंक ऑफ महाराष्ट्र सिकंदराबाद शाखा के तत्कालीन वरिष्ठ प्रबंधक, सुहास कल्याण रामदासी, तत्कालीन सहायक महाप्रबंधक, सरथ बाबू जेली, श्रीनिवास, वी.राजा रेड्डी, वी.नरसैय्या, बी. सत्य सूरज रेड्डी हैं। अदालत ने मावेन लाइफ साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड, ग्रुपेल फार्मा प्राइवेट लिमिटेड, कॉन्फेरो हेल्थ कार्टे प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद टैबलेट टूल्स, किरण इंपेक्स प्राइवेट लिमिटेड और श्री वैष्णवी फार्मा केम पर भी जुर्माना लगाया। सीबीआई ने मार्च 2013 में संदिग्धों के खिलाफ आरोप लगाया था कि उन्होंने 2012 और 2013 के बीच निजी कंपनियों के साथ 5 करोड़ रुपये की कार्यशील पूंजी सीमा को मंजूरी देकर साजिश रची थी और बाद में स्वीकृत के अलावा गढ़े हुए दस्तावेजों पर अन्य उद्देश्य के लिए धन का उपयोग किया था। इस प्रकार बैंक को 4.57 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

जांच के बाद अगस्त 2014 में उनके खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई। सुनवाई के दौरान अदालत ने उन्हें दोषी पाया और कारावास की सजा सुनाई।

जंगलों और कृषि क्षेत्रों के किनारे बाघों की आवाजाही से मुश्किल में फंसे कपास किसान

बाघ के डर से नहीं कर रहे हैं कपास की कटाई

आदिलाबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तत्कालीन आदिलाबाद जिले के किसान मुश्किल में फंस गए हैं। वे कपास की उपज की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि से उत्साहित हैं, लेकिन साथ ही, वे बाघों की बढ़ती आवाजाही और कुमरम भीम आसिफाबाद जिले में हाल ही में हुई मानव हत्या के मद्देनजर फसल काटने से डरते हैं।

कपास उत्पादक 9,100 रुपये प्रति क्विंटल की रिकॉर्ड उच्च दर प्राप्त करने के लिए उत्साहित थे और उम्मीद कर रहे थे कि यह जल्द ही 10,000 रुपये का आंकड़ा छू लेगा। उनमें से कुछ ने पहले ही फसल की कटाई शुरू कर दी थी। हालांकि, जानवरों, विशेष रूप से बाघों के कई डरावने हमलों के बाद, हाल ही

में कृषि क्षेत्रों सहित क्षेत्र में कुछ बाघों के देखे जाने के बाद किसानों के एक बड़े हिस्से ने अभी तक गतिविधि शुरू नहीं की है। एक किसान ने बताया कि हम जंगलों और कृषि क्षेत्रों के किनारे बाघों की आवाजाही को लेकर तनाव में हैं। खेतों में बाघों के अभूतपूर्व रूप से देखे जाने को देखते हुए मजदूरों को काम पर रखना एक कठिन काम हो गया है। संयोग से, कुमराम भीम आसिफाबाद जिले में 2020 से 2022 तक और कपास की फसल की कटाई के मौसम के दौरान तीन में से दो मानव हत्याएं हुईं।

चिंतलमनेपल्ली मंडल के करजेली गांव के एक किसान के नारायण ने कहा कि नवीनतम उदाहरण में, सिदाम भीम (69) की कथित तौर पर एक बाघ द्वारा हत्या कर दी गई थी, जब वह 15 नवंबर को कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के वानकिडी के चौपांगुडा गांव के गोंडापुर गांव में कपास की गेंद इकट्ठा कर रहा था। पसुला निर्मला (18) की मौत हो गई थी। जब वह 29 नवंबर 2020 को पेंचिकलपेट मंडल के कोंडापल्ली गांव में अपने खेत में कपास के गोले इकट्ठा कर रही थी।

वन्यजीव संरक्षण में विशेषज्ञता वाले वन रेंज अधिकारी एस वेणुगोपाल ने कहा कि जब किसान कपास के गोले इकट्ठा करने के लिए झुकते हैं तो वे बाघ को जानवरों की तरह दिखते हैं। बाघ और अन्य बड़ी बिल्लियाँ जैसे तेंदुए असामान्य व्यवहार विकसित करते हैं और जब वे क्षेत्र की तलाश में होते हैं तो किसानों को मार देते हैं। धिकारियों का कहना है कि किसानों को सलाह दी गई थी कि वे सूर्यास्त से पहले खेतों को छोड़ दें और अगर वे जानवर का सामना करें तो जोर से शोर करें।

बेज्जूर के जंगल में स्थानीय बाघ ने किया गाय पर हमला

कुमराम भीम आसिफाबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कागजनगर संभाग के जंगलों में एक सप्ताह के प्रवास के बाद एक बाघ के महाराष्ट्र लौटने पर भी मंगलवार को बेजजुर मंडल के सुलुगुपल्ली गांव के जंगलों में एक स्थानीय बाघ ने एक गाय पर हमला कर असफल शिकार किया। बाघ ने एक गाय पर झपट्टा मारा, जो बेज्जुर रेंज के जंगलों में चरने वाले मवेशियों के झुंड के पीछे चल रही थी। हालांकि, जब चरवाहों ने शोर मचाया तो गाय को छोड़ दिया। मवेशियों के पैर में मामूली चोट आई है। यह बापूगुड़ा गांव की करपीता सुधाकर की थी। चरवाहों ने दावा किया कि उन्होंने जंगलों में एक बाघ को देखा। वन अधिकारियों ने कहा कि एक स्थानीय बाघ ने मवेशियों पर हमला करने की कोशिश की होगी। उन्होंने बताया कि रेंज के जंगलों में करीब चार बाघ रहते हैं। उन्होंने चरवाहों से जानवरों को चरने के लिए जंगलों के अंदर नहीं ले जाने का अनुरोध किया और किसानों से समूहों में जाने और शाम 6 बजे तक घर लौटने का आग्रह किया।

किराएदार किसान के लिए जीवन आसान बनाती है बाइक ट्रॉली

सिद्दीपेट, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यह साबित करते हुए कि आवश्यकता वास्तव में आविष्कार की जननी है, सिद्दीपेट जिले के एक युवा किरायेदार किसान ने अपने खेत पर दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपने दोपहिया वाहन के लिए एक ट्रॉली का डिजाइन और निर्माण किया है। 28 वर्षीय किसान सरला राजू के पास कोई कृषि भूमि नहीं है, लेकिन उन्होंने अपने ही गांव में छह एकड़ जमीन लीज पर ली है। छह एकड़ में धान की खेती करते हुए राजू दो भैंसों और चार गायों के साथ एक मिनी डेयरी फार्म भी चला रहे हैं। चूंकि उन्हें हर दिन अपने खेत से घास काटने और अपने घर ले जाने

की आवश्यकता होती है, इसलिए उनका दोपहिया वाहन इस उद्देश्य के लिए काफी अपर्याप्त निकला। वह दिन में चार से पांच बार खेत और अपने घर के बीच चक्कर लगा रहा था। दुपहिया पर घास के भारी भार को संतुलित करना भी काफी जोखिम भरा मामला होने के कारण, राजू ट्रैक्टर या बैलगाड़ी के बारे में सोचने लगा। लेकिन दोनों विकल्प उनके लिए काफी महंगे होने के कारण, राजू कहते हैं कि उन्होंने अपनी बाइक के लिए एक छोटी ट्रॉली डिजाइन करने का फैसला किया। उन्होंने ऐसे मॉडलों के लिए यू ट्यूब ब्राउज़ किया और उन्हें उत्तर भारत से ऐसा ही एक वीडियो मिला। एक साल पहले डिजाइन को ध्यान से सीखने के बाद, राजू ने सिद्दीपेट में एक वेल्डर से सलाह ली, जो वीडियो देखकर ट्रॉली बनाने के लिए तैयार हो गया। तब से, राजू कोमुरावेली से 10 किमी दूर स्थित चेरियाल शहर से खेत से घास लाने और अपने मवेशियों को खिलाने के लिए ट्रॉली का उपयोग कर रहा है। वह आधा दर्जन मजदूरों को ट्रॉली में बिठाकर अपने खेत भी ले जाता है। राजू कहते हैं कि उनकी सरलता से उनका बहुत समय और पैसा बच रहा है।

लोगों को उनका साथ देना चाहिए जो उनका भला करते हैं : जगन

श्रीकाकुलम, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी ने कहा कि जनता में एक स्पष्ट संदेश भेजा जाना चाहिए कि राजनीति का मतलब जवाबदेही है और लोग केवल उनका समर्थन करेंगे जो उन्हें अच्छा करते हैं।

बुधवार को किसानों को जमीन के अधिकार के दस्तावेज देने के बाद जिले के नरसनपेटा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि चंद्रबाबू नायडू के विपरीत मैं भगवान और आप लोगों में विश्वास करता हूं। पैमाना होना चाहिए कि आपके साथ अच्छा हुआ है या नहीं। अगर अच्छा किया जाता है, तो आप अपने इस बेटे के साथ खड़े हैं। जगन ने खुलासा किया कि राज्य में 17,000 से अधिक राजस्व गांवों में उन्नत तकनीक का उपयोग करके भूमि सर्वेक्षण किया गया था। मेगा कार्यक्रम दो साल पहले शुरू किया गया था और पहले चरण में 2,000 राजस्व गांवों से संबंधित भूमि रिकॉर्ड सही किए गए थे। हमने 7,92,238 किसानों को भूमि अधिकार दस्तावेज सौंपे हैं। उन्होंने खुलासा किया कि फरवरी में दूसरे चरण में 4,000 गांवों का सर्वेक्षण किया जाएगा और मई 2023 तक, 6,000 गांवों में भूमि अधिकार दस्तावेज सौंपे जाएंगे, जबकि अगस्त 2023 तक, 9,000 और गांवों में सर्वेक्षण पूरा हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक मंडल के लिए दो की दर से 1,358 मंडल मोबाइल मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए हैं, 2,797 वीआरओ, 7,033

पंचायत सचिव और 3,664 वार्ड योजना सचिवों को पुनर्सर्वेक्षण कार्यक्रम के लिए लगाया गया है और अब तक ड्रोन की मदद से 47,276 वर्ग किमी के 6,819 गांवों में भूमि का सर्वेक्षण किया गया।

यह देखते हुए कि दीवानी मामले ज्यादातर भूमि विवादों के थे और किसानों को हार का सामना करना पड़ा, मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थिति को बदलने के लिए व्यापक सर्वेक्षण किया गया है। उन्होंने कहा कि अपनी तरह के पहले कार्यक्रम के लिए 13,849 सर्वेक्षकों की नियुक्ति की गई थी, जिस पर 1,000 करोड़ रुपये खर्च होंगे और सर्वेक्षण के बाद किसानों को भूमि अधिकार के दस्तावेज सौंपे जाएंगे।

अपने विरोधियों से निपटने का मौका नहीं गंवाने वाले जगन ने कहा कि अगर कोई अपने दम पर पार्टी शुरू करता है, तो उसे एमजीआर, एनटीआर या जगन कहा जाएगा। और अगर कोई अपने ससुर से पार्टी छीन लेता है, तो उसे चंद्रबाबू कहा जाता है जो चुनाव के दौरान बड़े-बड़े वादे करता है और लोगों को धोखा देता है। और इस तरह के चंद्रबाबू का साथ देने वाली बुराई को हम क्या कहें? हमें चंद्रबाबू जैसे धोखेबाजों को ताकत नहीं देनी चाहिए।

पिछले एक माह से टीआरएस मंत्रियों व विधायकों को निशाना बना रही है केंद्र सरकार : कविता

कामारेड्डी, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अवसरवादी राजनीति के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना करते हुए, टीआरएस एमएलसी के

कविता ने बुधवार को पूछा कि भाजपा विधायक अवैध शिकार मामले की जांच को रोकने के लिए बार-बार अदालत का दरवाजा क्यों खटखटा रहे है और विशेष जांच दल (एसआईटी) के सामने अगर उन्हें डरने की कोई बात नहीं है, इसके नेता क्यों पेश नहीं हो रहे हैं। कामारेड्डी के नागरेड्डीपेटा में टीआरएस की बैठक को संबोधित करते हुए कविता ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पिछले एक महीने से प्रवर्तन निदेशालय और आयकर छापों के साथ टीआरएस मंत्रियों, विधायकों और नेताओं को निशाना बना रही है। उन्होंने पूछा कि क्या टीआरएस नेताओं ने जांच एजेंसियों के साथ सहयोग करने से इनकार कर दिया या उनमें से किसी ने किसी अदालत का दरवाजा खटखटाया, उन्होंने कहा कि लोगों द्वारा भाजपा की रणनीति का पालन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा अन्य दलों के नेताओं को पार्टी में शामिल होने के लिए मजबूर कर रही है और अगर उन्होंने मना कर दिया, तो केंद्रीय जांच एजेंसियों द्वारा उन्हें निशाना बनाया जा रहा है, उन्होंने कहा कि भाजपा की डराने वाली रणनीति तेलंगाना में काम नहीं करेगी। उन्होंने कहा, 'यहां के लोग और नेता ऐसी किसी भी दबाव की रणनीति के आगे नहीं झुकेंगे। राज्य भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय पर भारी पड़ते हुए, कविता ने उन्हें यादाद्री मंदिर में ली गई उनकी शपथ की याद दिलाई और कहा कि एसआईटी जांच के दौरान भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव बीएल संतोष का नाम सामने आया था और उन्हें नोटिस दिए गए थे। हालांकि, स्थानीय भाजपा नेता शपथ लेने के बावजूद चिंतित और परेशान थे कि पार्टी का गुप्त अभियान से कोई लेना-देना नहीं है। टीआरएस एमएलसी ने किसान विरोधी नीतियों के लिए मोदी सरकार पर भी निशाना साधा। तेलंगाना की रैतु बंधु योजना की नकल करने के बाद, भाजपा सरकार ने पीएम किसान कार्यक्रम की शुरुआत की है, लेकिन कुछ ही वर्षों में इसे रद्द कर दिया गया है।

राज्य में कांग्रेस पार्टी की स्थिति पर, कविता ने कहा कि मुनुगोड़े उपचुनाव में कांग्रेस तीसरे स्थान पर रही, क्योंकि पार्टी सांसद राहुल गांधी अपनी भारत जोड़ो यात्रा में व्यस्त थे, जिससे पार्टी की संभावनाएं अधर में थीं।

फर्जी पासपोर्ट रखने के मामले में रामचंद्र भारती के खिलाफ केस दर्ज

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बंजाराहिल्स पुलिस ने कथित रूप से छद्म नाम से पासपोर्ट रखने के आरोप में विधायक अवैध शिकार मामले के मुख्य संदिग्ध रामचंद्र भारती के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जांच के दौरान पुलिस ने पाया कि उसने कर्नाटक के कुमार शर्मा के नाम से पासपोर्ट हासिल किया है। एसआईटी अधिकारियों को पासपोर्ट की कॉपी लैपटॉप और शॉपिंग मोड आईफोन में कथित तौर पर रामचंद्र भारती से मिली थी। उसके खिलाफ पहले से ही कई पैन, आधार कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस रखने का मामला दर्ज है। एसीपी राजेंद्रनगर, गंगाधर की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया था।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

विश्व के सर्वप्रथम गोल्ड मेडलिस्ट
अब तक परेशान क्यों?
कोई भी पंडित, तांत्रिक, बाबा हम से पहले काम करके दिखाये मुँहमांगा ईनाम पाये
हजारो के दुखो को खुशी में बदलने वाले
बाबा साबिर खान बंगाली
जैसे पति-पत्नी मे झगड़ा, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, मनचाहा प्यार, गृहक्लेश, विदेश यात्रा, जादू-टोना, AtoZ समस्याओ का तुरंत समाधान पाये।
9810940158
स्पे० वशीकरण व मुठकरनी

बैद्यनाथ
असली आयुर्वेद
कब्ज़ एवं पाईल्स की चिकित्सा में सहायक
सिड्पाईल्स
टैबलेट
बवासीर, फिस्टुला, कब्ज़, गुदा मार्ग की सूजन, जलन, चुभन, खुजली, असहनीय वेदना आदि तकलीफें दूर करने में सहायक।
SIDPILES TABLET For Piles
अभयामृत
पुराने से पुराने कब्ज़ को दूर कर पाचन ठीक रखने में सहायक।
वैद्यकीय सलाह : 8448444935
www.baidyanath.co

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.